नई दिल्ली । गुरुवार, 30 जुलाई, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 205/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
# विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल सीडब्ल्यूजी में देश को दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड, मीराबाई... @ विचार कॉकरोच आंदोलन : गांधीवाद की छाया या डिजिटल... @ व्यापार गिरावट से उबरा बाजार, सेंसेक्स में 889 अंकों की बढ़त...

# पेपर लीक होने पर 10 साल की जेल और 10 करोड़ रुपए का जुर्माना

## वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया।

बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ।

इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा।

**वंदे मातरम के अपमान पर अब 3 साल तक की जेल**

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं।

राज्यसभा में वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने वाला विधेयक पारित कर दिया। इस कानून के तहत वंदे मातरम् का अपमान करने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है।

**जितेंद्र सिंह बोले- गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री नहीं देते**

राहुल ने कहा कि शाह के साथ 30 गाड़ियों का काफिला था। इन्हें ये नहीं पता कि गृह मंत्री के साथ 30 गाड़ियां नहीं चलतीं और शाह विदेश नहीं गए हैं। तथ्यों के बिना गैरजिम्मेदारी से सदन में ये बातें कहना और फिर निकल जाना ये किसी नेता प्रतिपक्ष का व्यवहार हो ही नहीं सकता।

21 जुलाई को नेता प्रतिपक्ष पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए। इनकी हसरत है कि देश इनको पीएम बनाए। लेकिन इनका सपना पूरा नहीं हुआ तो ये पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए। जब इन्हें समझाया गया निवेदन किया कि आप यहां से हट जाइए। तो इन्होंने कहा कि मुझे उठा लिया गया।

शुरू में ये प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए क्योंकि इन्हें लगा ये आम आदमी पार्टी का आंदोलन है। लेकिन बाद में इन्हें FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) हो गया।

**केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले- विपक्ष बिल पर राजनीति कर रही**

बिल पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्ष बिल के नाम पर राजनीति कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिन अपशब्दों का इस्तेमाल किया वे असंसदीय हैं। माननीय सदस्य खुद को भी इडियट समझें तो वह नहीं कर सकते। उन्हें नियमों की जानकारी नहीं है। यदि वे व्यक्ति विशेष के लिए ये शब्द नहीं बोल रहे तो क्या छात्रों के लिए ये शब्द थे। और यदि छात्रों को इडियट कहा जाए तो इससे दुर्भाग्यपूरअम कुछ नहीं है।

# शुभमन गिल बने वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज

## वैभव सूर्यवंशी दुनिया के टॉप-50 टी-20 बल्लेबाजों में शामिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईसीसी की ताजा टी-20 रैंकिंग में भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 230 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। सूर्यवंशी 536 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दुनिया के 48वें नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं। वे पहली बार टॉप-50 में आएं हैं। दूसरी ओर वनडे में भारत के कप्तान शुभमन गिल वर्ल्ड नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं।

वनडे में टॉप-4 में तीन भारतीय हैं। विराट कोहली दूसरे और रोहित शर्मा चौथे नंबर पर हैं। जसप्रीत बुमराह नंबर-1 टेस्ट बॉलर बने हुए हैं।

**सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे दौरे पर 2 फिफ्टी लगाई**

सूर्यवंशी ने पिछले सप्ताह जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी-20 सीरीज में तीन मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए। इसी प्रदर्शन की वजह से उनकी रैंकिंग में इतनी लंबी छलांग आई है। सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे।

**ईशान किशन टी-20 में टॉप पर बरकरार**

टी-20 बल्लेबाजों की लिस्ट में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन नंबर-1 स्थान पर काबिज हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद साहिबजादा फरहान (848 पॉइंट्स) से काफी आगे हैं।

**ईशान ने कोहली और सूर्या को पीछे छोड़ा**

रैंकिंग में ईशान किशन 910 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं। ईशान जिम्ब्बाब्वे के खिलाफ हुए दूसरे मैच के बाद 916 रेटिंग अंक तक पहुंचे थे। तब उन्होंने करियर के ऑल टाइम हाइएस्ट टी-20 रेटिंग के मामले में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया था। विराट ने अपने टी-20 करियर में सबसे ज्यादा 909 और सूर्यकुमार यादव ने 912 अंक जुटाए थे।

आईसीसी खिलाड़ियों की रेटिंग सप्ताह में एक ही बार बुधवार को जारी करती है। भारत-जिम्बाब्वे तीसरे टी-20 में ईशान 29 रन ही बना सके थे। इससे उन्हें 6 अंक का नुकसान हुआ और इसलिए ताजा रेटिंग में उनके 910 अंक हैं।

**टी-20 बॉलर्स रैंकिंग के टॉप-10 में इकलौते भारतीय वरुण**

राशिद खान टी-20 इंटरनेशनल गेंदबाजों की रैंकिंग में भी 753 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद 736 पॉइंट्स के साथ दूसरे और इंग्लैंड के आदिल राशिद 710 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

**शुभमन गिल फिर बने वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज**

वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज खत्म होने के बाद वनडे रैंकिंग के टॉप पोजिशन पर बदलाव हुआ है। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के मैच न खेलने की वजह से भारत के शुभमन गिल एक बार फिर वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बैटर बन गए हैं। मिचेल इसी साल जनवरी से टॉप स्पॉट पर थे।

# बिलासपुर सेंट्रल जेल में कैदी ने जलती भट्टी में कूदकर दी जान

## डबल मर्डर केस में काट रहा था उम्रकैद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ की बिलासपुर सेंट्रल जेल में बुधवार को एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जेल परिसर में डबल मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी ने रसोई घर के लिए स्थापित गैसीफायर प्लांट की जलती हुई भट्ठी में छलांग लगा दी। इस घटना में कैदी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कैदी की पहचान बृजेश उर्फ राहुल के रूप में हुई है।

घटना के तुरंत बाद पूरे जेल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह और पुलिस अधिकारियों की टीम सेंट्रल जेल पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक (स्नस्रु) और पुलिस की टीम मामले की विस्तृत जांच में जुट गई है।

**गैसीफायर की भट्ठी में कूदा कैदी**

बताया जा रहा है कि सेंट्रल जेल परिसर में भोजन पकाने के लिए गैसीफायर प्लांट स्थापित किया गया है, जिसमें लकड़ियां डालकर गैस बनाई जाती है। बुधवार को जब भट्ठी चालू थी, उसी दौरान कैदी बृजेश अचानक वहां पहुंचा और देखते

ही देखते जलती भट्ठी के अंदर कूद गया। जब तक जेलकर्मी और अन्य बंदी उसे बचाने दौड़ते, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

**जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल**

हाइ-सिक्योरिटी माने जाने वाले सेंट्रल जेल के इतने संवेदनशील हिस्से तक किसी सजायाफ्ता कैदी का आसानी से पहुंच जाना और इतना बड़ा आत्मघाती कदम उठा लेना जेल प्रशासन की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि घटना के समय वहां कौन-कौन से सुरक्षाकर्मी तैनात थे और चूक कहां हुई। बिलासपुर सेंट्रल जेल पहले भी बंदियों के बीच मारपीट, संदिग्ध मौतों, मोबाइल और नशे के सामान की बरामदगी जैसे मामलों को लेकर सुर्खियों में रही है। इस ताजा घटनाक्रम ने एक बार फिर जेल प्रबंधन के दावों की पोल खोल दी है।

# लोकसभा में राहुल की 50 मिनट की स्पीच, जमकर हंगामा

## 'इडियट' शब्द बोलने पर स्पीकर ने 11 बार, रिजिजू ने 7 बार टोका, कहा- माफी मांगें

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।'

स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पीकर से कहा- इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा

दिया जाए। राहुल ने कहा, 'देश का भविष्य सड़कों पर उतरा। प्रदर्शन में गुस्सा, नफरत नहीं थी। वे केवल अपनी आवाज उठा रहे थे। अगर भाजपा के मेरे मित्र अपने बच्चों से पूछें कि उनके भाई-बहन जो कर रहे हैं, उसके बारे में वे क्या सोचते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों का भी समर्थन ही मिलेगा।'

**राहुल-रिजिजू के बीच फायरिंग की इजाजत पर बहस हुई**

राहुल- ने कहा, गृह मंत्री ने छात्रों पर शूटिंग की इजाजत दी। पैलेट गन चलाने का आदेश दिया। छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया।

रिजिजू- आप बिना सोचे समझे बोल रहे हैं। ऐसा मत बोलिए। आपको गंभीरता से बोलना चाहिए। ये ठीक नहीं है। ये किस आधार पर आपने बयान दिया। आपको किसने बताया। आप माफी मांगिए। गोली चली, ये छोटी बात नहीं है। ऐसा कैसे कह सकते हैं कि किसी ने गोली चलाई। ये गंभीर आरोप है।

विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू की- 'राहुल गांधी को बोलने दो, राहुल गांधी को बोलने दो।'

अखिलेश यादव- अगर नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं तो ये सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि छात्रों पर ऐसा व्यवहार किसने किया ये जांच करे।

रिजिजू- आप जांच की मांग करिए, लेकिन राहुल गांधी सीधे-सीधे गृह मंत्री पर आरोप लगा रहे हैं। आपको माफी मांगना होगा। झूठा आरोप लगाया है।

# 'सदन में अर्मयादित शब्दों का इस्तेमाल असंसदीय'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद संबित पात्रा ने बुधवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संसद में तथ्यों के बिना दावे कर रहे हैं, असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और सुरक्षा बलों के बारे में भ्रामक बातें कहकर उनका मनोबल गिराने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संबित पात्रा ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई बार नियम पुस्तिका दिखाकर स्पष्ट किया है कि 'इडियट' शब्द असंसदीय है और इसका इस्तेमाल सदन में नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद विपक्ष लगातार इस शब्द का प्रयोग कर रहा है।

उन्होंने राहुल गांधी के उस दावे पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 वाहनों के काफिले के साथ

पहुंचे थे। संबित पात्रा ने कहा, 'मैं राहुल गांधी को चुनौती देता हूं कि हमारे साथ आइए और गाड़ियां गिनिए। बताइए अमित शाह का 30 गाड़ियों का काफिला कहां था? क्या जो व्यक्ति सदन के अंदर पांच मिनट तक नहीं बैठ सकता, वह बाहर खड़े होकर गाड़ियां गिन सकता है?' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें नहीं लगता कि प्रधानमंत्री के काफिले में भी 30 वाहन होते हैं। 'यह पूरी तरह झूठ है। अमित शाह ऐसे नेता हैं जिनसे नक्सली तक डरते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उन्होंने दिन-रात मेहनत कर देश को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में काम किया।

## निवेश की नई कसौटी

# नीति आयोग का पहला इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स क्यों है अहम

आयुषी कुमारी ■ बेंगलुरु

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नीति आयोग ने पहली बार इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स (Investment Friendliness Inde&, IFI) 2026 जारी किया है। यह सूचकांक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निवेश आकर्षित करने की क्षमता का व्यापक आकलन करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल राज्यों की रैंकिंग भर नहीं है, बल्कि निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास की नई प्रतिस्पर्धा की शुरुआत भी है।

भारत वैश्विक निवेश के प्रमुख केंद्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में यह सूचकांक इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि निवेशक केवल कर छूट या प्रोत्साहन योजनाओं के आधार पर निर्णय नहीं लेते, बल्कि आधारभूत संरचना, नीतिगत स्थिरता, प्रशासनिक दक्षता और व्यापार करने में आसानी जैसे कई पहलुओं को भी महत्व देते हैं। IFI इन्हीं कारकों का समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत करता है।

नीति आयोग के अनुसार, सूचकांक राज्यों का आकलन आठ प्रमुख मानकों पर करता है, जिनमें आधारभूत संरचना, व्यापारिक वातावरण, संसाधनों की उपलब्धता, सरकारी नीतियां, नियामकीय व्यवस्था, संस्थागत क्षमता, वित्तीय स्थिति और पर्यावरणीय स्थिरता शामिल हैं। इन मानकों का उद्देश्य यह समझना है कि कौन से राज्य निवेशकों के लिए सबसे अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रहे हैं।

पहले संस्करण में गुजरात ने शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि महाराष्ट्र और तमिलनाडु दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं। इन राज्यों की सफलता के पीछे मजबूत औद्योगिक आधार, बेहतर कनेक्टिविटी, कुशल कार्यबल, उद्योग समर्थक नीतियां और अपेक्षाकृत प्रभावी

प्रशासन को प्रमुख कारण माना जा रहा है। वहीं, अन्य राज्यों के लिए यह सूचकांक सुधार की दिशा तय करने का अवसर प्रदान करता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस पहल से राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धी संघवाद को नई गति मिल सकती है। बेहतर रैंक हासिल करने के लिए राज्य निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने, मंजूरी की समयसीमा घटाने, डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने और उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियां लागू करने पर अधिक ध्यान देंगे। इससे घरेलू निवेश के साथ-साथ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) आकर्षित करने में भी मदद मिल सकती है।

इस सूचकांक का महत्व केवल निवेश तक सीमित नहीं है। यदि राज्यों में निवेश बढ़ता है तो विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप और एमएसएमई को विस्तार मिलेगा। इसके परिणामस्वरूप रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। यह पहल 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और विकसित भारत 2047 जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों को भी मजबूती प्रदान कर सकती है।

हालांकि, कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि केवल रैंकिंग से निवेश सुनिश्चित नहीं हो जाता। राजनीतिक स्थिरता, कानून व्यवस्था, भूमि की उपलब्धता, बिजली आपूर्ति, लॉजिस्टिक्स, न्यायिक प्रक्रिया और नीतियों की निरंतरता जैसे कारक भी निवेशकों के निर्णय में समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए राज्यों को केवल अपनी रैंक सुधारने के बजाय वास्तविक सुधारों पर भी ध्यान देना होगा।

पर्यावरणीय संतुलन भी इस पूरी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पहलू है। औद्योगिक विकास की दौड़ में यदि पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी होती है, तो दीर्घकालिक आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। यही कारण है कि सूचकांक में पर्यावरणीय स्थिरता को भी प्रमुख मानकों में शामिल किया गया है।

नीति आयोग का इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स 2026 भारत में निवेश आधारित विकास मॉडल को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। आने वाले वर्षों में इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि राज्य इन निष्कर्षों को नीतिगत सुधारों में कितनी प्रभावी ढंग से बदलते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह सूचकांक केवल एक वार्षिक रैंकिंग नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक निवेश केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नीति उपकरण साबित हो सकता है।

# पीओके के हालात बेकाबू, 40 निर्दोषों की मौत

**इस्लामाबाद** । पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने भारी बल का इस्तेमाल किया। उनकी कार्रवाई में 40 लोगों के मारे जाने और दर्जनों के घायल होने का दावा किया गया है। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने बुधवार को रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 27 और 28 जुलाई के बीच रावलाकोट, मीरपुर और अन्य क्षेत्रों में करीब 40 नागरिकों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए और मनमाने ढंग से गिरफ्तार किए गए। संगठन ने गहरी चिंता जताते हुए दावा किया कि 5 जून से अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, सैकड़ों घायल हुए और सैकड़ों लोगों को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर जबरन लापता किया गया है। यूकेपीएनपी ने पाकिस्तानी बलों की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा, 'शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ अत्यधिक या गैरकानूनी बल का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का गंभीर उल्लंघन है।

# भारत के रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में 5.08 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश और रिकॉर्ड ग्रोथ

## केंद्र सरकार ने रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को संसद में दी जानकारी

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल को संसद में केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में भारत की शानदार प्रगति, आयात पर निर्भरता में भारी कमी और 2030 तक 500 GW की नॉन-फॉसिल फ्यूल (गैर-जीवाश्म ईंधन) क्षमता हासिल करने के रणनीतिक रोडमैप पर प्रकाश डाला। इस बदलाव में छत्तीसगढ़ राज्य की सक्रिय भागीदारी को दोहराते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि

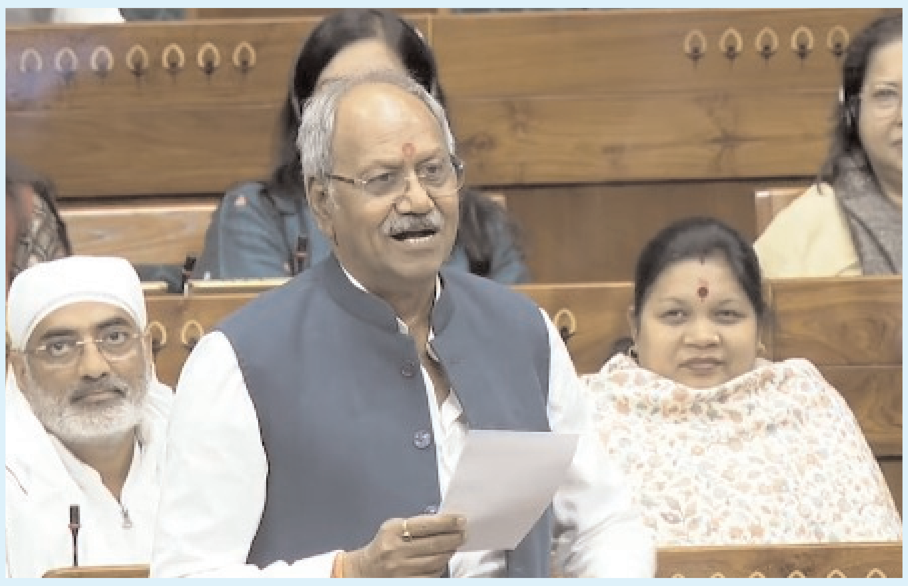

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा बदलावों में से एक को अंजाम दे रहा है। छत्तीसगढ़ इस राष्ट्रीय विज़न के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विकेंद्रीकृत सौर पहलों, 'पीएम सूर्य घर' योजना के तहत रूफटॉप इंस्टॉलेशन और ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के माध्यम से, छत्तीसगढ़ देश के 500 GW के लक्ष्य को हासिल करने में सक्रिय योगदान देता रहेगा और साथ ही अपने नागरिकों के लिए किफायती व भरोसेमंद बिजली की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगा। उल्लेखनीय है कि रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को अब तक करीब 560 करोड़ रुपये फंड स्वरूप मिले हैं। केंद्र सरकार द्वारा दी गई अन्य जानकारी के अनुसार पीएम सूर्य घर यानी मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 22 जुलाई, 2026 तक कुल 48,02,717 घरों में (14,180.89 मेगावाट स्थापित क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हुए छत योजना को कवर किया गया है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी घरेलू विनिर्माण पहलों के कारण, सौर मॉड्यूल के आयात में 77% से अधिक की गिरावट आई है। आयात वित्त वर्ष 2023-24 में 4,354 मिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 994 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। भविष्य में विकास और विस्तार के लिये केंद्र सरकार ने 2030 तक 500 GW की नॉन-फॉसिल क्षमता हासिल करने के लिए कई तरह की योजनाएं बनाई हैं। इसमें प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम, ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रांसमिशन, मार्केट मैकेनिज्म और एनर्जी स्टोरेज को लागू करना, साथ ही नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, ऑफशोर विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स और PM-KUSUM जैसी योजनाओं को तेज़ी से आगे बढ़ाना शामिल है।

# सेना प्रमुख ने पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा की

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा की है। वह 28 और 29 जुलाई को पूर्वी थिएटर के सैन्य गठन क्षेत्रों के दो दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने पूर्वोत्तर की मौजूदा सुरक्षा स्थिति, सैन्य तैयारियों और शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों की व्यापक समीक्षा की।

सेना प्रमुख ने मणिपुर की सुरक्षा स्थिति का आकलन किया, विभिन्न सैन्य संरचनाओं की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से बाढ़ राहत अभियानों की प्रगति की भी जानकारी ली। सेना प्रमुख ने यहां नागरिक प्रशासन की सहायता में जुटे जवानों के प्रयासों की सराहना की है। दौरे के पहले दिन 28 जुलाई को सेना प्रमुख ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी। यहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने असम राइफल्स (दक्षिण), असम राइफल्स (पूर्व) तथा रेड शील्ड डिवीजन की परिचालन तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने राज्य में सुरक्षित और स्थिर वातावरण बनाए रखने के लिए भारतीय सेना और असम राइफल्स के समन्वित प्रयासों की समीक्षा की। साथ ही विभिन्न सैन्य संरचनाओं और असम राइफल्स द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्र निर्माण तथा सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया। इस दौरान सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने अग्रिम क्षेत्रों में तैनात सैनिकों से बातचीत भी की। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जवानों की पेशेवर क्षमता, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। वह इस दौरान असम भी गए और यहां सैन्य तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने असम में आई बाढ़ को देखते हुए शुरू किए गए बचाव व राहत कार्यों की जानकारी भी ली। सेना प्रमुख इंफाल के खुमान लम्पाक मुख्य स्टेडियम में आयोजित 135वें इंडियन ऑयल डूरंड कप समारोह में भी शामिल हुए। यह इंफाल चरण के उद्घाटन कार्यक्रम का समारोह था। समारोह में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मुख्यमंत्री वाई. के. सिंह तथा सेना और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। देश का कप के नाम से लोकप्रिय डूरंड कप खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच माना जाता है।

सेना प्रमुख की उपस्थिति ने खेलों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने, समुदायों के बीच संवाद बढ़ाने और पूर्वोत्तर के लोगों तथा भारतीय फुटबॉल के बीच संबंधों को मजबूत करने की भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। सेना प्रमुख ने 29 जुलाई को दाओ डिवीजन और स्पीयरहेड डिवीजन की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। उन्हें क्षेत्र की परिचालन स्थिति, सैन्य तैयारियों और जारी बाढ़ राहत अभियानों की विस्तृत जानकारी दी गई।

## संक्षिप्त खबरें

### जमीनी स्तर पर विकास को तेजी देने के लिए मुख्यमंत्री स्पेशल फंड : कॉनराड संगमा

विश्व केसरी

**शिलांग।** मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार 'मुख्यमंत्री विशेष विकास कोष' (सीएमडीएसएफ) का इस्तेमाल करके छोटे लेकिन असरदार प्रोजेक्ट्स को फंडिंग दे रही है ताकि जमीनी स्तर पर विकास को तेजी दी जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस स्कीम का फायदा राज्य के सभी इलाकों में समान रूप से पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री संगमा तुरा में अपने सरकारी आवास पर सीएमडीएसएफ से मंजूर स्कीमों को बांटने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह फंड स्थानीय विकास की उन जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया था, जो अक्सर नियमित विभागीय कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएमडीएसएफ को खास तौर पर समुदाय-स्तर के उन प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिनका लोगों की जिंदगी पर सीधा और सार्थक असर पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस फंड के लिए पैसा मुख्यमंत्री सचिवालय के बजट से आता है।

### पुलिस ने दो बदमाशों को दबोचा, चोरी की बाइक और हथियार बरामद

विश्व केसरी

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 थाने की पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल, एक अवैध चाकू तथा एक तमंचा मय जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 28 जुलाई को थाना इकोटेक-3 पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध युवक सेक्टर-10 से तिलपता की ओर सर्विस रोड पर मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष पुत्र हरी सिंह तथा सागर पुत्र देवेंद्र सिंह के रूप में हुई है। पूछताछ और तलाशी के दौरान पुलिस ने मनीष के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया, जबकि सागर के पास से .315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके अलावा, दोनों के कब्जे से चोरी की एक बाइक भी बरामद की गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद मोटरसाइकिल किस क्षेत्र से चोरी की गई थी और क्या आरोपी अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं। गिरफ्तार

# भारी बारिश के बाद हालात की समीक्षा में जुटे उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, अधिकारियों संग की बैठक

विश्व केसरी

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने के लिए सुंदरबनी में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस संबंध में उप-मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से यह जानकारी साझा की गई।

आधिकारिक पोस्ट के अनुसार, उपमुख्यमंत्री ने सुंदरबनी स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के गेस्ट हाउस में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में राहत एवं बचाव कार्यों, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था और आम लोगों को हो रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में तेजी लाने और आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा, गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया। कार्यालय की ओर से साझा की गई एक अन्य पोस्ट में बताया गया कि उन्हें श्रीश्री 108 श्री मुकंद चेतन बाल ब्रह्मचर्य जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर उन्होंने समाज में आध्यात्मिक मूल्यों और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को भी रेखांकित किया। एक अन्य पोस्ट के अनुसार, उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर में आयोजित गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में भी भाग लिया। यहां उन्होंने महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 संतोषदास मोनी जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि तथा शांति की कामना की। जनसंपर्क कार्यक्रमों के तहत उपमुख्यमंत्री नौशेरा के चौकी हंदन गांव भी पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उनके समक्ष रखे।

# पीएम मोदी 2 अगस्त से शुरू करेंगे 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त 2026 को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत करेंगे। यह अभियान 'नशा मुक्त भारत' और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शुरू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करना और उन्हें इस सामाजिक अभियान से जोड़ना है।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर यह अभियान एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन के रूप में शुरू किया जाएगा, जिसमें देशभर के युवा सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इस अभियान का नेतृत्व 'मेरा युवा भारत' के माध्यम से किया जाएगा। इसके तहत युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के बाद देशभर में करीब 10 हजार स्थानों पर एक साथ शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में एक करोड़ से अधिक युवा नशा मुक्ति की शपथ लेंगे। युवा नशे से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लेंगे। इसके साथ ही वे नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का प्रण लेंगे।

इस अभियान में 'मेरा युवा भारत' के स्वयंसेवक, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, युवा क्लब, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, गैर सरकारी संगठन, औद्योगिक संगठन और 125 से अधिक आध्यात्मिक संस्थान शामिल होंगे। सरकार का उद्देश्य युवाओं की भागीदारी के माध्यम से नशीले पदार्थों के खिलाफ एक मजबूत सामाजिक आंदोलन खड़ा करना है।

# न्यू टाउन इलाके में दुकान के बाहर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, जांच शुरू

विश्व केसरी

**कोलकाता।** बुधवार सुबह कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके न्यू टाउन में सड़क किनारे खाने-पीने की एक दुकान के बाहर एक व्यक्ति मृत पाया गया। इस घटना से स्थानीय निवासियों में चिंता फैल गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शव उत्तरी कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में राम मंदिर के पास स्थित खाने-पीने की एक पुरानी दुकान के पास मिला। दुकान का मालिक जब सुबह दुकान खोलने पहुंचा था तो उसने देखा कि बाहर जमीन पर एक व्यक्ति पड़ा है। उसने और आस-पास के दुकानदारों ने उस व्यक्ति को जगाने की कई बार कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर इको पार्क पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने कहा कि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चलेगी। स्थानीय लोगों का दावा है कि व्यक्ति के माथे पर चोट के निशान थे, हालांकि जांच करने वालों ने गिरने से चोट लगने की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अस्वाभाविक मौत की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और मृतक की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। यह पता लगाने के लिए आस-पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है कि वह उस जगह कैसे पहुंचा और क्या शव को वहां लाया गया था।

# जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव : राजस्थान हाई कोर्ट में मामले से हटने की ईसीआई की याचिका खारिज

विश्व केसरी

**जयपुर।** राजस्थान हाई कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने 2024 के जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव नतीजों को चुनौती देने वाली याचिका में खुद को पक्षकार के तौर पर हटाने की मांग की थी।

जस्टिस विनोद कुमार भरवानी ने आदेश दिया कि ईसीआई, मुख्य चुनाव आयुक्त, जिला चुनाव अधिकारी और रिटर्निंग अधिकारी मामले में पक्षकार बने रहेंगे। कोर्ट ने पाया कि कांग्रेस उम्मीदवार अनिल चोपड़ा और भाजपा उम्मीदवार राव राजेंद्र सिंह के बीच जीत का अंतर 1,615 वोटों का था, जबकि रद्द किए गए पोस्टल बैलेट की संख्या इस अंतर से ज्यादा थी, जिससे चुनाव आयोग इस मामले में एक जरूरी पक्ष बन गया।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ध्यान दिया कि चुनाव नतीजों वाले दिन (4 जून, 2024) रिटर्निंग ऑफिसर ने याचिकाकर्ता को बताया था कि 1,225 पोस्टल बैलेट रद्द किए गए थे। हालांकि, बाद में सूचना का अधिकार, कानून के जरिए मिली जानकारी से पता चला कि 2,738 पोस्टल बैलेट रद्द किए गए थे।

कोर्ट ने देखा कि दोनों आंकड़े चुनाव आयोग ने एक ही दिन के लिए दिए थे और यही अंतर दोनों उम्मीदवारों के बीच विवाद की मुख्य वजह है। कोर्ट ने फैसला सुनाया, 'इन हालात को देखते हुए, चुनाव आयोग इस मामले में एक जरूरी पक्ष है, इसलिए, उसकी अर्जी खारिज की जाती है।'

# वाराणसी से केशव प्रसाद मौर्य का वैश्विक शांति का संदेश, बोले- बुद्ध के शांति और करुणा के संदेश की आज सबसे ज्यादा जरूरत

विश्व केसरी

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के संदेश को आज के दौर की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिला रहा है, बल्कि भगवान बुद्ध की अमर धरोहर को भी पूरी दुनिया में नई प्रतिष्ठा प्रदान कर रहा है।

उन्होंने सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने को भारत की सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक सम्मान का प्रतीक बताया। वाराणसी स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बतन स्टडीज के सभागार में आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध की प्रथम धम्मदेशना-स्थली सारनाथ केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए शांति, सह-अस्तित्व और करुणा का संदेश देने वाला केंद्र है। उन्होंने कहा कि आषाढ़ पूर्णिमा मानव कल्याण और विश्व बंधुत्व के मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आधुनिक विकास से जोड़ते हुए विश्व मंच पर नई पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों की यात्राओं के दौरान उन्हें भगवान बुद्ध के प्रति लोगों की गहरी आस्था और भारत के प्रति सम्मान को निकट से देखने का अवसर मिला।

उन्होंने रूस यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भगवान बुद्ध के प्रति लोगों की श्रद्धा भारत की हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक ने भगवान बुद्ध के विचारों को विश्वभर तक पहुंचाने का कार्य किया था और आज केंद्र तथा प्रदेश की डबल इंजन सरकार उसी विरासत को आगे बढ़ा रही है।

# बेगूसराय में बाउंड्री वॉल के झगड़े में फायरिंग, चार लोग घायल

विश्व केसरी

**पटना।** बिहार के बेगूसराय जिले के मुफ्फसिल पुलिस स्टेशन के तहत चंदवारा गांव के पास बुधवार को बाउंड्री वॉल बनाने को लेकर हुआ झगड़ा हिंसक हो गया, जिसमें दो ग्रुप के बीच कथित तौर पर फायरिंग हुई। इस घटना में चार लोग घायल हो गए।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बाउंड्री वॉल को लेकर हुई बहस जल्द ही झड़प में बदल गई, जिसके दौरान कथित तौर पर दोनों पक्षों ने फायरिंग की। चश्मदीदों ने दावा किया कि करीब 20 राउंड फायरिंग हुई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घायलों की पहचान सिंधु कुमार, धीरज, धनवीर और सनोज के रूप में हुई है। चारों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है और बताया जा रहा है कि वे डॉक्टरों की देखरेख में हैं। लोगों का आरोप है कि आरोपी 11 मोटरसाइकिलों पर मौके पर पहुंचे थे। इस झड़प के दौरान, गांववालों ने कथित हमलावरों में से दो को पकड़ लिया और पुलिस के पहुंचने से पहले ही उन पर हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद, मुफ्फसिल पुलिस स्टेशन के लोग मौके पर पहुंचे और काफी कोशिश के बाद गुस्साई भीड़ से दो घायल लोगों को बचाया।

# मध्य छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश, कई जिले जलमग्न

## गरियाबंद की पैरी नदी उफान पर, सीकासेर बांध के कुछ गेट खोले गए, राजधानी में भी हालात खराब

विश्व केसरी■

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में 1 जून से 29 जुलाई तक औसतन 485.9 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। छत्तीसगढ़ में इस साल मानसूनी बादलों की चाल अलग-अलग अंचलों में अलग रंग दिखा रही है। मैदानी और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में जहां नदियां-नाले उफान पर हैं और जलाशयों में तेजी से जलभराव हो रहा है, वहीं बस्तर संभाग और सरगुजा के कुछ इलाकों में अब भी अच्छी बारिश का इंतजार है।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 29 जुलाई 2026 तक जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 1 जून से अब तक औसतन 485.9 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले 10 वर्षों के औसत (515.9 मिमी) का 94.2 प्रतिशत है। 29 जुलाई को ही प्रदेश भर में औसतन 38.8 मिमी बारिश हुई, जिससे धान रोपाई के कामों में तेजी आ गई है।

**सारंगढ़-बिलाईगढ़ में रिकॉर्ड तोड़ बारिश, महासमुंद और रायपुर भी आगे**

इस मानसूनी सीजन में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला बारिश के मामले में प्रदेश में सबसे शीर्ष पर बना हुआ है। यहां सामान्य से लगभग दोगुनी यानी 195.5% (772.0 मिमी) वर्षा दर्ज की गई है।

**अत्यधिक बारिश वाले प्रमुख जिले :**

**महासमुंद:** 147.5% (698.3 मिमी)

**रायपुर:** 132.0% (579.4 मिमी)

**जांजगीर-चांपा:** 131.6% (708.2 मिमी)

**बलरामपुर:** 130.1% (471.4 मिमी)

**बलौदाबाजार:** 125.0% (607.7 मिमी)

**बस्तर और सरगुजा संभाग में कम बरसे बादल**

**प्रदेश में सबसे कम बारिश बीजापुर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में दर्ज की गई है-**

**बीजापुर:** सामान्य का 51.3% (484.3 मिमी)

**सुकमा:** 54.5% (395.0 मिमी)

**मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी:** 57.3% (356.0 मिमी)

**बस्तर (जगदलपुर):** 58.4% (365.9 मिमी)

**कांकेर:** 62.5% (407.8 मिमी)

**सरगुजा:** 70.9% (267.1 मिमी)

**24 घंटों में कहां कितनी हुई बारिश?**

बीते 24 घंटों के दौरान महासमुंद में सबसे अधिक 101.5 मिमी, गरियाबंद में 92.5 मिमी, धमतरी में 90.8 मिमी, रायपुर में 79.7 मिमी, बीजापुर में 74.0 मिमी तथा बालोद में 69.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने सभी जिला कलेक्टरों और आपदा राहत टीमों को 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

### पैरी नदी उफान पर

**गरियाबंद।** प्रदेश के गरियाबंद जिले सहित अन्य जिलों में पिछले 48 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित करके रख दिया है। वहीं दूसरी तरफ गरियाबंद के मालगांव के पास पनटोरा ग्राम में पैरी नदी का पानी सड़क पर आ गया है। इससे ग्राम वासियों को आवाजाही में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात निरंतर बिगड़ते जा रहे हैं इसे देखते हुए जिले के कलेक्टर ने आम ग्रामीणों से एक अपील की है। इस अपील में यह कहा गया है कि बारिश के दौरान घर से बाहर न निकले और विशेष तौर पर जंगल वाले इलाकों पर ना जाएं जहां पर पानी अधिक है सड़कों पर भी आते जाते समय गड्ढे भरे होने पर सतर्कता रखें।

**राजधानी में भी हालात बिगड़े**

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में हालात बेहाल राजधानी रायपुर में भी पिछले 48 घंटे से तेज वर्षा ने कई इलाकों में जल भराव की स्थिति देखने को मिल रही है। आम लोग को दैनिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है सड़कों में कई स्थानों पर गड्ढे की वजह से पानी भर गया है। जिससे पानी की उचित निकासी नहीं होने के कारण आने जाने में परेशानी हो रही है और काफी लोग प्रभावित हैं। विशेष कर निचली बस्तियों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है नगर निगम के दावे खोखले साबित होते दिखाई पड़ रहे हैं।

## नीट परीक्षा को लेकर पाखण्ड प्रदर्शित कर रही कांग्रेस : श्रीवास

विश्व केसरी■

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजी-पीएससी) घोटाले और राज्य में पिछली सरकार के दौरान विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस व पिछली भूपेश सरकार पर जमकर हमला बोला है। बुधवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में श्रीवास ने पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में सीजी-पीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी की ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह घोटाला केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि राज्य के युवाओं के साथ हुआ एक बड़ा षड्यंत्र था। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीवास ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के कारण आज देश की दो प्रमुख जाँच एजेंसियाँ सीबीआई व ईडी इस घोटाले की परत-दर-परत जाँच कर रही हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए श्रीवास ने आरोप लगाया कि भूपेश बघेल सरकार के समय जब युवाओं ने सबूत दिए थे, तब भी इसे स्वीकार नहीं किया गया। यहाँ तक कि जब राहुल गांधी बिलासपुर यात्रा के दौरान ट्रेन से सफर कर रहे थे, तब युवाओं ने उन्हें सीजी-पीएससी घोटाले के प्रमाण दिए थे, लेकिन राहुल गांधी ने भी तब इस पर चुप्पी साध ली थी।

## कृषि महाविद्यालय, रायपुर की प्राध्यापिका एवं छात्रा ने राज्य स्तरीय शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

विश्व केसरी■

**रायपुर।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, रायपुर की प्राध्यापिका, डॉ. राजश्री गायन तथा द्वितीय वर्ष की छात्रा एवं 8 सीजी गर्ल्स बटालियन की कैडेट रिद्धिमा अग्रवाल ने 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शूटिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। इस प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 21 जुलाई 2026 तक माना स्थित शूटिंग रेंज, रायपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन के तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के निशानेबाजों ने विभिन्न वर्गों में भाग लिया। डॉ. राजश्री गायन ने 10 मीटर एवं 25 मीटर एयर पिस्टल (महिला मास्टर्स वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर दो स्वर्ण पदक अर्जित किए। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने कॉलेज एवं विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसी प्रकार कृषि महाविद्यालय, रायपुर की द्वितीय वर्ष की छात्रा एवं 8 सीजी गर्ल्स बटालियन (NCC) की कैडेट रिद्धिमा अग्रवाल ने 50 मीटर ओपन साइट राइफल महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी महाविद्यालय के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

## सड़क हादसे में घायल हुए छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष किरण सिंह देव, झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती

विश्व केसरी■

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर से विधायक किरण सिंह देव एक भीषण सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। यह हादसा उस समय हुआ जब वह मध्य प्रदेश स्थित बागेश्वर धाम में दर्शन-पूजन करने के बाद वापस छत्तीसगढ़ लौट रहे थे। दुर्घटना के बाद उन्हें तुरंत उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

**कट मारने से अनियंत्रित होकर ट्रक से टकराई कार**

मिली जानकारी के अनुसार, सफर के दौरान कार की रफ्तार लगभग 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा थी। अचानक सामने से आ रही एक गाड़ी ने उनकी कार को कट मार दिया। सामने से आती गाड़ी को बचाने के प्रयास में किरण देव के ड्राइवर ने वाहन को तेजी से मोड़ा, जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा इंजन तक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

**कमर में आई चोट, हालत खतरे से बाहर**

अचानक लगे तेज झटके के कारण विधायक किरण सिंह देव की कमर में चोट आई है, जिससे उन्हें चलने-फिरने में तकलीफ हो रही है। हालांकि, झांसी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों द्वारा की गई शुरुआती जांच में किसी फ्रैक्चर की पुष्टि नहीं हुई है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। कार में सवार उनके पीएसओ, पीए और ड्राइवर को मामूली चोटें आई हैं।

## छत्तीसगढ़ की ज्ञानेश्वरी यादव ने जीता रजत यादव महासभा ने दी बधाई

विश्व केसरी■

**सरसींवा (राकेश सोनी)।** छत्तीसगढ़ यादव समाज की होनहार बेटी भारत का गौरव यादव समाज का अभिमान एशियाई चैंपियनशिप कास्य पदक विजेता छत्तीसगढ़ पुलिस में सब इंस्पेक्टर के रूप में कार्यरत ज्ञानेश्वरी यादव ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन, अनुशासन और अद्भुत खेल प्रतिभा के दम पर कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीत कर प्रदेश एवं देश और यादव समाज का नाम रोशन किया है। ज्ञानेश्वरी यादव की शानदार उपलब्धि हम सभी प्रदेश एवं देशवासियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है।

ज्ञानेश्वरी यादव आपके इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आप यूं ही प्रदेश व देश का नाम रोशन करती रहे और सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त करते रहें।आपकी सफलता पर पूरा यादव समाज गौरवान्वित है। बधाई देने वालों में राष्ट्रीय महासचिव दिनेश यादव, राष्ट्रीय सचिव इंजी. एस डी यादव, राष्ट्रीय सचिव डी आर यादव,प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश्वर यादव, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ममता यादव,महासमुंद जिला अध्यक्ष विनोद यादव, कार्यकारी जिला अध्यक्ष डॉ पवन कुमार यादव, बिलाईगढ़ परिक्षेत्र अध्यक्ष धनेश यादव,दिनेश कुमार यादव, राजेंद्र कुमार यादव राजू, जय यादव, जिला अध्यक्ष सारंगढ़ राजेंद्र यादव, रामनारायण पुजारी यादव सारंगढ़,अमित यादव अधिवक्ता महासमुंद, तुषार यादव मयंक यादव मोंटी, ईशान यादव, कोमल यादव,अंबर यादव, योगेश यादव, छतर सिंह यादव, बिलासपुर से संयोजक जितेंद्र यादव, नारद यादव जिला संयोजक बेमेतरा, प्रदेश उपाध्यक्ष रामाश्रय यादव महासमुंद, पंकज लता यादव महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रायगढ़ आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

## वर्ल्ड टाइगर डे पर विशेष : सफेद बाघ का बच्चा संत है वह 'मोहन' की कहानी

विश्व केसरी■

**बिलासपुर (अमित मिश्रा)।** विश्व में पहला सफेद बाघ रीवा के राजा मार्तंड सिंह ने 27 मई 1951 को बांधवगढ़ में देखा और उसे पकड़कर गोविंदगढ़ के किले में रख दिया। मोहन का नाम मोहन की मां वी 2 बच्चा सामान्य शक्ल वाले बाघ की तरह थे लेकिन मोहन ही सफेद थे जिन्हें हम एल्विनो कहते हैं। मार्तण्ड सिंह ने अपने जीवन में 85 बाघों का शिकार किया लेकिन मोहन के बाद कभी बाघों का शिकार ही नहीं किया। बांधवगढ़ पूरी दुनिया को सफेद बाघ से पहचान वाला आज स्वयं ही ज़ानजन है, म.प्र. शासन के महत्वपूर्ण प्रयास से बांधवगढ़ में फिर से सफेद बाघ की घर वापसी करने जा रही है। जो आने वाले सत्र में दर्शकों को देखने को मिलेगा, यह जान वैज्ञानिक विशेषज्ञ पुष्पराज सिंह और पुलवा बैरिया के चेहरे बयां कर रही थी की

मोहन के निधन के बाद उनके सर की ढाल, पहली, मोहनबार को उस गुफा के पास पकड़ी गई, पुलवा बैरिया जो मोहन की बचपन से देखभाल की।

वो कितनी खुश है।

'पुलवा' जो बचपन से मोहन की यादों में खोया हुआ है और एक मोहन की यादों में खोया हुआ है, उन्होंने कहा कि राजा साहब जब किले में आए और एकाएक शहर बजाते मोहन उनकी एक तरफ नजर आए, तो मोहन की आखिरी सांस तक देखी गई।

भारत के सफेद टाइगर मोहन ने बताया कि कैसे दुनिया को सफेद बाघों की पसंद दी गई है। इस पर पुष्पराज सिंह ने बताया कि मोहन ही एकमात्र शुद्ध रूप से भारतीय बाघ हैं। आज दुनिया में सफेद बाघ करीब 300 के करीब है, जिसमें भारत अकेले ही 100 के करीब है। अकेले मोहन से क्रैडिंग ब्रीडिंग के जरिए 21 सफेद बाघ तैयार किए गए, सबसे पहले मोहनी नाम की सफेद बाघिन को अमेरिका ने 1960 में 10 हजार डॉलर में खरीदा और उनके स्वागत में अमेरिकी राष्ट्रपति 'अहसेन हावर' ने अगुवानी की थी, जो भारत में लोगों की जुबान पर 'मोहन जो दाहाड़े अमेरिका भी आरती उतारे' कहते थे। था।

1967 यूगोस्लोवाकिया के राष्ट्रपति 'टीटो' भी भारत आए और आगे के नमूने तक सफेद बाघ को देखते ही रह गए थे। 1970 तक सफेद बाघ एक तरह से दूत (एब्सडर) बन गए थे। और भारत का सफेद बाघ दुनिया के लिए सफेद जादू बन गया था। विशेषज्ञ विशेषज्ञ का मानना है कि पूरी दुनिया में सफेद बाघ अभी भी प्राकृतिक रूप से शिकार नहीं कर रहा है, जिसके कारण आज भी वे जू की शोभा दे रहे हैं। उनके पीछे कुनाबे में क्रूडब्रिडिंग से अलग-अलग जगहें सामने आईं। परिणामस्वरूप सफेद बाघ शिकार करने में अक्षम हो गया लेकिन पूरी तरह से हटकर एम.पी.आर. सरकार सफेद बाघों को एक चरण में रख जंगली बनाने की मानवीय कोशिश की जा रही है जो एक प्रकार से सफलता दे रही है अभी भी पूरे कार्यक्रम में विश्वास रखा जा रहा है। लेकिन बहुत जल्द पर्यटनो को खुले जंगल में देखने को मिलेगा। शायद ये पूरी दुनिया के लिए भी अजूबा होगा! सफेद बाघ अपने मूल बाघ के शरीर का रंग पीला संतरी और काली धारियां ही जंगल में छिपा रहता है। 1987 में मोहन पर भारत सरकार ने डाक टिकट भी जारी किया है।

## कोमना में गुरु पूर्णिमा पर उमड़ा आस्था का सैलाब

### विधायक डॉ. संपत अग्रवाल और भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की उपस्थिति में गुरु पूर्णिमा का आयोजन संपन्न

विश्व केसरी■

**सरायपाली।** भारतीय सनातन परंपरा में आषाढ़ पूर्णिमा यानी गुरु पूर्णिमा का स्थान सबसे ऊपर माना गया है। यह वह दिन है जब शिष्य अपने गुरु के चरणों में कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। इसी पावन अवसर पर सदन तिवारी महाराज के ऐतिहासिक निवास ग्राम कोमना में भक्ति और सांस्कृतिक चेतना का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहाँ स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में गुरु पूर्णिमा उत्सव का गरिमामय आयोजन किया गया।

समारोह में छत्तीसगढ़ के बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल हुए । उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा की विशिष्ट मौजूदगी रही। जैसे ही अतिथियों का काफिला ग्राम कोमना पहुँचा,

ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक आत्मीयता के साथ ग्रामवासियों एवं विद्यालय परिवार ने उनका भव्य स्वागत किया। पूरे गाँव में सुबह से ही एक उत्सव जैसा माहौल बना हुआ था। सदन तिवारी महाराज का निवास स्थल वर्षों से धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस परिसर से सटे कृष्णा पब्लिक स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम ने इस बार पूरे अंचल के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। मुख्य मंच पर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

मंच से जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक आयामों पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि गुरु केवल किताबी ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह शिष्य की चेतना को तराशने का काम करता है। अज्ञान के अँधेरे से निकालकर ज्ञान के उजाले की ओर ले जाना ही गुरु का असली धर्म है। हमारी मिट्टी और संस्कृति की ताकत यही है कि हमने हमेशा ज्ञान को धन-दौलत से ऊपर रखा है।

## एआई के जमाने में विद्यार्थी स्वयं बेहतर भविष्य तय करें : रजत बंसल

### महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में दीक्षा आरंभ में नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत

विश्व केसरी■

**रायपुर।** महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में आयोजित दीक्षा आरंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रजत बंसल विशेष सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय ने कहा कि वर्तमान दौर ए आई का है ऐसे दौर में विद्यार्थी स्वयं आगे आकर बेहतर भविष्य का चयन करें उन्होंने कहा कि नई युवा पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से क्या उपयोगी ज्ञान हासिल कर सकती है तय करना होगा उनका कहना था कि एक दौर था की जमीन की कीमत थी उसके बाद जानकारी के साथ आगे बढ़ने का दौर आया फिर अटेंशन के साथ बोलने की बात हुई परंतु अब वह समय है जिसमें विद्यार्थी स्वयं के लिए प्रोस्पेक्टिव तय करें क्योंकि विद्यार्थी ही स्वयं की प्रेरणा तय कर भविष्य बन सकता है

बंसल ने कहा कि जो भी जानकारियां ए आई के माध्यम से मिल रही हैं उसे फिल्टर करके समझने की आवश्यकता है कार्यक्रम में नगर पालिक निगम रायपुर के पूर्व महापौर एवं सभापति समाजसेवी प्रमोद दुबे की मौजूदगी रही उन्होंने अध्यक्षता करते हुए कहा कि गुरु के अंगूठे में स्वयं सरस्वती विराजमान होती है इसलिए गुरु का अनुसरण करें विद्यार्थी लाइफ में कन्फ्यूजन का कोई स्थान नहीं होता और ना ही रखना चाहिए।

## संपादकीय

# रस्म अदायगी न बने पौधरोपण अभियान

डॉ. संजय शुक्ला

हर साल मानसून की दस्तक के साथ ही देश में सरकारी विभागों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा पौधरोपण कार्यक्रमों की बाढ़ आ जाती है। इन आयोजनों में सरकार के सूत्रधारों से लेकर सेलिब्रिटी और आम जनता बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लेती है इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया वृक्षारोपण अभियान के खबरों और तस्वीरों से अटे पड़े रहते हैं। इन कार्यक्रमों में शामिल तमाम लोगों द्वारा रोपित पौधों के संरक्षण और जंगल बचाने का संकल्प लिया जाता है लेकिन कार्यक्रम के बाद पौधों के समुचित देखभाल के अभाव में या तो ये मवेशियों की भेंट चढ़ जाते हैं अथवा सूखकर ठूंठ ही बचते हैं। अलबत्ता एक दिन के रस्मी आयोजनों से सरकारी रिकॉर्ड में पौधारोपण के आंकड़े साल दर साल बढ़ रहे हैं लेकिन दूसरी ओर विभिन्न राज्यों में वनों के घटता दायरा और अभियान के आड़ में बढ़ता भ्रष्टाचार अभियान की हकीकत बयां कर रहा है। मतलब साफ है कि पौधरोपण अभियान की हकीकत आगे पाठ पीछे सपाट जैसी है।

बहरहाल मीडिया में सुर्खियां बटोरने के नाम पर होने वाले ऐसे आयोजन न केवल पर्यावरण के साथ छलावा है बल्कि इन आयोजनों में होने वाले भारी भरकम सरकारी खर्च और मानव श्रम का अपव्यय उस आम जनता के लिए भी तकलीफ देह है जो सरकार के जेब में अपनी खून पसीने की कमा ?ई बतौर टैक्स भरते हैं। दूसरी ओर सरकारी तंत्र के दावों पर भरोसा करें तो देश भर में हर साल करोड़ों पौधे रोपे जाते हैं लेकिन कोई भी सरकार रोपित पौधों के जीवित रहने का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं करती। वृक्षारोपण अभियानों में विरोधाभास यह भी कि एक तरफ जहां सरकारें हर साल करोड़ों पौधे लगाकर वनक्षेत्र बढ़ाने की कोशिश करती हैं वहीं दूसरी ओर वही सरकार अनेक योजनाओं के लिए जंगल उजाड़ने और वन भूमि उपयोग बदलने से परहेज नहीं करती। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक शहरीकरण,औद्योगिकीकरण,खनन और अधोभूत संरचना विकास के लिए साल 2015 से 2020 के बीच देश में 6,68,400 हेक्टेयर जंगल की बलि चढ़ गयी।आंकड़ों के मुताबिक साल 1980 से 2016 तक कुल 9 लाख हेक्टेयर वन भूमि का अन्य प्रायोजनों के लिए भूमि उपयोग बदला गया। कैग के एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2006 से 2012 के दौरान वन भूमि उपयोग बदलाव के मामले में छत्तीसगढ़ पूरे देश में पहले पायदान पर रहा, इस दौरान 20456.19 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्सन अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया। प्राकृतिक संतुलन के लिए भारत के क्षेत्रफल और जनसंख्या के अनुपात में 33 फीसदी वन जरूरी है जबकि आंकड़ों के मुताबिक देश में 23 फीसदी वन क्षेत्र है।

बात यदि छत्तीसगढ़ की करें तो राज्य की प्रमुख पहचान उसका विशाल वन क्षेत्र है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य का 44.12 फीसदी हिस्सा वनाच्छादित है। हालांकि भारतीय वन सर्वेक्षण यानि एफ ?एस ?आई के 'इंडिया स्टेट ऑफ फारेस्ट' रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 41.12 फीसदी जंगल है। एफ ?एस ?आई के अनुसार प्रदेश में 55,547 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र था जिसमें 7,064 वर्ग किमी अत्यंत सघन, 32,215 वर्ग किमी सामान्य सघन और 16,268 वर्ग किमी खुला वन था। राज्य निर्माण के बाद अधोभूत संरचना विकास, खनिज उत्खनन, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, अवैध कटाई, जंगलों में आग और साल बोरर बीमारी तथा अन्य मानवीय कारणों के चलते बीते डेढ़ दशक में लगभग 987 वर्ग किलोमीटर जंगल साफ हो ग ?ए। छत्तीसगढ़ जैसे ऊर्जा और खनिज संसाधन संपन्न राज्य में कोयला और लौह अयस्क खनन की अंधाधुंध सनक ने यहां के जंगलों को खूब उजाड़ा है। राज्य के पर्यावरण को कोयला आधारित पावर प्लांट्स और लौह संयंत्र ने राज्य के पर्यावरणीय सेहत को काफी हद तक बीमार कर दिया है फलस्वरूप राज्य में जहां औसत तापक्रम में लगातार बढ़ोतरी हो रही है वहीं वर्षा का प्रतिशत साल दर साल घटते जा रहा है। बिलाशक किसी भी सरकार के लिए विकास पहली प्राथमिकता होती है और इसके लिए बिजली और सुविकसित अधोभूत संरचना पहली आवश्यकता है। इस विकास के लिए सरकारों को जंगलों और पेड़ों को विमर्श में लाना ही होगा अलबत्ता विकास के बदले जंगलों का विनाश अत्यंत प्रलयंकारी होता है क्योंकि इसे मनुष्य देख और भोग रहा है। विचारणीय है कि देश में वन संरक्षण और पर्यावरण के लिए तमाम नियम- कानून और प्राधिकरण बनाए गए हैं लेकिन विकास की मृग मरीचिका इन नियमों और कानूनों को लगातार ठेंगा दिखा रही है। देश के पर्यावरण कानून में विकास के नाम पर कटने वाले पेड़ों की भरपाई 10 गुना वनरोपण के द्वारा करने की है लेकिन इसकी जमीनी हकीकत से सभी वाकिफ हैं।

बहरहाल पेड़ और जंगल मानव समाज के लिए कितना आवश्यक है यह किसी से छिपा नहीं है। देश और दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के लिए प्रमुख रूप से जवाबदेह जंगलों का विनाश है बावजूद सरकार और समाज इस दिशा में लापरवाह है। मानव जीवन के लिए पेड़ों का योगदान इस लिहाज से समझा जा सकता है कि एक पेड़ हर साल 750 किलोग्राम यानि रोज 2 किलोग्राम ऑक्सीजन छोड़ता है जबकि प्रतिवर्ष 20 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है। एक मनुष्य प्रतिदिन 550 किलोग्राम शुद्ध ऑक्सीजन का उपयोग करता है और 500 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करता है। पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के लिहाज से देखें तो भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जक देश है जहां उद्योगों, वाहनों और अन्य प्रदूषकों के कारण वायु प्रदूषण बहुत ज्यादा है।

# कॉकरोच आंदोलन: गांधीवाद की छाया या डिजिटल युग का नया प्रतिरोध?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में जब भी कोई नया जन-आंदोलन उभरता है, उसे पुराने वैचारिक फ्रेमों में समझने की कोशिश होती है। कॉकरोच आंदोलन के साथ भी यही हुआ है। कुछ लोग इसे युवाओं के असंतोष की नई अभिव्यक्ति मानते हैं, तो कुछ इसे गांधीवादी परंपरा की छाया में पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में इस आंदोलन को महात्मा गांधी की प्रसंगिकता से जोड़ा जा सकता है, या यह केवल एक आकर्षक किंतु सतही तुलना है?

इस प्रश्न का उत्तर न तो पूर्णतः 'हाँ' है और न ही 'नहीं'। कॉकरोच आंदोलन में गांधीवादी राजनीति के कुछ तत्व अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु उसका स्वभाव, भाषा, माध्यम और वैचारिक संरचना गांधीवाद से स्पष्ट रूप से भिन्न है। इसलिए इसे गांधीजी की परंपरा का सीधा विस्तार मानने से पहले उसकी प्रकृति और सीमाओं को समझना आवश्यक है।

गांधीवादी राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक अनुशासन था। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम, जनसेवा और रचनात्मक कार्यक्रम— ये केवल राजनीतिक नारे नहीं थे, बल्कि आंदोलन की आत्मा थे। गांधी के लिए संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक रूपांतरण की प्रक्रिया भी था। इसी कारण उनके आंदोलन में साधन और साध्य के बीच गहरा सामंजस्य दिखाई देता है।

इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन की शक्ति उसकी व्यंग्यात्मकता, प्रतीकात्मकता और डिजिटल सक्रियता में निहित है। यह ऐसे दौर में सामने आया है, जब नई पीढ़ी पारंपरिक राजनीतिक भाषाओं से दूरी बना रही है और सोशल मीडिया, मीम, डिजिटल अभियानों तथा सार्वजनिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी असहमति दर्ज करा रही है। यह आंदोलन दर्शाता है कि आज का युवा अपने असंतोष को पुराने राजनीतिक ढाँचों के बजाय नए सांस्कृतिक प्रतीकों और संचार माध्यमों के जरिए व्यक्त करना चाहता है। इस दृष्टि से यह समकालीन प्रतिरोध की नई शैली है, पारंपरिक सत्याग्रह का पुनरावर्तन नहीं।

फिर भी गांधीवादी प्रसंग से इसका संबंध पूरी तरह अस्वीकार नहीं किया जा सकता। गांधीजी ने राजनीति के केंद्र में सामान्य नागरिक को स्थापित किया था। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि किसी भी परिवर्तन की वास्तविक शक्ति जनता की चेतना, उसके श्रम और उसके नैतिक साहस में निहित होती है। कॉकरोच आंदोलन भी इस अर्थ में महत्त्वपूर्ण है कि उसने युवाओं की बेरोज़गारी, परीक्षा-प्रणाली की विश्वसनीयता, संस्थागत जवाबदेही और शासन के प्रति बढ़ते अविश्वास जैसे प्रश्नों को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। इस स्तर पर यह जन-भागीदारी की वही ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिसे गांधीवादी राजनीति

का मूल तत्व माना जाता है।

किन्तु यहीं सबसे महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आता है। गांधी के लिए साधनों की पवित्रता सर्वोपरि थी। उनका विश्वास था कि अनुचित साधनों से उचित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, कॉकरोच आंदोलन का स्वर अधिक तीखा, व्यंग्यप्रधान और तात्कालिक है। वह व्यवस्था को चुनौती तो देता है, किंतु गांधी की तरह आत्मानुशासन, आत्मबल और वैचारिक संयम पर उतना बल नहीं देता। उसकी भाषा प्रतिरोध की भाषा है, तपस्या की नहीं। इसलिए उसे पूर्णतः गांधीवादी कहना उसकी अपनी विशिष्ट पहचान को धुंधला कर देता है।

यह भी स्मरण रखना चाहिए कि गांधीवाद केवल विरोध की राजनीति नहीं था। वह ग्राम-स्वराज, स्वदेशी, श्रम की गरिमा, सामाजिक समरसता, सांप्रदायिक सद्भाव और रचनात्मक राष्ट्र-निर्माण की व्यापक अवधारणा था। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन का वर्तमान फोकस मुख्यतः शिक्षा, रोजगार, युवाओं की आकांक्षाओं और संस्थागत उत्तरदायित्व तक सीमित दिखाई देता है। इसलिए इसे गांधीवाद जैसी व्यापक सामाजिक परियोजना कहना अभी जल्दबाज़ी होगी।

फिर भी दोनों के बीच एक गहरी समानता अवश्य है—दोनों जनता की चुप्पी को तोड़ते हैं। गांधी ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सामान्य भारतीय को बोलना सिखाया था। आज का यह आंदोलन युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि असंतोष केवल निजी निराशा नहीं है; उसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति भी दी जा सकती है। जब युवाओं की समस्याएँ डिजिटल मंचों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और सामाजिक संवाद के माध्यम से सामने आती हैं, तब यह लोकतंत्र की जीवंतता का संकेत होता है। राजनीति समाप्त नहीं हुई है; उसने केवल अपने नए माध्यम और नए प्रतीक खोज लिए हैं।

इसलिए गांधीजी की प्रसंगिकता यहाँ प्रत्यक्ष प्रेरणा के रूप में कम और एक नैतिक कसौटी के रूप में अधिक महत्त्वपूर्ण है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि कॉकरोच आंदोलन गांधीवादी है या नहीं; बल्कि यह होना चाहिए कि क्या यह आंदोलन जनता की नैतिक चेतना को जागृत करता है? क्या यह केवल क्षणिक असंतोष का विस्फोट है या किसी दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन की भूमिका तैयार कर रहा है? क्या इसकी व्यंग्यात्मक शक्ति लोकतांत्रिक सुधारों में परिवर्तित हो पाएगी?

इन प्रश्नों के उत्तर समय देगा। अभी इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इस आंदोलन को गांधीजी से जोड़ना आंशिक रूप से उचित है, यदि हम इसे जन-भागीदारी, नागरिक असहमति और जवाबदेही की मांग के संदर्भ में देखें। किंतु यदि इसे सत्याग्रह, अहिंसा, आत्मसंयम और नैतिक पुनर्निर्माण की कसौटी पर परखा जाए, तो यह गांधीवाद से अलग दिखाई देता है। यह गांधी का उत्तराधिकारी नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई विरोध-संस्कृति का प्रतिनिधि है।

निष्कर्षतः, किसी भी जन-आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके प्रतीकों या लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य, साधनों, नैतिकता और दीर्घकालिक प्रभाव से किया जाना चाहिए। यदि कोई आंदोलन जनता को जागरूक करता है, सत्ता से जवाबदेही मांगता है और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करता है, तो वह गांधीवादी विरासत के कुछ तत्वों को स्पर्श अवश्य करता है।

किंतु यदि उसमें सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन और रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन की व्यापक दृष्टि का अभाव है, तो उसे गांधीवाद का विस्तार कहना उचित नहीं होगा। इसलिए तथाकथित 'कॉकरोच आंदोलन' को गांधीवाद का पुनर्जन्म नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई विरोध-संस्कृति के रूप में समझना अधिक समीचीन होगा।

# जेन-जी आन्दोलन और भारत के विपक्षी दल

अनिल विभाकर

देश की राजधानी नई दिल्ली में जंतर-मंतर से शुरू हुआ जेन - जी आंदोलन खत्म हो गया, यह मानना अभी बहुत बड़ी भूल होगी। मेरा मानना है कि यह कुछ समय के लिए सिर्फ स्थगित भर हुआ है। इस बार नीट पेपर लीक के बहाने यह आंदोलन हुआ और आगे किसी अन्य मुद्दे के बहाने जेन - जी सड़कों पर उतर आएंगे। इसलिए केन्द्र और राज्य सरकारों को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है।

नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरुद्ध कोकरोच जनता पार्टी के बैनर तले धरना- प्रदर्शन और इसकी सफलता के बाद वैश्विक स्तर पर जेन - जी की खूब चर्चा हो रही है।

कुछ लोगों को लगता है कि जेन - जी ही अब वह विकल्प है जो भ्रष्ट और जनविरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल कर देश में जन कल्याणकारी राज कायम कर सकता है।

अब सवाल है यह जेन - जी आखिर ऐसी कौन- सी शक्ति है जो अचानक प्रकट हो गई जिसने कुछ लोगों के मन में सकारात्मक उम्मीदें जगा दीं ? लगभग चार साल पहले अमेरिका में यह शब्दावली गढ़ी गई जिसका एक खास राजनीतिक मकसद है। इस शब्दावली के अनुसार जिन युवाओं और युवतियों का जन्म वर्ष 1997 से 2012 के बीच हुआ है उन्हें 'जेन - जी' कहा जाता है। इस आयु वर्ग के लोगों के लिए यह एक नई शब्दावली है। फटी जीन्स पहन कर कुछ लोगों को जिस तरह विशिष्टता का बोध होता है, युवाओं का यह वर्ग 'जेन - जी' की संज्ञा पाकर उसी तरह अचानक विशिष्टता बोध से भर उठा है।

फटी जीन्स पहनने वालों को भारतीय समाज का बहुत बड़ा वर्ग अच्छी दृष्टि से नहीं देखता फिर भी पाश्चात्य देशों से आया यह फैशन भारत में चल पड़ा है। ठीक इसी तरह 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोग अपने को 'जेन - जी' कहलाने में सुखद वैशिष्ट्य बोध का अनुभव करते हैं। अमेरिका को आखिर ' जेन- जी ' शब्द गढ़ने की जरूरत क्यों महसूस हुई और इसके पीछे उसकी क्या मंशा है ? इस सम्बंध में गंभीरता से चिंतन करें तो इसके पीछे।

## बोध कथा

### काल चक्र में कलियुग

इस युग में हर चीज अति की ओर जाती है, इसलिए सभी यहां रामराज्य की कल्पना करते हैं
समय का पहिया घूमते घूमते काल चक्र के चौथे युग, कलियुग तक आ पहुंचा, जिसे कलह-क्लेश का युग भी कहा गया। शास्त्रों में इसके लिए कथा प्रसिद्ध है कि जब कलियुग आया तो राजा परीक्षित का राज्य चल रहा था। कलियुग के दस्तक देने पर राजा परीक्षित ने पूछा- कौन? कलियुग ने जवाब दिया, मैं कलियुग हूं, थोड़ा सा स्थान आपके राज्य में चाहता हूं। राजा ने इनकार किया कि मेरे राज्य में तुम्हारे लिए कोई स्थान नहीं है। कलियुग बोला, मेरा समय आ चुका है, अब मुझे आना ही होगा। इसलिए मुझे स्थान दो। तब राजा परीक्षित ने चार स्थान उसे आने के लिए बताए। बोले, आप शराब खानों में, जुआ खानों में, वैश्यालयों में और कसाई खाने में अपना स्थान बना सकते हो। वहीं तक सीमित रहना बाहर मत आना। तब कलियुग बोला मेरा परिवार बहुत बड़ा है, एक और स्थान मुझे दीजिए। राजा परीक्षित बोले ठीक है, पांचवा स्थान स्वर्ण में प्रवेश कर सकते हो। सुनते ही कलियुग ने राजा के सिर पर रखे हुए स्वर्ण मुकुट में प्रवेश कर लिया और उनके दिमाग को घुमाते हुए अपनी लीला शुरू कर दी। आज इसी स्वर्ण में अपना स्थान लेकर वह घर-घर में अपना स्थान बना चुका है और अपने स्वभाव का रंग दिखा रहा है। आज कलियुग में इन्हीं पांच स्थानों पर हर घर में कलह-क्लेश होने लगा है। संदेश-स्वास्तिका के चित्र का बायां हाथ ऊपर को उठा हुआ इसी बात का प्रतीक है कि कलियुग में अधर्म हर प्रकार से अपनी चरम सीमा को प्राप्त करता है। कलियुग के दौरान अति धर्म भ्रष्ट, अति कर्म भ्रष्ट, अति अत्याचार, अति पापाचार, अति दुराचार यानी हर प्रकार की अति हो जाती है। इसी युग को दूसरे शब्द में रावण राज्य भी कहा जाता है, तभी तो इस युग में सभी राम राज्य के सपने देखते हैं।

## तीर तेवर

सागर कुमार

## व्यंग्य केसरी

# वाह! क्या आधुनिकता...

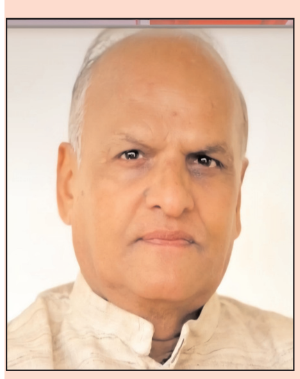

गिरीश पंकज

जिस माता-पिता ने माँ-बहन की गाली देने वाली, खुलेआम अश्लील हरकतें करने वाली, सिगरेट-शराब पीने वाली बेटी को जन्म दिया होगा, वे शायद गर्व से भर जाते होंगे कि उन्होंने कितनी महान संतान को जन्म दिया है, जो कितनी बोल्ड है।

पड़ोस के कुमार जी तो सुबह-सुबह अपनी पोती को समझा रहे थे, 'देख बिटिया, कुछ सीख इनसे! संस्कारों की पुरानी गठरी कब तक ढोएगी? तू तो आज भी बड़ों के सामने सीधे मुँह बोल नहीं पाती, और एक वो हैं,जो एक ही साँस में गालियों के वो-वो दुर्लभ आभूषण उछालती हैं कि डिक्शनरी भी शरमा जाए! यह होती है असली 'बोल्डनेस'!'

दादा की बात सुनकर पोती का चेहरा शर्म से लाल हो गया । उसने जंतर मंतर के अनेक युवकों की करतूत के वीडियो देखे थे। वह मन-ही-मन सोच रही थी, मुझे ऐसी लड़की नहीं बनना ।

आजकल कुछ ?माता-पिता की आँखों में भी एक अनोखा दैवीय संतोष तैर जाता होगा, जब उनकी लाडली हाथ में जलती सिगरेट थामे, हवा में धुएँ के छल्ले उड़ाते हुए घर के आँगन में उतरती होगी। उन्हें लगता होगा कि मानो उन्होंने किसी महान क्रांति को जन्म दे दिया है। जब बेटी चार लोगों के सामने बात-बात पर गाली देकर अपनी 'स्वतंत्र विचारधारा' का परिचय देती होगी, तो यकीनन पिता की छाती गर्व से चौड़ी हो जाती होगी कि चलो, हमारी परवरिश बेकार नहीं गई! हमारी बेटी ने आचरण, सभ्यता और मर्यादा की उन पुरानी जंजीरों को तोड़ फेंका है, जिन्हें पुरानी पीढ़ी भूल से 'संस्कार' कहा करती थी।

?अब तो समाज के कुछ 'आधुनिक' मंचों पर भी ऐसे लोगों के लिए रेड कारपेट बिछाया जाता है। जहाँ फूहड़ता को 'कंटेंट' और अश्लीलता को कला का दर्जा मिल चुका है, वहाँ भला ये कैसे पीछे रहते? माता-पिता भी शायद अब रिश्तेदारों से मुँह छुपाने के बजाय यही कहते फिरते होंगे, 'अरे, आपकी बेटी तो अभी भी तहजीब और शराफत में अटकी है, हमारी वाली को देखिए... पूरी 'अनफिल्टर्ड' है! जो मन में आता है, बक देती है, जो जी में आता है, कर लेती है। हमने अपनी बेटी को पूरी तरह से छूट दे रखी है।हमारी लड़की किसी लड़के से कम नहीं है। लड़के सकल कर्म कर सकते हैं, तो लड़कियां क्यों पीछे रहें ?'

कुछ बेचारे संकोच में सहमति दर्ज करते हुए कहते होंगे ?, 'मर्यादा, लज्जा और शालीनता तो मानो अब पिछड़ेपन की निशानी बन चुके हैं। सच में,असली 'प्रगतिशील' तो वही है, जो सरेआम अपनी ही संस्कृति का तमाशा बना सके।'

ऐसी सोच को देखकर समय रोते हुए बड़बड़ा रहा था, 'धन्य हैं वे अभिभावक, जिन्होंने 'आधुनिकता' के नाम पर विवेक का ऐसा समर्पण किया है कि बेटी की हर फूहड़ हरकत में उन्हें 'स्त्री सशक्तिकरण' का अनुपम रूप दिखाई देता है!

मोबाइल : 9425212720

## इतिहास

29 जुलाई के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस, नासा (NASA) की स्थापना से जुड़ा कानून, और आर्क डी ट्रायम्फ का उद्घाटन शामिल हैं। मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं1588: स्पेनिश अरमाडा (बेड़ा) को इंग्लैंड के खिलाफ पराजय का सामना करना पड़ा।1836: पेरिस में प्रसिद्ध स्मारक आर्क डी ट्रायम्फ का उद्घाटन किया गया। 1958: अमेरिका के राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइजनहावर ने अंतरिक्ष एजेंसी NASA की स्थापना संबंधी कानून पर हस्ताक्षर किए।2010: हर वर्ष 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस (International Tiger Day) के रूप में मनाने की शुरुआत हुई।

# मलेरिया का कहर : तीन मौतें, स्टाफ की कमी ने बिगाड़ी व्यवस्था

## एक-एक बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज

विश्व केसरी

**कवर्धा ( जगदंबिका साहू )।** जिले के वनांचल एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी के सेक्टर में इन दिनों मलेरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बहनाखोदरा, सोनवाही, जामुनपानी, समनापुर, मराड़बरा, शीतलपानी, दादुटोला सहित लगभग 10 से 15 गांव पिछले 15 से 20 दिनों से मलेरिया की चपेट में हैं। लगातार बढ़ते संक्रमण ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है और स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक प्रभावित क्षेत्र में प्रतिदिन 10 से 15 नए मरीज बुखार और मलेरिया के लक्षणों के साथ उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला पहुंच रहे हैं। वहीं पिछले एक सप्ताह में 35 से 40 लोग मलेरिया पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी सामने आई है। क्षेत्र में बीमारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे गांवों में दहशत का माहौल है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्थानीय लोगों के अनुसार चिल्फी सेक्टर में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि इन मौतों के कारणों की आधिकारिक पुष्टि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जाना शेष है, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते व्यापक स्तर पर रोकथाम और उपचार की व्यवस्था नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला पर अत्यधिक दबाव है। अस्पताल में बेड कम पड़ने की स्थिति बन गई है और एक-एक बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इससे मरीजों को असुविधा होने के साथ संक्रमण नियंत्रण और गुणवत्तापूर्ण उपचार की व्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल स्वास्थ्य विभाग की मानव संसाधन व्यवस्था पर उठ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले से ही डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी से जूझ रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला के कर्मचारियों को भी शासन के नियमों के विपरीत अन्य स्थानों पर अटैच कर दिया गया है। ऐसे समय में, जब हर वर्ष बरसात के मौसम में इस क्षेत्र में मलेरिया और डायरिया का प्रकोप सामान्य रूप से बढ़ जाता है, तब स्वास्थ्य संस्थान से स्टाफ कम करना दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों के हितों के विपरीत माना जा रहा है। यह पूरा इलाका आदिवासी एवं विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय की बहुलता वाला क्षेत्र है। अधिकांश गांव घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे हुए हैं, जहां समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना स्वयं एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला हजारों ग्रामीणों के लिए जीवनरेखा की भूमिका निभाते हैं। इसलिए इन संस्थानों में पर्याप्त डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्नीशियन और दवाइयों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक मानी जा रही है।

हालांकि सकारात्मक पहलू यह है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में पहुंचकर सर्वे, जांच, दवा वितरण और जागरूकता अभियान चला रही हैं। बुखार पीड़ितों की जांच की जा रही है तथा गंभीर मरीजों को आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर भी किया जा रहा है। विभाग द्वारा मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए फॉगिंग, लार्वा नियंत्रण एवं दवा वितरण जैसी गतिविधियां भी संचालित किए जाने की जानकारी मिल रही है। इसके बावजूद ग्रामीणों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए केवल नियमित व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी। आवश्यकता इस बात की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी में तत्काल अतिरिक्त चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, पर्याप्त बेड और आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था की जाए। साथ ही अन्यत्र अटैच किए गए स्वास्थ्य कर्मचारियों को वापस मूल पदस्थापना स्थल पर भेजा जाए, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार मिल सके।

# आक्टोपस बार में लगी भीषण आग, बाइक और कार जली, होटल और 3 दुकानें खाक

विश्व केसरी

**रायपुर।** बीती रात शहर के तेलीबांधा स्थित आक्टोपस बार में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि बार के बाहर खड़ी 3-4 बाइक और 1 कार जलकर खाक हो गईं। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

संकरे भवन और लगातार बारिश के बीच फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में कई घंटे लग गए। आग की चपेट में बार के साथ 3 अन्य दुकानें और पास का एक होटल भी आ गए।

**लपटें उठीं तो आग का पता चला**

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना रात करीब 1 बजे की है। उस समय बार खुला हुआ था और अंदर कुछ कर्मचारी मौजूद थे। अचानक आग की लपटें उठने लगीं और कुछ ही देर में पूरा इलाका धुएं से भर गया।

आग की तेज लपटों को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही तेलीबांधा पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

**बचाव कार्य में आई दिक्कत**

बार एक संकरे भवन में संचालित था जिसकी वजह से दमकल की गाड़ियों को अंदर पहुंचने में परेशानी हुई। इसके अलावा लगातार बारिश होने के बावजूद आग पर काबू पाने में घंटों मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस और फायर टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान बार में मौजूद कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

**कितना हुआ नुकसान ?**

आग में आक्टोपस बार के अलावा कम से कम 3 अन्य दुकानें भी जल गईं। दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। बार के ठीक पास स्थित एक होटल भी आग की चपेट में आ गया। होटल में ठहरे मेहमान समय रहते बाहर निकल गए और अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को सामान निकालने तक का मौका नहीं मिला। बाहर पार्क की गई 3-4 बाइक और एक कार भी पूरी तरह जल गईं।

**पुलिस क्या कह रही है ?**

तेलीबांधा थाना प्रभारी टीआई अजय झा ने बताया कि शुरुआती जांच में आग का शुरुआती बिंदु हार्डवेयर की दुकान का सामने आ रहा है। लेकिन आग लगने के असली कारणों का अभी पता नहीं चल पाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाएगी। शॉर्ट सर्किट या अन्य कारणों से आग लगी, इसकी जांच की जा रही है।

**प्रत्यक्षदर्शी ने क्या बताया ?**

साथ लगे भोजनालय के संचालक बॉबी तोलानी ने बताया कि उन्हें रात 1 बजे आग लगने की सूचना मिली। वो तुरंत घटनास्थल पहुंचे लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी और दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे हुए थे। पूरे भवन में अभी भी धुआं भरा हुआ है।

# अतिवृष्टि से सड़कें हुई जर्जर, आवाजाही में परेशानी

विश्व केसरी

**सरसींवा ( राकेश सोनी )।** क्षेत्र में लगातार रूक रूक कर बारिश होने से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त तो गया है ।और अत्यधिक बारिश होने से सरसीवां से सरायपाली मार्ग की सड़क के बीचोंबीच बड़े बड़े गड्ढे होने एवं सड़क मार्ग से आने जाने वाले लोग परेशान हो गये है। सरसीवां सराईपाली सड़क मार्ग खराब होने और सड़क गड्ढे में तब्दील होने से मोटरसाइकिल सवार लोग आये दिन गिर जख्मी हो रहे हैं। जबकि सरसीवां सराईपाली सड़क मार्ग की दयनीय स्थिति खराब होने का खबर भी प्रकाशित बार बार किया जा रहा है ताकि संबंधित लिए ठेकेदार की कानों तक लोगों की तकलीफे पहुंच पायें।

जबकि आये दिन लोग बदहाल सड़क की तस्वीरें लोगों की परेशानी बयां कर रही हैं। जबकि बरसात में यह सड़क मार्ग बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया है। जबकि संबंधित ठेकेदार ने सड़क निर्माण कार्य जारी तो कर दिया है लेकिन पुराने सड़कों के डामरीकरण परतें उखाड़ने वाले सड़कें बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं जबकि घरजरा हरदी और नारबदं टाटा मुड़पार सरसीवां के बीच सड़क बड़े बड़े गड्ढे आवागमन करने वाले राहगीरों को रोजाना जोखिम भरा बन गया है। सरसीवां से मातानाला सीमा तक 16 किलोमीटर दूरी कार्य प्रगति से होने के बावजूद आज पुराने सड़क पर बने बड़े बड़े गड्ढे को समतल या मरम्मत कार्य नहीं होने से खराब सड़क लोगों के लिए जोखिम भरा सड़क मार्ग बना हुआ है। लगातार बारिश के चलते सड़क पर बने बड़े बड़े गड्ढे पर जलभराव होने से दोपहिया वाहन तो दूर,व स्कूली बच्चों को साइकिल चलाने में दिक्कत आ रही है। जबकि आए दिन सरसीवां सराईपाली सड़क मार्ग के उबड़-खाबड़ सड़क पर लोग फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इस सड़क मार्ग में गुजरने वाले राहगीरों का कहना है कि संभल कर चलों भाई सड़क बड़े बड़े गड्ढे बन गये है । बारिश के मौसम में इस सड़क मार्ग से गुजरना जान जोखिम में डालकर चुनौती देने से कम नहीं है। जहां सरसीवां सरायपाली सड़क मार्ग से गुजरने वाले लोग सावधानी पूर्वक हो कर सड़क पर बने बड़े बड़े गड्ढे को देखते हुए वाहन चलाए ताकि सुरक्षित रहे।

# लजीज 'खेक्सी' की घमक बाजार में, पंडरिया के जंगलों से पहुंच रहा

विश्व केसरी

**बिलासपुर ( अमित मिश्रा )।** प्रकृति की सावन में दो सौगात मनुष्य को उम्दा सब्जी के रूप में मिलतीं है। पहली खेक्सा - ककोड़ा या कंटोला और दूसरा पिहरी जिसे मशरूम कहते हैं। हालांकि इस बार सावन लगने से पूर्व ही इसका आगमन हो गया है।

बिलासपुर में आज पहली बार खेक्सा बाजार में उतरा है, और मूल्य है 320 रुपये किलो में बिक रहा है । बिलासपुर के बाजार में इस समय कवर्धा जिला के पंडरिया से 250 रु. किलो की दर पर यहां पहुंच रही है। ,मशरूम की वेरायरी साल पूटू खूब आ रहा है,लेकिन अभी पिहरी याने लम्बी पूटू अभी नहीं आयी है। इसकी शुरूवात 200 रुपये पाव अर्थात आठ सौ रुपये किलो तक होती है।दरअसल इसकी कीमत सीजन और उपलब्धता पर निर्भर रहता है। खेक्सा की बड़ी वेरायटी आषाढ़ में आ जाती है पर छोटी याने खेक्सी महंगी और स्वादिष्ट होती है। इसके नर मादा के पेड़ अलग होती हैं। नर में फूल और मादा में फल आते हैं। इनकीं लता होतीं है। और कन्द बड़े।ये मुलतः जंगली है लेकिन अब इनकी खेती भी होने लगी है,लेकिन दोनों के टेस्ट में काफी फर्क है। इस सब्जी के बारे में कहा जाता है कि ये बहुत शक्तिशाली होती है जो आपके शरीर को चट्टान जैसी ताकत प्रदान करती है। आयुर्वेद औषधालय गनियारी में पदस्थ डॉ कोमल धोटे ने बताया कि खेक्सी याने ककोड़ा या फिर इसे कंटोला भी कहा जाता है , यह गर्म तासीर वाली एक स्वादिष्ट सब्जी हैं। इसमें मौजूद मोमोरडीसिन तत्त्व व फाइबर की अधिक मात्रा शरीर के लिए रामबाण हैं। मोमोरेडीसिन तत्त्व एंटीऑक्सीडेंट , एंटीडायबिटीज और एंटीस्ट्रेस की तरह काम करता है जबकि अत्यधिक फाइबर पाचन क्रिया को दुरुस्त कर वजन व हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद में भी खैक्सी का बहुत महत्व है, यह सिरदर्द, बालों का झड़ना ,कान दर्द, खांसी, पेट का इंफेक्शन, बवासीर, पीलिया, डायबिटीज, दाद-खुजली, लकवा, बुखार, सूजन, बेहोशी, सांप काटने, आंखों की समस्या, केंसर, ब्लडप्रेशर जैसे कई भयानक रोगों में जबरदस्त पहुंचाता है।

# खूबचंद बघेल जयंती पर प्रतिभाओं का सम्मान, वृक्षारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विश्व केसरी

**बलौदाबाजार ( भुवन लाल )।** छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वप्नदृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल की 126वीं जयंती के अवसर पर आदर्श ग्राम देवसुंदरा में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज ग्राम इकाई देवसुंदरा एवं छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय युवा समाज के संयुक्त तत्वावधान में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वृक्षारोपण, प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, मातृशक्ति का अभिनंदन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में समाज के लोगों ने मुक्तिधाम परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वहीं द्वितीय चरण में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समाज की वरिष्ठ मातृशक्ति को सम्मानित कर उनके योगदान को नमन किया गया। नन्हीं बालिकाओं की आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामखिलावन वर्मा (छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज, पलारी राज) रहे। अध्यक्षता खिलेंद्र वर्मा (पूर्व जनपद अध्यक्ष, पलारी) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. डागेश्वर वर्मा (उप राज प्रधान, पलारी राज), शशिकांत वर्मा, घनश्याम वर्मा, हुलासराम वर्मा, खेमिन बाई वर्मा, सुरेश वर्मा, राजेंद्र वर्मा एवं डागेश्वर वर्मा (डग्गू) उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. खूबचंद बघेल के विचार आज भी समाज को शिक्षा, संगठन, सामाजिक समरसता और प्रकृति संरक्षण की दिशा में प्रेरित करते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का संचालन भूपेंद्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर जितेंद्र वर्मा, छन्नू वर्मा, मतंराम वर्मा, पुरानिक वर्मा, छबिराम वर्मा, प्रियम वर्मा, जयप्रकाश वर्मा, ताम्रध्वज वर्मा, केशव वर्मा, शिवचरण वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, कामता वर्मा, अशोक वर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, युवा, महिलाएं एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्द, सामाजिक जागरूकता और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का प्रेरणादायी आयोजन बनकर संपन्न हुआ।

# सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ नगर पालिका की कार्रवाई, 4 किलोग्राम पॉलिथीन जप्त

विश्व केसरी

**महासमुंद ( अनिल चौधरी )।** शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत नगर पालिका के सफाई मित्रों की टीम ने शहर के अलग-अलग इलाकों में औचक निरीक्षण कर प्रतिबंधित प्लास्टिक की जांच की गईं।

कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 4 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त की। नगर पालिका की अचानक हुई कार्रवाई से बाजार क्षेत्र के व्यापारियों में हलचल मच गई। कई दुकानदारों ने तत्काल प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री को हटाया और आगे से इसका इस्तेमाल नहीं करने का भरोसा दिलाया।

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य और पशुओं के लिए भी नुकसानदायक है। शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर रोक का पालन करना प्रत्येक नागरिक और व्यापारी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका का उद्देश्य केवल जुर्माना लगाना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक कर जनभागीदारी के माध्यम से महासमुंद को प्लास्टिक मुक्त बनाना है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ शर्मा ने बताया कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। व्यापारियों को पहले भी प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी जा चुकी है। इसके बावजूद यदि कोई व्यापारी प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल करता पाया गया तो सामग्री जब्त करने के साथ नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

# संचालनालय के आदेश बेअसर, बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में संलग्नीकरण निरंतर जारी

विश्व केसरी

**बलौदाबाजार ( भुवन लाल )।** लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के लगातार दो सख्त आदेशों के बावजूद बलौदाबाजार जिले में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। पहले 14 जुलाई 2026 को सभी गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का संलग्नीकरण तत्काल समाप्त कर उन्हें मूल पदस्थ संस्थाओं में भेजने का आदेश जारी किया गया। इसके बाद भी स्थिति नहीं सुधरी तो 27 जुलाई 2026 को संचालनालय ने एक और पत्र जारी कर सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की उपस्थिति, वेतन भुगतान और ऑनलाइन उपस्थिति की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बावजूद बलौदाबाजार जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक शिक्षा कार्यालयों में वर्षों से जमे कर्मचारी आज भी अपने मूल संस्थानों में लौटते नजर नहीं आ रहे हैं।

14 जुलाई के आदेश में स्पष्ट कहा गया था कि संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए, कर्मचारी एक सप्ताह के भीतर अपने मूल पदस्थ कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करें तथा

### जिला मुख्यालय में लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों पर उठ रहे सवाल

विश्व केसरी

**बलौदाबाजार ( भुवन लाल )।** लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा 14 जुलाई 2026 को जारी आदेश में स्पष्ट रूप से सभी गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के संलग्नीकरण को तत्काल समाप्त कर उन्हें मूल पदस्थ संस्था एवं कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में एक सप्ताह के भीतर ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने, अन्यथा जुलाई माह का वेतन रोकने और कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की बात भी कही गई है।

इसके बावजूद बलौदाबाजार जिला मुख्यालय सहित विभिन्न ब्लॉक मुख्यालयों में वर्षों से जमे कर्मचारी आज भी अपने मूल संस्थानों में लौटने के बजाय कार्यालयों में डटे हुए हैं। जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा कार्यालय एवं विकासखंड शिक्षा कार्यालयों से कई गैर शैक्षणिक कर्मचारी लंबे समय से संलग्नीकरण के नाम पर अन्य कार्यालयों में कार्यरत हैं। संचालनालय के सख्त आदेश के बाद भी इन्हें मूल संस्थाओं में भेजने की कोई गंभीर पहल दिखाई नहीं दे रही है। इससे यह सवाल उठने लगा है कि आखिर शासन के आदेशों का पालन कराने में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग क्यों उदासीन बना हुआ है।

विडंबना यह है कि एक ओर कई स्कूल और मूल संस्थाएं कर्मचारियों की कमी से प्रभावित हैं, वहीं दूसरी ओर जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों में कर्मचारियों की भीड़ बनी हुई है। इससे शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। शासन द्वारा जारी आदेश का उद्देश्य स्कूलों और मूल कार्यालयों में व्यवस्था को सुचारू बनाना था, लेकिन जिले में इसके विपरीत स्थिति देखने को मिल रही है। आदेश में स्पष्ट रूप से छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि मूल संस्था में उपस्थित नहीं होना और ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करना कदाचार की श्रेणी में आएगा। इसके बावजूद अब तक किसी कर्मचारी का वेतन रोकने अथवा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की कोई सूचना सामने नहीं आई है।

विभागीय सूत्रों की मानें तो कुछ कर्मचारियों को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण आदेशों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। यही कारण है कि संचालनालय के निर्देश जिले में बेअसर साबित हो रहे हैं और संलग्नीकरण की व्यवस्था पूर्ववत जारी है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यह मामला शासन के आदेशों की खुली अवहेलना का बड़ा उदाहरण बन सकता है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग नियमों का पालन कराते हैं या फिर जिला मुख्यालय में वर्षों से जमे कर्मचारियों को संरक्षण देने का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।



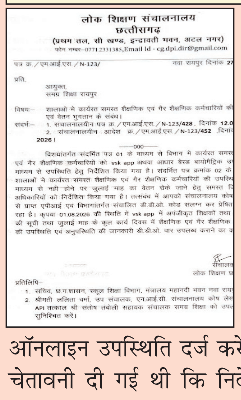

लोक शिक्षण संचालनालय
छत्तीसगढ़
(प्रथम तल, सी खण्ड, इन्द्रावती भवन, अटल नगर)
फोन नम्बर-0771 2331385,Email Id - cg.dpi.dir@gmail.com

पत्र क्र./एम.आई.एस./N-123/ नवा रायपुर दिनांक 27

प्रति,
आयुक्त,
समग्र शिक्षा रायपुर

विषयः- शालाओ मे कार्यरत समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की ... एवं वेतन भुगतान के संबंध।

संदर्भः- 1. संचालनालयीन पत्र क्र./एम.आई.एस./N-123/428, दिनांक 12.0...
2. संचालनालयीन आदेश क्र./एम.आई.एस./N-123/452 ,दिनांक ... 2026।

---000---

विशयांतर्गत संदर्भित पत्र 01 के माध्यम से विभाग मे कार्यरत समस्त ... एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को vsk app अथवा आधार बेस्ड बायोमैट्रिक ... माध्यम से उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया है। संदर्भित पत्र क्रमांक 02 के ... शालाओं मे कार्यरत समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की उपस्थि... माध्यम से नही होने पर जुलाई माह का वेतन रोके जाने हेतु समस्त ... अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। तत्संबंध में आपको संचालनालय कोष ... से प्राप्त एपीआई एवं विभागांतर्गत संचालित डी.डी.ओ. कोड संलग्न कर प्रेषित ... रहा है। कृपया 01.08.2026 की स्थिति में vsk app में अपंजीकृत शिक्षकों तथा ... की सूची तथा जुलाई माह के कुल कार्य दिवस में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक ... की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति की जानकारी डी.डी.ओ. वार उपलब्ध कराने का ...

संचालक
लोक शिक्षण ...

प्रतिलिपि-
1. सचिव, छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा राय...
2. श्रीमती ललिता वर्मा, उप संचालक, एन.आई.सी. संचालनालय कोष लेख... API तत्काल श्री संतोष तंबोली सहायक संचालक समग्र शिक्षा को उपल... सुनिश्चित करें।

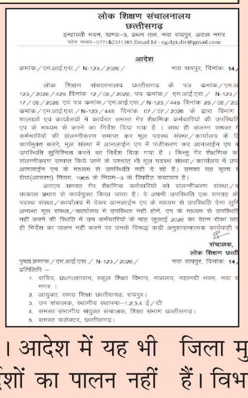

लोक शिक्षण संचालनालय
छत्तीसगढ़
इन्द्रावती भवन, खण्ड-3, प्रथम तल, नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नम्बर-0771&2331385,Email Id - cg.dpi.dir@gmail.com

आदेश

क्रमांक/एम.आई.एस./ N-123/2026/ नवा रायपुर, दिनांक 14...

लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक/एम.आ... 123/2026/428 दिनांक 12/06/2026, पत्र क्रमांक/ एम.आई.एस./ N-123/... 17/06/2026 एवं पत्र क्रमांक/एम.आई.एस./N-123/445 दिनांक 25/06/20... क्रमांक/एम.आई.एस./N-123/448 दिनांक 07/07/2026 के द्वारा विभाग ... शालाओं एवं कार्यालयों में कार्यरत समस्त गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की उपस्थिति ... एप के माध्यम से करने का निर्देश दिया गया है । साथ ही संलग्न समस्त ... कर्मचारियों की संलग्नीकरण समाप्त कर मूल पदस्थ संस्था/कार्यालय के ... कार्यमुक्त करने, मूल संस्था में आनलाईन एप में पंजीकरण कर आनलाईन एप ... उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है । किन्तु गैर शैक्षणिक क... संलग्नीकरण समाप्त किये जाने के पश्चात् भी मूल पदस्थ संस्था/कार्यालय में उप... आनलाईन एप के माध्यम से उपस्थिति नहीं दे रहे हैं। उनका यह कृत्य ... सेवा(आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के विपरीत कदाचार है।

अतएव समस्त गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को संलग्नीकरण संस्था/... तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त किया जाता है। वे अपनी उपस्थिति एक सप्ताह के ... पदस्थ संस्था/कार्यालय में देकर आनलाईन एप के माध्यम से उपस्थिति देना सुनि... अन्यथा मूल संस्था/कार्यालय मे उपस्थित नही होने, एप के माध्यम से उपस्थिति ... नहीं करने की स्थिति में उन कर्मचारियों के माह जुलाई 2026 का वेतन रोका जा... ही निर्देश का पालन नहीं करने पर उनके विरूद्ध कडी अनुशासनात्मक कार्यवाही ...

संचालक,
लोक शिक्षण छत्ती...

पृष्ठा.क्रमांक/एम.आई.एस./ N-123/2026/ नवा रायपुर, दिनांक 14...

प्रतिलिपि -
1. सचिव, छ0ग0शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा ... नगर ।
2. आयुक्त, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़, रायपुर।
3. उप संचालक, स्थानीय स्थापना-1,2,3,4 ई/टी
4. समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग छत्तीसगढ़।
5. समस्त कलेक्टर, छत्तीसगढ़।

ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करें। आदेश में यह भी चेतावनी दी गई थी कि निर्देशों का पालन नहीं करने वालों का जुलाई माह का वेतन रोका जाएगा और उनके विरुद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद 27 जुलाई को लोक शिक्षण संचालनालय ने आयुक्त, समग्र शिक्षा को भेजे पत्र में फिर स्पष्ट निर्देश दिए कि 1 अगस्त 2026 तक विभाग के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की VSK App अथवा आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली से उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रत्येक कार्य दिवस में उपस्थिति एवं अनुपस्थिति की जानकारी डीडीओ स्तर पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। यानी संचालनालय ने साफ संकेत दे दिया कि अब उपस्थिति और वेतन भुगतान को ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इसके बावजूद बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में हालात जस के तस बने हुए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार कई गैर शैक्षणिक कर्मचारी आज भी जिला शिक्षा कार्यालय और अन्य कार्यालयों में वर्षों से जमे हुए हैं, जबकि उनके मूल विद्यालय और कार्यालय कर्मचारियों के अभाव से जूझ रहे हैं। इससे न केवल शासकीय व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि संचालनालय के आदेशों की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब संचालनालय स्वयं वेतन रोकने और अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दे चुका है, तब जिले में इन आदेशों का पालन क्यों नहीं कराया जा रहा? क्या जिम्मेदार अधिकारी शासन के निर्देशों को हल्के में ले रहे हैं या फिर कुछ कर्मचारियों को ऐसा संरक्षण प्राप्त है कि उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। अब निगाहें जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग पर टिकी हैं। यदि संचालनालय के दो-दो आदेशों के बाद भी जिला मुख्यालय में जमे कर्मचारियों को नहीं हटाया गया तो यह केवल आदेशों की अवहेलना नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा। शिक्षा विभाग में यह संदेश तेजी से फैल रहा है कि बलौदाबाजार में शासन के आदेश से ज्यादा असर स्थानीय संरक्षण का चलता है।

# बाघ के खाल की तस्करी करने वाले तीन तस्कर दबोचे गए

विश्व केसरी

**बिलासपुर ( अमित मिश्रा )।** आज पूरे में विश्व बाघ दिवस मनाया जा रहा है और इधर सूरजपुर वन विभाग की टीम ने वाइल्ड क्राइम ब्यूरो की सूचना पर कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को बाघ की खाल के साथ गिरफ्तार करते हुए हथियारों को जप्त किया है उक्तशय की जानकारी डी पी साहू वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर ने दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दरअसल वन विभाग को मध्यप्रदेश के वाइल्ड क्राइम ब्यूरो से क्षेत्र में चल रहे तस्करी के संबंध में सूचना मिली थी,, सूचना के आधार पर वन विभाग ने इस तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने और आरोपियों को पकड़ने के लिए दो टीमों का गठन किया जिसके बाद टीम ने आरोपी तस्करों से खरीदार बनाकर संपर्क किया और तीन आरोपियों को बाघ की खाल और पेंग्विन के शैल के साथ गिरफ्तार किया है, विभाग के अनुसार बाघ का खाल 5 से 6 महीनों पुराना है जिसको आरोपी बेचने की फिराक में थे,, सूरजपुर के वनमण्डलाधिकारी साहू ने बताया की वन्यजीव प्राणियों की तस्करी पर लगाम उड़न दस्ता टीम को निगरानी के लिए लगाया जाता है। नही लग पा रही है।

# गिरावट से उबरा बाजार, सेंसेक्स में 889 अंकों की बढ़त तो निफ्टी 50 में 1.1 प्रतिशत की उछाल

विश्व केसरी ■

**मुंबई।** वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच, घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों में 1.1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। बाजार में यह तेजी पिछले दिन की गिरावट के बाद आई है, जिसमें आईटी शेयरों का बड़ा योगदान रहा है।

सेंसेक्स 889 अंक यानी 1.16 प्रतिशत उछलकर 77,654.60 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 265 अंक यानी 1.10 प्रतिशत बढ़कर 24,250.20 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,765.92 से 657.85 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,423.77 पर खुला और दिन में एक समय 999.57 अंक यानी 1.30 प्रतिशत उछलकर 77,765.49 पर पहुंच गया।

वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,985.35 से 191.3 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,176.65 पर खुला, और दिन में एक समय यह 298 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उछलकर 24,283.55 के दिन के उच्चतम स्तर को टच कर गया।

इस दौरान व्यापक बाजारों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, तो वहीं स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 प्रतिशत की तेजी आई।

सेक्टरवार देखें तो, रियल एस्टेट को छोड़कर सभी इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, टेलीकॉम, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स में 1-2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जो सभी क्षेत्रों में व्यापक खरीदारी को दर्शाती है।

निफ्टी 50 इंडेक्स में, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों की लिस्ट में शामिल रहे, जिनमें 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आयशर मोटर्स, बजाज-ऑटो, बीईएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी लाइफ शीर्ष नुकसान उठाने वाले शेयरों के रूप में उभरे।

इस दौरान, निवेशकों को एक ही सत्र में 4 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ, क्योंकि बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 479 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 483 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

इस बीच, मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा कि शेयर बाजार में तेजी आ रही है और बाजार का मूड बेहतर होने के साथ बेंचमार्क इंडेक्स करीब 900 अंक चढ़े हैं।

# एलआईसी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 12,207 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक दिया

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी ने बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 12,207 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक दिया।

वित्त मंत्री को यह चेक लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) के एमडी एंड सीईओ, आर. दोराईस्वामी की ओर से दिया गया।

इसके अलावा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एमडी एवं सीईओ आशीष पांडे से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,853 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक प्राप्त किया। साथ ही, उन्होंने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गिरिजा सुब्रमणियन से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 211 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक भी प्राप्त किया।

वित्त मंत्री की एक्स पोस्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की एसेट क्वालिटी में मजबूत सुधार हुआ। ग्रॉस एनपीए घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 1.9 प्रतिशत पर आ गया है, जबकि शुद्ध मुनाफा बढ़कर अब तक के सर्वाधिक 1.98 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 11.1 प्रतिशत बढ़ा। यह लगातार चौथा वर्ष रहा जब पीएसबी लाभ में रहे। सुधारों और मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था (गवर्नेंस) के कारण बैंकों की बैलेंस शीट अधिक मजबूत हुई, परिचालन क्षमता बेहतर हुई और कैपिटल एडिक्वेसी भी मजबूत हुई है।

इससे पहले वित्त मंत्रालय में कहा था कि बेहतर एसेट क्वालिटी, मजबूत ऋण वृद्धि और आय में बढ़ोतरी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मुनाफे में सुधार किया।

बयान में कहा गया कि 31 मार्च 2026 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल कारोबार बढ़कर 283.3 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.8 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान पीएसबी की एसेट क्वालिटी में मजबूत सुधार दर्ज किया गया। 31 मार्च 2026 तक सकल एनपीए अनुपात घटकर 1.93 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए अनुपात (नेट एनपीए) घटकर 0.39 प्रतिशत रह गया, जो तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर को दर्शाता है।

# भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर जून में मजबूत रही, घरेलू मांग का मिल रहा फायदा : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि और मजबूत घरेलू मांग के कारण भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर जून में सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत रही है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया, 'वैश्विक अनिश्चितता के समय में भी भारत के बाह्य क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत रहा है और वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सामानों के निर्यात में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, मजबूत घरेलू मांग भी एक अहम कारक बनी हुई है।'

औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन अधिकांश सेक्टरों में मजबूत रहा, हालांकि खनन और उत्खनन क्षेत्र इसमें अपवाद रहा। जून में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर बढ़कर 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने 5.2 प्रतिशत थी। इस दौरान विनिर्माण के 23 में से 19 उप-क्षेत्रों ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

इलेक्ट्रिकल उपकरण क्षेत्र में 34 प्रतिशत और मोटर वाहन, ट्रेलर एवं सेमी-ट्रेलर क्षेत्र में 17.5 प्रतिशत की दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई।

इसके अलावा, कपड़ा क्षेत्र में 13.7 प्रतिशत, खाद्य उत्पाद क्षेत्र में 10.8 प्रतिशत और अन्य गैर-धात्विक खनिज उत्पाद क्षेत्र में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 14.2 प्रतिशत, मध्यवर्ती वस्तुओं का 9.3 प्रतिशत, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का 7.7 प्रतिशत, बुनियादी ढांचा एवं निर्माण सामग्री का 7.5 प्रतिशत और प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन 4.9 प्रतिशत बढ़ा। रिपोर्ट के अनुसार, तिमाही आधार पर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सालाना आधार पर 5.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें इलेक्ट्रिकल उपकरण और मोटर वाहन प्रमुख क्षेत्र रहे, जिनमें क्रमशः 25.8 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

28 जुलाई 2026 तक वर्षा की कमी जून के अंत में 40 प्रतिशत से घटकर 15.8 प्रतिशत रह गई है, हालांकि यह अब भी सामान्य स्तर से कम है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'ग्रामीण मांग पर मानसून के प्रभाव का आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में खरीफ फसलों की बुवाई में सुधार एक सकारात्मक संकेत है। कुल मिलाकर, भारत की औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के साथ-साथ उभरती घरेलू चुनौतियों का भी सामना करना होगा।

# आईटीआर फाइलिंग: अब तक 4.7 करोड़ लोगों ने दाखिल किया आयकर रिटर्न, 31 जुलाई है आखिरी तारीख

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** आखिरी तारीख 31 जुलाई नजदीक आने से पहले आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है और बुधवार सुबह 11 बजे तक असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए करीब 4.70 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल हो चुके हैं। यह जानकारी आयकर विभाग की वेबसाइट पर दी गई।

आयकर विभाग के मुताबिक, असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए दाखिल हुए आईटीआर में से 4.40 करोड़ वेरीफाई हो चुके हैं, जबकि करीब 2.34 करोड़ प्रोसेस हो चुके हैं। वहीं, आयकर विभाग भी करदाताओं को जल्द से जल्द आईटीआर दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

आयकर विभाग ने सोशल मीडिया पर की एक पोस्ट में कहा कि आईटीआर भरने को कल पर न टालें और आखिरी तारीख का इंतजार न करें। जल्द से जल्द असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल करें।

आयकर विभाग ने करदाताओं को यह भी सलाह दी कि वे अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों का मिलान कर लें। इसमें फॉर्म 16, वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस), फॉर्म 26एएस, बैंक स्टेटमेंट और आय से जुड़े अन्य रिकॉर्ड की जांच करना शामिल है, ताकि आईटीआर में दी गई जानकारी पूरी तरह सही और सटीक हो।

आईटीआर फाइल करने के लिए अंतिम तारीख 31 जुलाई उन लोगों के लिए है, जिन्हें टैक्स ऑडिट की आवश्यकता नहीं होती। इसमें वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छात्र और अन्य शामिल होते हैं। आईटीआर-1 (सहज) उन व्यक्तिगत करदाताओं के लिए है जिनकी कुल आय वेतन या पेंशन, एक मकान से आय और अन्य स्रोतों (जैसे ब्याज) से होती है। इसे वही व्यक्ति भर सकता है जिसकी कुल वार्षिक आय निर्धारित सीमा 50 लाख के भीतर हो और जिसे व्यवसाय या पेशे से आय, पूंजीगत लाभ (कैपिटल गेन) या एक से अधिक मकानों से आय न हो। सरल आय वाले अधिकांश वेतनभोगी कर्मचारी इसी फॉर्म का उपयोग करते हैं।

आईटीआर-2 उन व्यक्तिगत करदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएल) के लिए है जिनकी व्यवसाय या पेशे से आय नहीं होती, लेकिन उन्हें वेतन के अलावा पूंजीगत लाभ, एक से अधिक मकानों से आय, विदेशी संपत्तियों या विदेशी आय और अन्य जटिल आय स्रोतों से आय प्राप्त होती है।

# अदाणी पोर्ट्स का मुनाफा पहली तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 3,650 करोड़ रुपए रहा, आय में भी उछाल

विश्व केसरी ■

**अहमदाबाद।** अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने बुधवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का मुनाफा अप्रैल-जून अवधि में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 3,650 करोड़ रुपए हो गया है। इसकी वजह कंपनी के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पोर्ट्स कारोबार में मजबूत ग्रोथ होना है।

कंपनी द्वारा दाखिल की गई एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में कंपनी की कंसोलिडेटेड आय सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 10,821 करोड़ रुपए हो गई है। पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 9,126 करोड़ रुपए था।

जून तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 6,541 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 5,495 करोड़ रुपए था।

एपीएसईजेड ने बताया कि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में उसका अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह कारोबार प्रमुख वृद्धि चालक बनकर उभरा। इस दौरान इस कारोबार से होने वाला राजस्व सालाना आधार पर 80 प्रतिशत बढ़कर 1,747 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि ईबीआईटीडीए में 256 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हुई और यह 730 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

कंपनी ने इस मजबूत प्रदर्शन का श्रेय ऑस्ट्रेलिया और कोलंबो में बेहतर परिचालन को दिया।

कंपनी के अनुसार, इससे उसके विदेशी कारोबार की बढ़ती मजबूती और परिपक्वता का पता चलता है।

एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अश्विनी गुप्ता ने कहा, 'वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही का प्रदर्शन हमारे विविधीकृत कारोबारी मॉडल की मजबूती को दर्शाता है। हमारा वैश्विक विस्तार और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, कमोडिटी तथा ग्राहकों में फैला मल्टी-मॉडल एसेट बेस हमारी ताकत है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमारा घरेलू बंदरगाह कारोबार लगातार मजबूत वृद्धि दर्ज कर रहा है और यह एपीएसईजेड की कमाई का आधार बना हुआ है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह, मरीन और लॉजिस्टिक्स कारोबार अब केवल विस्तार के चरण से आगे बढ़कर मूल्य सृजन के चरण में पहुंच चुके हैं और राजस्व वृद्धि और मुनाफे के महत्वपूर्ण स्रोत बनते जा रहे हैं।'

कंपनी का घरेलू बंदरगाह कारोबार भी मजबूत बना रहा। इस दौरान अधिक कार्गो वॉल्यूम, बेहतर कार्गो मिक्स और बेहतर प्राप्तियों के चलते घरेलू कारोबार का राजस्व सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़ा।

# सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार, फेड के फैसले का इंतजार

विश्व केसरी ■

**मुंबई।** सोने और चांदी की शुरुआत बुधवार को मिश्रित हुई और दोनों कीमती धातुओं में एक सीमित दायरे में कारोबार हो रहा था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,41,623 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले करीब सपाट 1,41,519 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

फिलहाल यह 228 रुपए या 0.16 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 1,41,395 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोना ने 1,41,311 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,41,591 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।

वहीं, दूसरी तरफ चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2,15,840 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,16,834 रुपए प्रति किलो पर सपाट खुला।

फिलहाल यह 608 रुपए या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,16,448 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,16,369 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,16,943 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,022 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 57 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी के सीमित दायरे में रहने की वजह अमेरिकी फेड की बैठक है, जिसके फैसलों का ऐलान आज देर शाम किया जाएगा। इससे के बाद भी सोने और चांदी की दिशा तय होगी।

उन्होंने आगे कहा कि इस बार की बैठक में ब्याज दरों में किसी बदलाव की कोई उम्मीद नहीं है, लेकिन आने वाले समय में ब्याज दरों की दिशा पर फेड टिप्पणी बेहद अहम होगी।

इसके अतिरिक्त, भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी और इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब एक प्रतिशत की तेजी देखी गई। इसकी वजह आईटी शेयरों में खरीदारी थी और शुरुआती कारोबार में निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 1.5 प्रतिशत मजबूत था।

# बैंकों ने वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 26 के बीच न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में वसूले 26,170 करोड़ रुपए : केंद्र

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** बैंकों ने वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 26 के बीच चार वर्षों में खातों में न्यूनतम औसत शेष राशि बनाए नहीं रखने पर ग्राहकों से 26,170 करोड़ रुपए से अधिक की जुर्माना वसूला है। यह जानकारी सरकार की ओर से संसद में दी गई।

राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा लिखित जवाब में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, निजी क्षेत्र के बैंकों ने न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में सरकारी बैंकों की तुलना में अधिक राशि वसूली है।

केवल वित्त वर्ष 2026 में ही बैंकों ने न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में 7,086.63 करोड़ रुपए वसूले।

इसमें निजी बैंकों ने 4,948.71 करोड़ रुपए जुटाए, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा वसूले गए 2,137.92 करोड़ रुपए से दोगुने से भी अधिक है।

निजी बैंकों में एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में सबसे अधिक 1,798.14 करोड़ रुपए न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में वसूले। इसके बाद एक्सिस बैंक का स्थान रहा, जिसने 1,081.33 करोड़ रुपए वसूले। इन दोनों बैंकों की हिस्सेदारी निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा वसूले गए कुल न्यूनतम बैलेंस शुल्क का लगभग 58 प्रतिशत रही।

अन्य निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक ने 353.50 करोड़ रुपए, कोटक महिंद्रा बैंक ने 290.65 करोड़ रुपए, यस बैंक ने 195.05 करोड़ रुपए और आईडीबीआई बैंक ने 175.15 करोड़ रुपए वसूले।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एसबीआई ने सबसे अधिक 477.27 करोड़ रुपए वसूले। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने 394.10 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक ने 299.17 करोड़ रुपए वसूले।

हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया कि एसबीआई द्वारा बताई गई यह राशि केवल चालू खातों (करंट अकाउंट) से संबंधित है, क्योंकि बैंक ने मार्च 2020 से बचत खातों पर न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने पर लगने वाली पेनाल्टी समाप्त कर दी है।

# पिज्जा लवर्स के लिए खुशखबरी! बिना ज्यादा मेहनत के घर पर बनाएं लाजवाब चीजी पिज्जा बाइट्स, 10 मिनट में होगा तैयार

शाम होते ही अगर घर में कोई पूछ ले, 'आज स्नैक्स में क्या है? ', तो अक्सर जवाब ढूंढना मुश्किल हो जाता है. रोज-रोज समोसा, पकोड़े या बिस्कुट खाने से हर किसी का मन भर जाता है. ऐसे में अगर घर की रसोई में ही ऐसा स्नैक तैयार हो जाए जो देखने में आकर्षक हो, खाने में लाजवाब हो और बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को पसंद आए, तो बात ही अलग है. इन दिनों पिज़्ज़ा बाइट्स तेजी से लोगों की पसंद बन रहे हैं. बाहर कैफे या फास्ट फूड आउटलेट में मिलने वाले ये छोटे-छोटे चीज़ी स्नैक्स अब आसानी से घर पर भी बनाए जा सकते हैं.

अच्छी बात यह है कि इन्हें बनाने के लिए किसी खास सामग्री की जरूरत नहीं होती. घर में मौजूद ब्रेड, सब्जियां, चीज़ और कुछ सामान्य मसालों से कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट पिज़्ज़ा बाइट्स तैयार किए जा सकते हैं, अगर आपके घर अचानक मेहमान आ जाएं, बच्चों की बर्थडे पार्टी हो या फिर वीकेंड पर कुछ नया खाने का मन हो, तो यह रेसिपी बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है.

क्यों पसंद किए जा रहे हैं पिज़्ज़ा बाइट्स?

पिज़्ज़ा का स्वाद लगभग हर उम्र के लोगों को पसंद आता है, लेकिन बड़ा पिज़्ज़ा बनाने में समय और मेहनत दोनों लगते हैं. वहीं पिज़्ज़ा बाइट्स छोटे आकार के होते हैं, जल्दी तैयार हो जाते हैं और इन्हें सर्व करना भी आसान रहता है. बच्चों के टिफिन, फैमिली गेट-टुगेदर या शाम की चाय के साथ यह स्नैक शानदार लगता है. यही वजह है कि सोशल मीडिया पर भी इसकी रेसिपी काफी वायरल हो रही है.

ऐसे बनाएं बाजार जैसे पिज़्ज़ा बाइट्स

सबसे पहले एक बाउल में प्याज, शिमला मिर्च, स्वीट कॉर्न, चीज़, पिज़्ज़ा सॉस, ऑरिगैनो, चिली फ्लेक्स और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें. अब ब्रेड के किनारे निकाल दें और बेलन की मदद से हल्का पतला कर लें. बीच में तैयार मिश्रण रखें और ब्रेड को अच्छी तरह बंद कर दें. चाहें तो गोल या चौकोर आकार भी दे सकते हैं. इसके बाद तवे पर थोड़ा मक्खन लगाएं और धीमी आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें, अगर आपके पास एयर फ्रायर है तो उसमें भी इन्हें 180 डिग्री पर 8 से 10 मिनट तक पकाया जा सकता है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें. आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी

# बारिश में घूमने का बना रहे हैं प्लान? पाली का रावला नारलाई है परफेक्ट डेस्टिनेशन, मानसून में बन जाता है जन्नत

अगर आप राजस्थान में शाही अंदाज के साथ मानसून वेकेशन बिताना चाहते हैं, तो पाली का रावला नारलाई बेहतरीन विकल्प है. अरावली की हरियाली, ऐतिहासिक हवेली, हाथी चट्टान, प्राचीन बावड़ी और राजस्थानी संस्कृति यहां की पहचान हैं. बारिश के मौसम में यह पूरा इलाका हरियाली और बादलों से घिरकर बेहद आकर्षक नजर आता है. पर्यटक यहां लेपर्ड सफारी, हेरिटेज वॉक और लोक संगीत के बीच डिनर का आनंद ले सकते हैं. प्रीमियम हेरिटेज रिसॉर्ट होने के कारण यहां ठहरने का खर्च 12,000 से 25,000 या उससे अधिक प्रति रात तक हो सकता है.

राजस्थान के पाली जिले में स्थित रावला नारलाई' हेरिटेज संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता का एक बेजोड़ मेल है. कभी जोधपुर राजघराने का शिकारगाह (हंटिंग लॉज) रहा यह ठिकाना अब एक बेहद खूबसूरत बुटीक हेरिटेज रिसॉर्ट का रूप ले चुका है. अरावली की प्राचीन पर्वतमालाओं और विशाल ग्रेनाइट चट्टानों की गोद में बसा यह क्षेत्र शांति और शाही वैभव की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए पहली

इस रावला की सबसे बड़ी खासियत इसकी पारंपरिक राजस्थानी वास्तुकला और बनावट है. संगमरमर, बलुआ पत्थर, नक्काशीदार मेहराबों और झरोखों से सजे इस परिसर में प्रवेश करते ही पुराने दौर की यादें ताजा हो जाती है. फूलों से सजे खुले आंगन, प्राचीन एंटीक फर्नीचर, ब्लॉक प्रिंटेड कपड़े और दीवार पर सजी शाही तस्वीरें इसकी नक्काशी और खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं. विरासत के साथ-साथ आधुनिक सुख-सुविधाओं का संतुलन इस जगह को बेहद खास बनाता है.

रिसॉर्ट के ठीक सामने स्थित विशाल 'एलिफेंट रॉक' यानि की हाथी चट्टान और उस पर स्थापित हाथी की मूर्ति आकर्षण का मुख्य केंद्र है. इसके अलावा, 11वीं सदी की ऐतिहासिक बावड़ी में दीयों की रोशनी और लोक संगीत के बीच डिनर का अनुभव पर्यटकों को एक जादुई दुनिया में ले जाता है. गोडवाड़ क्षेत्र में होने वाली लेपर्ड सफारी, पुराने जैन व शिव मंदिर तथा गांव की पैदल सैर यहां की प्रमुख एक्टिविटी हैं.

जो यहां पर पर्यटकों को अपनी और न केवल खीचती है बल्कि यहां रूकने पर मजबूर भी करती है.

मानसून के मौसम में नारलाई का पूरा नजारा पूरी तरह बदल जाता है और यह किसी जन्नत से कम नजर नहीं आता. बारिश की फुहारों के साथ ही अरावली की सूखी पहाड़ियां मखमली हरियाली से ढक जाती है और ग्रेनाइट चट्टानों पर धुंध व बादलों की चादर लिपट जाती है.

# एक सुई की गलती बना सकती है गंभीर बीमारी का शिकार, टैटू-पियर्सिंग करवाने से पहले जानें सच

आज के समय में टैटू बनवाना, बॉडी पियर्सिंग करवाना और अलग-अलग तरह की कॉस्मेटिक प्रोसीजर करवाना काफी आम हो गया है. खासकर युवाओं में इनका चलन तेजी से बढ़ रहा है. हालांकि, ज्यादातर लोग इनके डिजाइन, स्टाइल और कीमत पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन इंफेक्शन से बचाव के बारे में ज्यादा नहीं सोचते. यदि इस्तेमाल होने वाले उपकरण ठीक से कीटाणुरहित न हों या एक ही सुई का दोबारा उपयोग किया जाए, तो हेपेटाइटिस क्कऔर हेपेटाइटिस ष्ट का खतरा काफी ज्यादा होता है. इसलिए किसी भी ऐसी प्रक्रिया को करवाने से पहले हाइजीन के नियमों की जानकारी होना बेहद जरूरी है.

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के प्रिंसिपल कंसल्टेंट - गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, डॉ. आशीष गर्ग बताते हैं कि हेपेटाइटिस क्क और हेपेटाइटिस ष्ट ऐसे वायरल संक्रमण हैं जो संक्रमित खून के जरिए फैलते हैं. यदि किसी व्यक्ति पर इस्तेमाल की गई सुई या उपकरण को बिना सही तरीके से साफ और स्टरलाइज किए दोबारा इस्तेमाल किया जाए, तो संक्रमण फैल सकता है. यह खतरा केवल टैटू तक सीमित नहीं है. माइक्रोब्लेडिंग, परमानेंट मेकअप, स्किन नीडलिंग और ऐसी अन्य प्रक्रियाओं में भी यही जोखिम मौजूद रहता है.

साफ का मतलब सेफ नहीं

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि अगर कोई क्लिनिक या पार्लर देखने में साफ है तो वह पूरी तरह सुरक्षित भी होगा. लेकिन असली सुरक्षा इस बात पर निर्भर करती है कि वहां संक्रमण रोकने के सभी नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं. प्रक्रिया शुरू होने से पहले यह जरूर देखें कि नई सुई आपके सामने सीलबंद पैक से निकाली जा रही है. साथ ही, हर ग्राहक के लिए नए ग्लव्स इस्तेमाल किए जा रहे हों और दोबारा उपयोग होने वाले उपकरणों को मेडिकल मानकों के अनुसार स्टरलाइज किया गया हो. इंक या अन्य सामग्री भी किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा नहीं की जानी चाहिए.

हेपेटाइटिस का इंफेक्शन कितना खतरनाक है?

हेपेटाइटिस की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसके शुरुआती चरण में अक्सर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते. व्यक्ति कई सालों तक खुद को बिल्कुल स्वस्थ महसूस कर सकता है, जबकि वायरस धीरे-धीरे लीवर को नुकसान पहुंचाता रहता है. समय के साथ यह सिरोसिस या लीवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है. इसलिए यदि आपने कभी किसी असुरक्षित या बिना लाइसेंस वाले स्थान पर टैटू, पियर्सिंग या कॉस्मेटिक प्रक्रिया करवाई है ।

# सुबह खाली पेट नारियल पानी पीना सही है या नहीं? जानें शरीर में कैसे करता है बदलाव

सुबह खाली पेट नारियल पानी पीना ज्यादातर लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन हर किसी के लिए यह सही हो, ऐसा जरूरी नहीं. जानिए एक्सपर्ट्स के अनुसार इसके फायदे, सावधानियां और किन लोगों को इसका सेवन सोच-समझकर करना चाहिए.

दिन की शुरुआत हेल्दी तरीके से करने के लिए कई लोग सुबह खाली पेट नारियल पानी पीना पसंद करते हैं. इसे प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक माना जाता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है. सोशल मीडिया पर अक्सर यह दावा भी किया जाता है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से वजन तेजी से कम होता है, त्वचा चमकदार बनती है और शरीर पूरी तरह डिटॉक्स हो जाता है. हालांकि, इन दावों को पूरी तरह सच मानना सही नहीं है. विशेषज्ञों का कहना है कि नारियल पानी एक पौष्टिक पेय जरूर है, लेकिन इसे किसी चमत्कारी ड्रिंक की तरह नहीं देखना चाहिए.

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, ताजा नारियल पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, सोडियम और थोड़ी मात्रा में प्राकृतिक शुगर होती है.

यह शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है. ज्यादातर स्वस्थ लोगों के लिए सुबह खाली पेट नारियल पानी पीना सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसके फायदे व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य और खानपान की आदतों पर भी निर्भर करते हैं.शरीर को रखता है हाइड्रेट

रातभर सोने के बाद शरीर में पानी की कमी होना सामान्य बात है. ऐसे में सुबह नारियल पानी पीने से शरीर को तरल पदार्थ और जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स मिलते हैं, जिससे दिन की शुरुआत तरोताजा महसूस हो सकती है. खासकर गर्मी या उमस वाले मौसम में यह शरीर में पानी की कमी पूरी करने का अच्छा विकल्प माना जाता है.

पाचन को मिल सकता है फायदा

कुछ लोगों को सुबह नारियल पानी पीने से पेट हल्का महसूस होता है और शरीर को पर्याप्त तरल मिलने से सामान्य पाचन प्रक्रिया को सहारा मिल सकता है. हालांकि, यह कब्ज, गैस या एसिडिटी जैसी समस्याओं का इलाज नहीं है. अगर किसी को लंबे समय से पाचन संबंधी परेशानी है, तो केवल नारियल पानी पर निर्भर रहने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है.

दिल की सेहत के लिए हो सकता है फायदेमंद

नारियल पानी में पोटैशियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

# दिल्ली के इन 6 प्राचीन शिव मंदिरों के बिना अधूरी है सावन की यात्रा, जानिए लोकेशन!

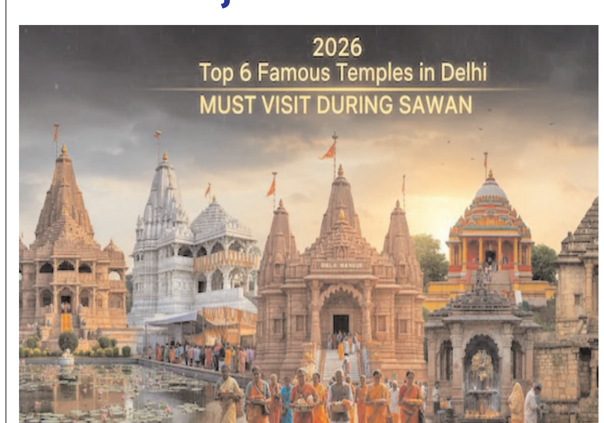


सावन का महीना भगवान शिव की पूजा के लिए सबसे पवित्र समय माना जाता है. इस दौरान शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है. अगर आप दिल्ली या उसके आस-पास रहते हैं, तो सावन के दौरान यहां के प्राचीन और मशहूर शिव मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं. धार्मिक महत्व के अलावा, ये मंदिर अपनी ऐतिहासिक और वास्तुकला की सुंदरता से भी लोगों को आकर्षित करते हैं. आइए जानते हैं दिल्ली के 6 प्रमुख शिव मंदिरों के बारे में....

1. गौरी शंकर मंदिर, चांदनी चौक

दिल्ली के ऐतिहासिक चांदनी चौक इलाके में स्थित गौरी शंकर मंदिर राजधानी का सबसे मशहूर शिव मंदिर है. माना जाता है कि यहां स्थापित शिवलिंग लगभग 800 साल पुराना है. सावन के महीने में यहां जलाभिषेक (देवता को जल से स्नान कराने की रस्म) और विशेष पूजा-अर्चना जैसे खास अनुष्ठान किए जाते हैं.

2. प्राचीन शिव मंदिर, महरौली

कुतुब मीनार के पास स्थित महरौली इलाके में कई प्राचीन शिव मंदिर हैं, जहां सावन के दौरान खास धार्मिक आयोजन होते हैं. इस जगह का शांत माहौल और ऐतिहासिक महत्व एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव देता है.

3. भूले भंडारी शिव मंदिर, झंडेवालान

झंडेवालान इलाके में स्थित यह मंदिर भगवान शिव के भक्तों के बीच बहुत लोकप्रिय है. सावन के सोमवार और शिवरात्रि के दिन बड़ी संख्या में भक्त यहां आशीर्वाद लेने आते हैं ।

# वैक्सिंग ङ्कस् शेविंग: जानें कौन-सा हेयर रिमूवल तरीका त्वचा के लिए है बेहतर

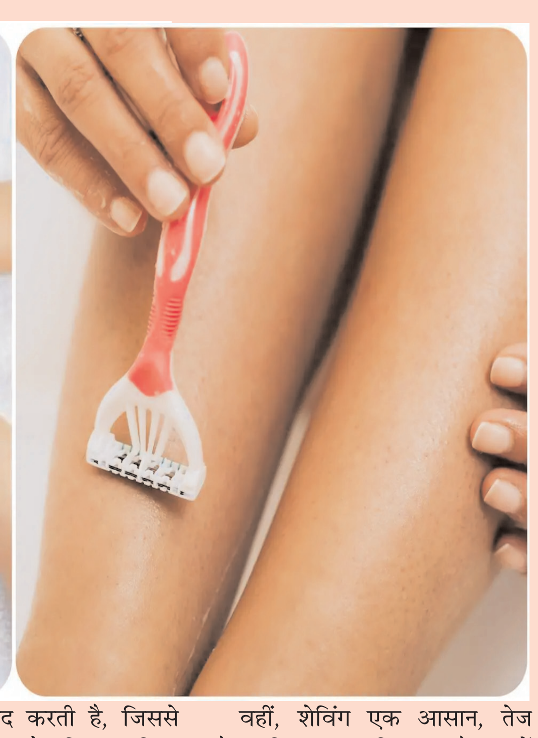

शरीर के अनचाहे बाल हटाने के लिए महिलाएं अक्सर वैक्सिंग और शेविंग के बीच उलझन में रहती हैं. दोनों ही तरीके काफी लोकप्रिय हैं, लेकिन इनमें से कौन-सा बेहतर है, इसका जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है. इस लेख में जानिए आपके लिए कौन-सा ऑप्शन ज्यादा कारगर है.

शरीर के अनचाहे बालों को रिमूव करने का ट्रेंड पिछले कुछ सालों में बहुत ज्यादा बढ़ गया है. हालांकि इसके लिए अब लोग महंगा लेजर ट्रीटमेंट भी करवाने लगे हैं, लेकिन वैक्सिंग और शेविंग ऐसे दो विकल्प हैं, जो लंबे समय से ज्यादातर लोगों की रूटीन का हिस्सा रहे हैं. कुछ लोगों को वैक्सिंग के लंबे समय तक रहने वाले परिणाम पसंद आते हैं, जबकि कुछ लोग शेविंग को आसान और दर्द रहित मानते हैं.

इसमें कोई दोराय नहीं कि हर हेयर रिमूवल टेक्निक के अपने फायदे और नुकसान हैं. इसलिए किसी एक तरीके को सभी के लिए सबसे अच्छा कहना सही नहीं होगा. एक्सपर्ट बताते हैं कि यह काफी हद तक आपकी त्वचा के प्रकार, दर्द सहने की क्षमता, सुविधा और व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है.

वैक्सिंग और शेविंग में अंतर

फायदा

वैक्सिंग और शेविंग के बीच सबसे बड़ा अंतर इस बात का है कि बाल किस स्तर से हटाए जाते हैं. वैक्सिंग में बाल जड़ से निकाले जाते हैं, इसलिए इसके परिणाम अपेक्षाकृत लंबे समय तक बने रहते हैं. कुछ लोगों में बार-बार वैक्सिंग कराने से नए आने वाले बाल पहले की तुलना में पतले भी हो सकते हैं. इसके अलावा, वैक्सिंग त्वचा की ऊपरी मृत कोशिकाओं को हटाने में भी मदद करती है, जिससे त्वचा कुछ समय के लिए अधिक मुलायम और साफ दिखाई दे सकती है. बड़े हिस्सों से बाल हटाने के लिए भी यह तरीका प्रभावी माना जाता है.

वहीं, शेविंग एक आसान, तेज और सुविधाजनक विकल्प है. इसमें बाल केवल त्वचा की सतह से हटाए जाते हैं, इसलिए यह वैक्सिंग की तुलना में कम दर्दनाक होती है. यदि साफ रेजर, सही तकनीक और पर्याप्त मॉइस्चराइजिंग का इस्तेमाल किया जाए, तो शेविंग कई लोगों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकती है.

नुकसान

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों में वैक्सिंग के कारण लालिमा, जलन, सूजन, त्वचा का रंग गहरा होना या इनग्रोन हेयर जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

वहीं, शेविंग से रेजर बर्न, छोटे कट, हेयर फॉलिकल्स में सूजन और इनग्रोन हेयर की समस्या हो सकती है. नियमित शेविंग से त्वचा रूखी और खुरदरी भी महसूस हो सकती है.

सही विकल्प कैसे चुनें?

अनचाहे बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग और शेविंग दोनों ही अस्थायी उपाय हैं. इसलिए किसी भी विकल्प को चुनने से पहले अपनी त्वचा की जरूरत, आराम और सुविधा को ध्यान में रखना चाहिए. यदि आपकी त्वचा बहुत संवेदनशील है या बार-बार जलन की समस्या होती है, तो किसी त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा. ।

# आकांक्षा सिंह बर्थडे स्पेशल: 'ना बोले तुम...' से की शुरूआत, साऊथ और बॉलीवुड में भी छोड़ी अपनी छाप

30 जुलाई 1990 जयपुर, राजस्थान में जन्मी आकांक्षा सिंह आज मना रही हैं अपना 35वां जन्मदिन

मुंबई। टीवी की दुनिया से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री आकांक्षा सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी शानदार एक्टिंग, सादगी और दमदार किरदारों के दम पर उन्होंने हिंदी टीवी के साथ-साथ साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में भी अपनी अलग जगह बनाई है।

30 जुलाई, 1990 को राजस्थान के जयपुर में जन्मी आकांक्षा सिंह का बचपन कला और रंगमंच से जुड़ा रहा। उनकी मां थिएटर आर्टिस्ट थीं, जिसका असर आकांक्षा की जिंदगी पर भी पड़ा। एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने फिजियोथेरेपी की पढ़ाई की, लेकिन उनका झुकाव हमेशा अभिनय की तरफ रहा। उन्होंने थिएटर से अपने सफर की शुरुआत की और धीरे-धीरे मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनानी शुरू की।

आकांक्षा सिंह को घर-घर में पहचान मिली साल 2012 में आए टीवी शो 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा' से। इस शो में उन्होंने मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया था। एक विधवा मां के भावनात्मक और मजबूत किरदार को उन्होंने इतनी खूबसूरती से निभाया कि दर्शकों के दिल में अपनी जगह बना ली। इस भूमिका के लिए उन्हें इंडियन टेली अवॉर्ड्स में फ्रेश न्यू फेस फीमेल का सम्मान भी मिला।

इसके बाद आकांक्षा ने कई अलग-अलग तरह के किरदारों में खुद को साबित किया। उन्होंने टीवी शो 'गुलमोहर ग्रैंड' में भी काम किया। छोटे पर्दे पर सफलता हासिल करने के बाद उन्होंने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया।

साल 2017 आकांक्षा सिंह के करियर के लिए खास रहा। उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने तेलुगु फिल्म 'मल्ली रावा' से साउथ सिनेमा में भी शुरुआत की। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली और उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड्स में बेस्ट फीमेल डेब्यू (तेलुगु) के लिए नामांकन भी मिला।

इसके बाद आकांक्षा ने तेलुगु फिल्म 'देवदास' में काम किया, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया। वहीं, कन्नड़ फिल्म 'पैलवान' में उन्होंने साउथ के सुपरस्टार किच्चा सुदीप के साथ स्क्रीन शेयर की।

साल 2022 में रिलीज हुई अजय देवगन स्टारर फिल्म 'रनवे 34' में आकांक्षा सिंह ने अहम भूमिका निभाई। इस फिल्म के जरिए उन्होंने हिंदी फिल्मों में अपनी मौजूदगी और मजबूत की। इसके अलावा, वह वेब सीरीज की दुनिया में भी सक्रिय रहीं और 'रंगबाज : डर की राजनीति' और 'मीट क्यूट' जैसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं।

आकांक्षा सिंह ने अपने करियर में सिर्फ एक तरह के किरदारों तक खुद को सीमित नहीं रखा। टीवी की भावुक बेटी और मां से लेकर फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाओं तक, उन्होंने हर किरदार को पूरी मेहनत और ईमानदारी से निभाया है।

# 'एमटीवी हसल 5' का नया थीम होगा 'अपना होमग्राउंड', बादशाह बोले- 'यह उन लोगों को समर्पित है जो कलाकार को बनाते हैं'

विश्व केसरी

मुंबई। लोकप्रिय रैप रियलिटी शो 'एमटीवी हसल 5' नए सीजन के साथ वापसी के लिए तैयार है। इस बार शो केवल नए रैपर की तलाश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन जगहों, अनुभवों और कहानियों को भी सामने लाएगा, जिन्होंने इन कलाकारों को तैयार किया है। शो के पांचवें सीजन की थीम 'अपना होमग्राउंड' रखा गया है, जिसे लेकर रैपर बादशाह काफी उत्साहित हैं।

इस सीजन में बादशाह शो में रैप सुप्रीमो की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उन्होंने कहा, ''रैप शो 'एमटीवी हसल' हमेशा से ऐसा मंच रहा है, जिसने देश के नए कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया है। इस बार की थीम उन लोगों और अनुभवों को सम्मान देता है, जो किसी भी कलाकार को शुरुआत से मजबूत बनाते हैं।''

बादशाह ने कहा, ''इस सीजन में वापस आना मेरे लिए घर लौटने जैसा है। 'अपना होमग्राउंड' उन संघर्षों को दर्शाता है, जहां से कलाकार अपनी पहचान बनाकर आगे बढ़ते हैं। मैं भारतीय हिप-हॉप की अगली बड़ी आवाजों को खोजने के लिए काफी उत्साहित हूं।

एमटीवी हसल 5' की खास बात यह भी है कि इस बार शो में कुछ ऐसे कलाकार स्क्वाड बॉस की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जिन्होंने कभी इसी मंच पर कंटेस्टेंट के तौर पर अपनी शुरुआत की थी। इनमें ईपीआर, एमसी स्क्वायर, पैराडॉक्स और एग्सी शामिल हैं।

ईपीआर ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, ''हर सीजन के साथ शो में आने वाली प्रतिभा और बेहतर होती जा रही है। कंटेस्टेंट्स से कलाकार और फिर मार्गदर्शक बनने तक का मेरा सफर बेहद खास रहा है। मैंने कभी इस मंच पर एक कंटेस्टेंट के रूप में शुरुआत की थी और अब मैं नए कलाकारों को उनकी आवाज पहचानने में मदद करना चाहता हूं। मेरा मानना है कि हिप-हॉप केवल संगीत नहीं है, बल्कि यह लोगों की कहानियों और उनके अनुभवों को सामने लाने का माध्यम भी है।''

वहीं, एमसी स्क्वायर ने कहा, 'हसल सीजन 2' जीतने के बाद मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई थी। आज जब मैं उसी मंच पर स्क्वाड बॉस बनकर लौट रहा हूं तो यह मेरे लिए गर्व का पल है। मैं अच्छी तरह समझता हूं कि कंटेस्टेंट किस दौर से गुजरते हैं, क्योंकि मैं भी कभी खुद उसी जगह खड़ा था, जहां आज नए कलाकार खड़े हैं। मेरा मकसद नए कलाकारों को खुद पर भरोसा करने और अपनी कहानी को दुनिया के सामने रखने के लिए प्रेरित करना है। मुझे उम्मीद जताई कि इस सीजन में कई ऐसी आवाजें सामने आएंगी।

# फिल्मों के खलनायक सोनू सूद ऐसे बने असल जिंदगी के नायक

नई दिल्ली। सोनू सूद का जन्म 30 जुलाई 1973 को पंजाब के मोगा में हुआ था। उनके पिता शक्ति सागर सूद एक सफल उद्यमी थे और माता सरोज सूद शिक्षिका थीं। अपनी प्रारंभिक शिक्षा मोगा के एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने नागपुर के यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (वाईसीसीई) से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में ग्रासिम मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष पांच में जगह बनाने के बाद उनका रुझान मॉडलिंग की ओर हो गया। रूपहले पर्दे का अभिनेता बनने का सपना लिए सोनू सूद मात्र 5,500 रुपए लेकर मुंबई आ गए। उनके शुरुआती संघर्ष के दिन अत्यंत कठिन थे। उन्होंने छह अन्य लोगों के साथ एक छोटा सा कमरा साझा किया और अपनी बुनियादी आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए 4,500 रुपए प्रतिमाह वेतन वाली एक निजी नौकरी भी की।

उनका पहला मॉडलिंग असाइनमेंट उन्हें मात्र 500 रुपए का पारिश्रमिक दे पाया था, जो उनके आगामी साम्राज्य की एक बेहद मामूली शुरुआत थी। निजी जीवन में वे बेहद अनुशासित हैं। वे शुद्ध शाकाहारी हैं, धूम्रपान एवं शराब से दूर रहते हैं और अपनी फिटनेस बनाए रखने के लिए किक-बॉक्सिंग का कड़ाई से पालन करते हैं।

# 'भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती', सीरत कपूर ने बताया दक्षिण भारतीय सिनेमा ने बदली उनकी सोच

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपनी अभिनय यात्रा में दक्षिण भारतीय सिनेमा के योगदान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने उन्हें किरदारों को ज्यादा गहराई से समझना सिखाया है। जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का तरीका बेहतर तरीके से सीखता है।

सीरत कपूर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने मेरे करियर को एक मजबूत आधार दिया। अलग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती।''

अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए। लोकप्रियता और चर्चा कुछ समय के लिए हो सकती है, लेकिन अच्छे काम से मिलने वाला सम्मान लंबे समय तक बना रहता है।''

सीरत कपूर जल्द ही फिल्म 'जटस्या मरणम ध्रुवम' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता जेडी चक्रवर्ती भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले महीने पांच भाषाओं में रिलीज होने वाली है।

हाल ही में सीरत ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक मुश्किल अनुभव को भी साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। उस सीन के लिए उन्होंने चूड़ियां पहनी थीं, लेकिन शूट पूरा होने के बाद हाथों में सूजन आने की वजह से उन्हें निकालना मुश्किल हो गया था। अपने इस अनुभव को याद करते हुए सीरत ने कहा, 'मुझे याद है जब हम फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग कर रहे थे। मैंने उस सीन के लिए चूड़ियां पहनी थीं और शूट पूरा होने के बाद सूजे हुए हाथों की वजह से हम उन्हें निकाल नहीं पाए। टीम की मदद से जैसे-तैसे चूड़ियां निकाली गईं।

# विश्व बाघ दिवस पर रणदीप हुड्डा और श्रिया पिलगांवकर ने दिया वन्यजीव संरक्षण का संदेश

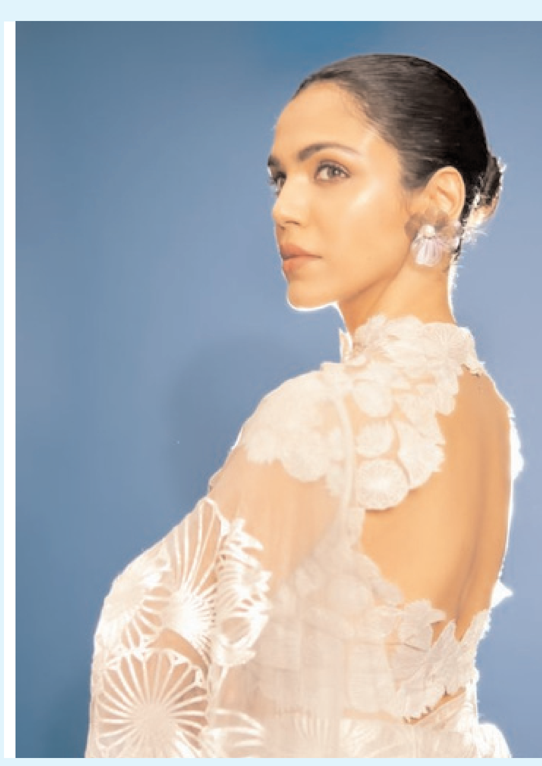

विश्व केसरी

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर अभिनेत्री श्रेया पिलगांवकर और अभिनेता रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया के जरिए बाघों के प्राकृति आवास और वन्यजीव गलियारों की सुरक्षा का संदेश दिया। दोनों कलाकारों ने बाघों के सुरक्षित ठिकानों और उनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने पर खास जोर दिया।

अभिनेता और वन्यजीव प्रेमी रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम पर बाघ की कुछ तस्वीरें शेयर की। इसमें उन्होंने सभी से अपील की कि वे सिर्फ बाघों की संख्या बढ़ाने पर ही ध्यान न दें बल्कि उन जंगलों और प्राकृतिक क्षेत्रों को भी बचाएं, जहां बाघ रहते हैं।

उन्होंने लिखा, 'हम बाघों की बढ़ती संख्या पर गर्व तो करते हैं लेकिन दूसरी ओर खनन और विकास परियोजनाओं के नाम पर उनके जंगलों और उन रास्तों को लगातार नष्ट कर रहे हैं, जिन पर उनका जीवन निर्भर करता है।'

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बाघों के सुरक्षित भविष्य के लिए उनके आवास का संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। अभिनेता रणदीप हुड्डा ने लिखा, 'बाघों को बचाने का मतलब सिर्फ उनकी संख्या बढ़ाना नहीं है बल्कि उनके प्राकृतिक आवास और जंगलों की रक्षा करना भी है। अगर हम उनके घरों को बचाएंगे, तो हम प्रकृति और आखिरकार खुद को भी सुरक्षित रख पाएंगे।'

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने भी अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर अपने विचार शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर बाघों की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'पहली बार जंगल में बाघों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना मेरे जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में से एक था। उन्हें खुले जंगल में देखना मन को विनम्रता और प्रकृति के प्रति सम्मान से भर देता है।

आज भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जंगली बाघों का घर है। दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत जंगली बाघ भारत में पाए जाते हैं।

उन्होंने लिखा, 'यह इस बात की याद दिलाता है कि वन्यजीव संरक्षण कितना जरूरी है। हमारे जंगलों की रक्षा करना सिर्फ बाघों को बचाना नहीं बल्कि पूरी प्रकृति और उससे जुड़े जीवन को सुरक्षित रखना है। विश्व बाघ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

# संजय दत्त के 67वें जन्मदिन पर बोलीं बहन प्रिया, 'आपने मां-पिता दोनों की कमी को किया पूरा'

मुंबई। बॉलीवुड के दमदार अभिनेता संजय दत्त बुधवार को अपना 67वां जन्मदिन मना रहे है। इस मौके पर उनके परिवार के हर सदस्य ने उन्हें खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी बहन प्रिया दत्त के पोस्ट की हो रही है, जिसमें उन्होंने संजय दत्त को माता और पिता की तरह सपोर्ट करने वाला बड़ा भाई बताया।

प्रिया दत्त ने इंस्टाग्राम पर एक पुराना वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि माता-पिता के जाने के बाद संजय दत्त ने परिवार में मां और पिता दोनों की कमी को पूरा किया। उन्होंने कहा कि उस मुश्किल दौर में संजय ही परिवार की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आए।

वीडियो में प्रिया कहती हैं, 'उन्होंने मां और पिता, दोनों की कमी को बहुत खूबसूरती से पूरा किया। हम सभी छोटी बहनें थीं और भैया ही परिवार में कमाने वाले पहले सदस्य थे। हमें हर साल रक्षाबंधन का बेसब्री से इंतजार रहता था कि इस बार भैया हमें क्या गिफ्ट देंगे।'

वीडियो के साथ प्रिया ने एक भावुक कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कहा, 'कुछ रिश्ते समय के साथ और भी मजबूत हो जाते हैं और हमारा रिश्ता भी ऐसा ही है। जिंदगी हमें जहां भी ले गई, परिवार हमेशा हमारी सबसे बड़ी ताकत रहा। मैं आभारी हूं कि हमने यह सफर हमेशा साथ तय किया।

उन्होंने आगे लिखा, 'ऐसे ही मजबूत, ख्याल रखने वाले और हमेशा खुद के प्रति सच्चे रहने वाले भाई होने के लिए आपका धन्यवाद। मैं कामना करती हूं कि यह साल आपके लिए अच्छा स्वास्थ्य, ढेर सारी खुशियां, नई यादें और ढेर सारा प्यार लेकर आए, जिसके आप हकदार हैं। आपको जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

संजय दत्त के जन्मदिन पर उनके बच्चों ने भी उन्हें खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। उनके जुड़वां बेटे शहरान दत्त, बेटी इकरा दत्त और बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त ने सोशल मीडिया पर अपने पिता के लिए प्यार भरे पोस्ट साझा किए। शाहरान दत्त ने अपने पिता के साथ एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों वाइट कलर के ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आ रहे हैं। संजय दत्त ने अपने लुक को सनग्लासेस के साथ पूरा किया और दोनों कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते दिखाई दिए। तस्वीर के साथ शाहरान ने लिखा, 'दुनिया के सबसे बेहतरीन पापा को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

# यूक्रेन के पास ब्लैक सी हमलों के बीच फंसे 13 भारतीय नाविक, समुद्री संगठन ने जताई चिंता

विश्व केसरी

**नई दिल्ली/कीव।** फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) के अनुसार, यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर एक मालवाहक जहाज पर फंसे 15 चालक दल के सदस्यों में कम से कम 13 भारतीय नाविक शामिल हैं, क्योंकि रणनीतिक काला सागर बंदरगाह के आसपास ड्रोन और मिसाइल हमले जारी हैं।

संगठन के अनुसार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ब्लैक सी बंदरगाह के आसपास ड्रोन और मिसाइल हमले लगातार जारी हैं, जिससे जहाज पर मौजूद चालक दल की जान को गंभीर खतरा बना हुआ है।

नाविकों के संगठन ने चेतावनी दी है कि चालक दल एक 'भयानक और जानलेवा स्थिति' में फंसा हुआ है। संगठन का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण जहाज पर मौजूद लोग हर समय इस डर में जी रहे हैं कि किसी भी समय कोई हमला सीधे जहाज को निशाना बना सकता है।

एफएसयूआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से भारत सरकार और अन्य संबंधित पक्षों से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि जहाज पर फंसे चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एफएसयूआई ने अपनी पोस्ट में कहा, 'एम.वी. अमीर-1 जो वर्तमान में यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर 15 चालक दल के सदस्यों के साथ मौजूद है, जिनमें 13 भारतीय नाविक शामिल हैं, एक भयानक और जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति में फंसा हुआ है।' संगठन ने आगे कहा, 'जहाज के बिल्कुल आसपास बार-बार ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश की जा रही है। चालक दल हर समय इस डर में रह रहा है कि किसी भी क्षण कोई हमला सीधे जहाज पर हो सकता है।' एफएसयूआई ने भारत सरकार, जहाज के मालिकों, जहाज के पंजीकृत ध्वज वाले देश और अन्य संबंधित अधिकारियों से तुरंत कदम उठाने की मांग की है। संगठन ने चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें जल्द वहां से निकालने और स्वदेश वापस भेजने की व्यवस्था करने की अपील की है।

एफएसयूआई ने एक वीडियो भी साझा किया है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि यह जहाज के अंदर से रिकॉर्ड किया गया है। वीडियो में जहाज के आसपास के इलाकों से धुएं के घने गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो ब्लैक सी बंदरगाह क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दर्शाता है। फिलहाल इस घटना को लेकर भारत के विदेश मंत्रालय या जहाज का संचालन करने वाली कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

# जर्मन राजदूत एकरमैन से मिले विदेश मंत्री, भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने में योगदान को सराहा

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने बुधवार को जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन को विदा किया। उन्होंने भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की और उनके भविष्य के दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दीं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन के विदा करने से पहले की मुलाकात अच्छी रही।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की। भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।'

भारत और जर्मनी अपनी द्विपक्षीय साझेदारी के तहत रणनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और कूटनीतिक क्षेत्रों में सहयोग को लगातार मजबूत कर रहे हैं।

भारत स्थित जर्मन मिशन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, फिलिप एकरमैन ने बॉन, हीडलबर्ग और ड्रेस्डेन विश्वविद्यालयों से कला इतिहास और अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। वर्ष 1993 में उन्होंने कला इतिहास में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और उसी वर्ष जर्मन विदेश सेवा में शामिल हुए।

अपने कूटनीतिक करियर के दौरान एकरमैन ने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई। उन्होंने मोरक्को के रबात और न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में जर्मनी के स्थायी मिशन में भी सेवाएं दीं। वर्ष 2006-07 के दौरान उन्होंने अफगानिस्तान के कुंदुज में जर्मन प्रांतीय पुनर्निर्माण दल का नेतृत्व किया। इसके बाद 2007 से 2010 तक वह नई दिल्ली स्थित जर्मन दूतावास में राजनीतिक सलाहकार रहे। यह भारत में उनकी शुरुआती प्रमुख कूटनीतिक नियुक्तियों में से एक थी। बर्लिन में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 2002 से 2006 तक जर्मनी के पूर्व विदेश मंत्रियों जोश्का फिशर और फ्रैंक-वाल्टर स्टाइनमायर के कार्यालयों में भी कार्य किया।

## संक्षिप्त खबर

### विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भारत में कार्यकाल संपन्न करने वाले अल सल्वाडोर के राजदूत से की मुलाकात

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) पबित्रा मार्गेरिटा ने बुधवार को नई दिल्ली में अल सल्वाडोर के राजदूत गुइलेर्मो रुबियो फुनेस से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की। मुलाकात के बाद पबित्रा मार्गेरिटा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'भारत में अपना कार्यकाल पूरा कर रहे अल सल्वाडोर के राजदूत महामहिम गुइलेर्मो रुबियो फुनेस से मुलाकात की। उनके कार्यकाल के दौरान भारत-अल सल्वाडोर संबंधों को मजबूत करने में दिए गए बहुमूल्य योगदान की सराहना की।' दोनों देशों के संबंध काफी अच्छे रहे हैं। कई समारोह का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें भारत की सहभागिता अभूतपूर्व रही है। जून में ग्वाटेमाला में भारत के राजदूत और अल सल्वाडोर के लिए समवर्ती रूप से मान्यता प्राप्त राजदूत राज कुमार सिंह ने अल सल्वाडोर के राष्ट्रीय महल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया था। हर साल 21 जून को दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष योग दिवस का 12वां संस्करण 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम के साथ मनाया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए योग के महत्व पर जोर दिया गया। ग्वाटेमाला स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 'राज कुमार सिंह ने अल सल्वाडोर के राष्ट्रीय महल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 समारोह में भाग लिया।'

### स्पेन के कास्टेलॉन में फिर धधके जंगल, 10 हजार हेक्टेयर राख

विश्व केसरी

**मैड्रिड/पेरिस।** यूरोप में जारी भीषण गर्मी के बीच स्पेन और फ्रांस के जंगलों में लगी आग ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। स्पेन के कास्टेलॉन प्रांत के वैल डी'उक्सो इलाके में लगी जंगल की आग पर काबू नहीं पाया जा सका है; करीब 10,000 हेक्टेयर क्षेत्र इसकी चपेट में आ चुका है। वहीं, फ्रांस में भी बढ़ते तापमान को देखते हुए सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है, और प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने संकट की निगरानी के लिए अपनी छुट्टियां रद्द कर दी हैं। स्पेनिश मीडिया के अनुसार, वैल डी'उक्सो इलाके की आग करीब 10,000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैल चुकी है और लगभग 81 किलोमीटर के इलाके को प्रभावित कर चुकी है। आग के खतरे को देखते हुए करीब 10,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। स्पेन के सार्वजनिक प्रसारक आरटीवीई के अनुसार, वैल डी'उक्सो क्षेत्र में लगी आग अभी नियंत्रण से बाहर है और अग्निशमन दल इसे काबू करने में जुटे हुए हैं। मैड्रिड, एविला, टोलेडो, कास्टेलॉन और अल्मेरिया समेत कई क्षेत्रों में आग बुझाने के अभियान जारी हैं। अधिकारियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई गर्मी की लहर के बीच आग को दोबारा फैलने से रोकना है। सांचेज ने बुधवार को नवालकारनेरो स्थित एक कमांड पोस्ट का दौरा किया।

# जापान में भूकंप से तबाही : 13 की मौत, 170 से अधिक झटकों के बाद हाई अलर्ट

विश्व केसरी

**टोक्यो।** जापान के क्यूशू में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक 170 से अधिक आफ्टरशॉक (भूकंप के झटके) दर्ज किए गए। इस आपदा में अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई घायल हैं। भूकंप से पुल ढह गए, कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने लोगों को अगले एक सप्ताह तक सतर्क रहने की चेतावनी दी है। जापान के पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनएचके के अनुसार, एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि अगले दो से तीन दिन विशेष रूप से संवेदनशील हैं और इस दौरान जापान की भूकंपीय तीव्रता मापने वाली शिंदो स्केल पर अधिकतम 7 तीव्रता तक के और भूकंप आ सकते हैं। विशेषज्ञों ने राहत एवं बचाव कार्य में जुटे लोगों से भीषण गर्मी के बीच नियमित अंतराल पर आराम करने की अपील की है, ताकि हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचा जा सके। मंगलवार शाम 4:27 बजे कुमामोतो प्रांत में आए इस भूकंप की तीव्रता शिंदो स्केल पर 7 दर्ज की गई, जो इस पैमाने का सर्वोच्च स्तर है। इससे पहले इतनी तीव्रता का भूकंप 1 जनवरी 2024 को नोटो प्रायद्वीप में आया था।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने बताया कि अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें कुछ ऐसी मौतें भी शामिल हैं, जिन्हें भूकंप से जुड़ी परिस्थितियों का परिणाम माना जा रहा है। हालांकि, बुधवार सुबह 9:30 बजे तक कुमामोतो प्रांत के अधिकारियों ने तीन लोगों की मौत, पांच लोगों के कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट (हृदय और श्वसन क्रिया बंद होने की स्थिति) में होने तथा 31 लोगों के घायल होने की पुष्टि की थी। भूकंप के दौरान एईओएन मॉल कुमामोतो की दूसरी मंजिल ढह गई, जिसके बाद पूरी रात बचाव अभियान चलाया गया। बाद में मलबे से 20 वर्ष की आयु की दो महिलाओं के शव बरामद किए गए।

# पीओके के हालात बेकाबू, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 40 निर्दोषों की मौत

विश्व केसरी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने भारी बल का इस्तेमाल किया। उनकी कार्रवाई में 40 लोगों के मारे जाने और दर्जनों के घायल होने का दावा किया गया है।

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने बुधवार को रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 27 और 28 जुलाई के बीच रावलाकोट, मीरपुर और अन्य क्षेत्रों में करीब 40 नागरिकों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए और मनमाने ढंग से गिरफ्तार किए गए।

संगठन ने गहरी चिंता जताते हुए दावा किया कि 5 जून से अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, सैकड़ों घायल हुए और सैकड़ों लोगों को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर जबरन लापता किया गया है। यूकेपीएनपी ने पाकिस्तानी बलों की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा, 'शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ अत्यधिक या गैरकानूनी बल का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का गंभीर उल्लंघन है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपराध की श्रेणी में आ सकता है।' संगठन ने संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की। उसने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, घटनाओं की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराने और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की।

# भारत ने फिलिस्तीन के लिए मजबूत समर्थन पर जोर दिया

विश्व केसरी

**संयुक्त राष्ट्र।** संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने फिलिस्तीनी लोगों को भरोसा दिलाया है कि भारत उनके समर्थन में खड़ा रहेगा और दो-राष्ट्र (टू-स्टेट) समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा, ताकि एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीनी राष्ट्र की स्थापना हो सके।

मंगलवार को मध्य पूर्व पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस के दौरान पी. हरीश ने अरबी भाषा में कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट पर दुनिया का ध्यान और हमारा ध्यान गाजा पट्टी में गंभीर मानवीय संकट से नहीं भटकना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'आम लोगों की जान जाना और आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर का नष्ट होना ऐसी बड़ी चिंताएं हैं, जिन पर इंटरनेशनल कम्युनिटी को तुरंत, बहुत जल्दी और गंभीरता से काम करना चाहिए।' बताया जा रहा है कि सुरक्षा परिषद में किसी भारतीय राजनयिक द्वारा अरबी में संबोधन का यह पहला अवसर है। हरीश ने काहिरा स्थित अमेरिकन यूनिवर्सिटी से अरबी भाषा का अध्ययन किया है। जैसे ही उन्होंने अंग्रेजी के बजाय अरबी में बोलना शुरू किया, संयुक्त राष्ट्र के दुभाषियों ने उनके वक्तव्य का अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, रूसी और चीनी सहित अन्य आधिकारिक भाषाओं में अनुवाद किया। हरीश पहले गाजा में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय में तैनात रह चुके हैं। उन्होंने अरबी में आगे कहा, 'भारत उन प्रयासों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जो फिलिस्तीनी लोगों के दैनिक जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।' हरीश ने कहा कि भारत ने फिलिस्तीन को डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, मानवीय मदद, फिलिस्तीनी इंस्टिट्यूट ऑफ डिप्लोमेसी के कंस्ट्रक्शन और यूएनआरडब्ल्यूए में योगदान को कवर करते हुए लगभग 175 मिलियन डॉलर की मदद दी है। उन्होंने आगे कहा, 'इस महीने ब्रसेल्स में फिलिस्तीन डोनर ग्रुप की मीटिंग में, भारत ने फिलिस्तीन के लिए एक स्पेशलिटी हॉस्पिटल, एक आर्टिफिशियल लिंब फिटमेंट सेंटर और एक वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बनाने का वादा किया।' हरीश ने कहा, 'जब हम फिलिस्तीनी लोगों की मानवीय परेशानी को कम करने पर काम कर रहे हैं, तो हमें एक सस्टेनेबल और टिकाऊ राजनीतिक समाधान के लिए भी आगे बढ़ना चाहिए।'

# कुमामोटो में भूकंप से हुई तबाही पर पीएम मेलोनी ने जताया दुख, जापान को मदद का दिया भरोसा

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जापान के कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश्किल घड़ी में जापान के साथ इटली की एकजुटता और समर्थन का भरोसा दिलाया।

मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जापान के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप से जो तबाही हुई है, उससे प्रभावित सभी लोगों के बारे में मेरी सोच और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। राहत और बचाव के काम में दिन-रात जुटे सभी लोगों का भी आभार, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।'

मेलोनी ने कहा कि मेरी मित्र प्रधानमंत्री साने तकाइची और पूरे जापान देश के लिए इटली की सरकार की ओर से हमारी एकजुटता और पूरा समर्थन है।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। जापान की फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, स्थानीय दमकल विभाग से मिली जानकारी में बताया गया कि एयॉन मॉल कुमामोटो की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा गिर गया है और कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दमकलकर्मी स्थिति की जांच करने और बचाव अभियान चलाने में जुटे हुए थे। सिन्हुआ समाचार की जानकारी के अनुसार, एजेंसी ने बताया कि घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि घायलों की संख्या और उनकी हालत के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है।

पुलिस और दमकल अधिकारियों के अनुसार, उन्हें शाम करीब छह बजे स्थानीय समय पर कई आपातकालीन कॉल मिलीं। कॉल करने वालों ने बताया कि एयॉन मॉल कुमामोटो से विस्फोट जैसी आवाज आई और सफेद धुआं उठता दिखाई दिया।

# चीन की वाई-फाई रणनीति पर अमेरिका सतर्क, यूएस लॉ मेकर्स ने ट्रंप प्रशासन से मांगी विस्तृत योजना

विश्व केसरी

**वाशिंगटन।** चीन में होने वाले वैश्विक रेडियो सम्मेलन से पहले अमेरिका में चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी लॉ मेकर्स के एक द्विदलीय समूह ने ट्रंप प्रशासन से पूछा है कि वह इस अहम सम्मेलन के लिए क्या रणनीति बना रहा है।

लॉ मेकर्स का कहना है कि चीन इस मंच का इस्तेमाल वैश्विक स्पेक्ट्रम नियमों को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर सकता है, जिसका सीधा असर वाई-फाई, 6जी और अन्य नई संचार तकनीकों के भविष्य पर पड़ेगा। कुल 19 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने विदेश विभाग, वाणिज्य विभाग और फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) को एक संयुक्त पत्र भेजा है। इस पहल का नेतृत्व प्रतिनिधि एप्रिल मैक्लेन डिलेनी और जे. ओबरनोल्टे ने किया। पत्र में 2027 में शंघाई में होने वाले वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस की तैयारियों पर विस्तृत जानकारी मांगी गई है। लॉ मेकर्स का कहना है कि इस सम्मेलन में लिए जाने वाले फैसले 6जी नेटवर्क, सैटेलाइट सिस्टम और एडवांस वाई-फाई तकनीक के अंतरराष्ट्रीय नियम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए अमेरिका को एकजुट रणनीति के साथ सम्मेलन में जाना चाहिए और अपने सहयोगी देशों के साथ मजबूत तालमेल बनाना चाहिए। एप्रिल मैक्लेन डिलेनी ने कहा, 'जब चीन समेत अन्य देश वैश्विक स्पेक्ट्रम नीति को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, तब अमेरिका को पीछे नहीं, बल्कि नेतृत्व करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि संघीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोगी देशों के साथ करीबी साझेदारी अमेरिकी नवाचार, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और भविष्य की तकनीकों में नेतृत्व बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है।

# चीन के छांगशान द्वीपसमूह को मिला यूनेस्को विश्व विरासत का दर्जा

विश्व केसरी

**बीजिंग।** दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में चल रहे यूनेस्को विश्व विरासत समिति के 48वें सत्र में सोमवार को एक अहम फैसला लिया गया।

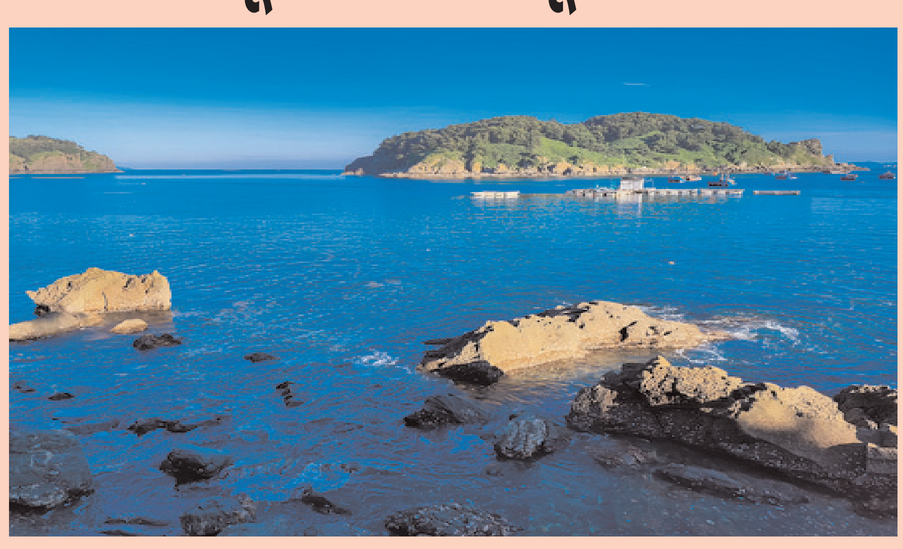

इस सत्र में चीन के पीले सागर और पोहाई सागर तट पर स्थित प्रवासी पक्षी अभयारण्यों की सीमा बढ़ाए जाने को मंजूरी दी गई, जिसके बाद छांगशान द्वीपसमूह को आधिकारिक तौर पर विश्व विरासत सूची में शामिल कर लिया गया। चीनी राष्ट्रीय वन एवं घासभूमि प्रशासन ने इस बात की पुष्टि की है।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में भी इस विरासत स्थल का विस्तार किया गया था, और अब यह उसी कड़ी में एक और महत्वपूर्ण विस्तार है। इससे प्रवासी पक्षी अभयारण्यों की पूरी श्रृंखला और भी मजबूत तथा एकीकृत हो गई है।

बात करें छांगशान द्वीपसमूह की, तो यह पूर्वोत्तर चीन के ल्याओनिंग प्रांत के तालेन शहर में स्थित है। यह द्वीपसमूह पूर्वी एशिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच फैले प्रवासी मार्ग पर मौजूद एकमात्र समुद्री रास्ता है। पोहाई सागर पार करने वाले करोड़ों प्रवासी पक्षियों के लिए यह जगह ऊर्जा हासिल करने का एक बेहद जरूरी ठिकाना है।

नए जोड़े गए इस विरासत क्षेत्र का कुल दायरा 4,900 हेक्टेयर से भी ज्यादा है। जैविक संसाधनों के लिहाज से यह इलाका बेहद समृद्ध माना जाता है, और यहां अब तक 140 से अधिक पक्षी प्रजातियां दर्ज की जा चुकी हैं।

# ई-20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर केजरीवाल का हमला, कहा- 30 करोड़ गाड़ियां होंगी प्रभावित

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई-20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि देश में 2023 से पहले निर्मित करीब 30 करोड़ वाहन ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ऑटोमोबाइल कंपनियों पर दबाव बना रही है ताकि वे सार्वजनिक रूप से ई-20 से जुड़े तकनीकी जोखिमों का खुलासा न करें।

केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने देश में पेट्रोल से चलने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन बनाने वाली 29 ऑटोमोबाइल कंपनियों को पत्र लिखकर पूछा था कि क्या 2023 से पहले बने उनके वाहनों में ई-20 पेट्रोल सुरक्षित है। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि यदि कंपनियां ई-20 को सुरक्षित बताती हैं और बाद में वाहन खराब होता है, तो क्या वे उपभोक्ताओं को हर्जाना देने के लिए तैयार होंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी कंपनी ने उन्हें लिखित जवाब नहीं दिया, लेकिन 9 कंपनियों के अधिकारियों से फोन पर बातचीत हुई। केजरीवाल का दावा है कि इन अधिकारियों ने निजी तौर पर स्वीकार किया कि 2023 से पहले बने वाहनों में ई-20 पेट्रोल के उपयोग से इंजन, फ्यूल सिस्टम और अन्य पुर्जों को नुकसान पहुंच सकता है तथा माइलेज में भी कमी आ सकती है। हालांकि, उन्होंने

आरोप लगाया कि कंपनियां सरकार के कथित दबाव के कारण यह बात सार्वजनिक रूप से लिखित में नहीं कह पा रही हैं।

केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कंपनियों को यह चेतावनी दी जा रही है कि यदि उन्होंने ई-20 पेट्रोल के संभावित नुकसान के बारे में सार्वजनिक रूप से जानकारी दी, तो उनके खिलाफ ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई जैसी एजेंसियों की कार्रवाई कराई जा सकती है या उनके संयंत्रों पर असर डाला जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसी आशंका के चलते कंपनियां किसी भी प्रकार की लिखित गारंटी देने से बच रही हैं। केजरीवाल ने कहा कि देश में लगभग 22 करोड़ दोपहिया और 8 करोड़ चारपहिया, यानी कुल करीब 30 करोड़ वाहन, वर्ष 2023 से पहले बने हैं। उनका आरोप है कि यदि इन वाहनों में ई-20 पेट्रोल का व्यापक इस्तेमाल अनिवार्य किया जाता है, तो बड़ी संख्या में वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने ई-20 पेट्रोल की उपयोगिता पर भी सवाल उठाए। इथेनॉल मिश्रित ईंधन की कैलोरिक वैल्यू सामान्य पेट्रोल की तुलना में कम होती है, जिससे वाहन का माइलेज घट सकता है।

उन्होंने दावा किया कि इससे विदेशी मुद्रा की बचत या किसानों को अपेक्षित लाभ भी नहीं मिलता। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इथेनॉल उत्पादन से पर्यावरण और भूजल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंकाएं भी जताई जाती रही हैं। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से मांग की कि ई-20 पेट्रोल को लेकर सभी तकनीकी तथ्यों और परीक्षण रिपोर्टों को सार्वजनिक किया जाए तथा उपभोक्ताओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ई-20 पूरी तरह सुरक्षित है तो ऑटोमोबाइल कंपनियां इसकी लिखित गारंटी देने से क्यों बच रही हैं।

# ईडी अफसरों पर हमले के आरोपी सीपीआई (एम) कार्यकर्ता जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे

विश्व केसरी

**कोच्चि।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर मई में हुए कथित हमले के आरोपी सीपीआई(एम) के सात कार्यकर्ताओं ने जमानत के लिए केरल हाईकोर्ट का रुख किया है। जमानत नहीं मिलने के कारण वे दो महीने से अधिक समय से जेल में बंद हैं। इस मामले को लेकर केंद्रीय एजेंसी के साथ एक हाई-प्रोफाइल कानूनी लड़ाई शुरू हो गई है क्योंकि ईडी उनकी रिहाई का विरोध कर रही है।

30 जुलाई और 4 अगस्त के बीच जिन जमानत याचिकाओं पर सुनवाई होनी है, वे सेशन कोर्ट द्वारा आरोपी की जमानत अर्जियां दो बार खारिज किए जाने के बाद दायर की गई हैं। ईडी ने इन जमानत याचिकाओं का विरोध करने के लिए असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल को नियुक्त करने का फैसला किया है। वहीं, आरोपियों ने भी वरिष्ठ आपराधिक वकीलों की एक मजबूत कानूनी टीम तैयार की है।

हाईकोर्ट का रुख करने वालों में पांचवें आरोपी श्रीजीत, सातवें आरोपी अनिल कुमार, शफीक, किरण और निषाद जीवन के अलावा दो अन्य आरोपी भी शामिल हैं। कुल मिलाकर, सीपीआई(एम) के 24 कार्यकर्ता 60 दिन से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में हैं। आरोपियों ने कहा कि उन्हें झूठे मामलों में फंसाया गया है। उनका दावा है कि उनमें से कई लोगों की पहचान सिर्फ मीडिया रिपोर्टों के आधार पर की गई है। उनका तर्क है कि हत्या की कोशिश का आरोप सही नहीं ठहरता क्योंकि न तो किसी हथियार का इस्तेमाल किया गया, न ही किसी को गंभीर चोट लगी। उन्होंने आइडेंटिफिकेशन परेड नहीं कराई गई और ईडी के ड्राइवर को केवल मामूली चोटें आई थीं।

## संक्षिप्त खबर

### रोहित पवार का दावा, गुजरात में नीट री-एग्जाम पेपर भी लीक हुआ था

विश्व केसरी

**मुंबई।** पेपर लीक के आरोपों को लेकर देशभर में जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) के विधायक रोहित पवार ने बुधवार को केंद्र सरकार और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं पर नए आरोप लगाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पवार ने दावा किया कि नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से तीन दिन पहले ही गुजरात में लीक हो गया था। हालात को चिंताजनक बताते हुए पवार ने जांच एजेंसियों से तुरंत स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने कई राज्यों में चल रहे कथित संगठित पेपर लीक रैकेट के आरोपों की निष्पक्ष और गहन जांच की भी मांग की हैं अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पवार ने कुछ दस्तावेज भी साझा किए, जिनमें एक ईमेल थ्रेड भी शामिल है। उन्होंने जांच एजेंसियों और केंद्रीय एजेंसियों से घटनाक्रम की समय-सीमा की जांच करने और कथित पेपर लीक के स्रोत का पता लगाने की अपील की। उन्होंने जांच एजेंसियों से अपील की कि वे राजनीतिक दबाव में आए बिना पेपर लीक नेटवर्क के मुख्य आरोपियों का खुलासा करें। उनके मुताबिक, पेपर लीक के बाद हुई नीट की दोबारा परीक्षा को लेकर नए आरोप सामने आए हैं। दावा किया जा रहा है कि दोबारा परीक्षा का प्रश्नपत्र भी परीक्षा से तीन दिन पहले गुजरात में लीक हो गया था। पवार ने कहा, 'यह परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तरह विफलता को दर्शाता है।

### बंगाल के नलहाटी से पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया

विश्व केसरी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को बताया कि रात भर चले ऑपरेशन के बाद बीरभूम जिले के नलहाटी से भारी मात्रा में तस्करी किए गए विस्फोटक बरामद किए गए, जिनमें अमोनियम नाइट्रेट और जिलेटिन स्टिक शामिल हैं। बीरभूम जिले के नलहाटी ब्लॉक में पत्थर की खदानों के लिए मशहूर लखनामारा गांव के एक घर में भारी मात्रा में विस्फोटक जमा होने की सूचना मिलने के बाद, मंगलवार रात पुलिस ने ऑपरेशन शुरू किया। उस घर से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए। वहां इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए और वे इस बात की जांच कर रहे थे कि क्या इस मामले के पीछे कोई संगठित गिरोह शामिल है। एक जांच अधिकारी ने कहा, 'हम यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या ये विस्फोटक स्थानीय पत्थर की खदानों में इस्तेमाल के लिए जमा किए गए थे या इसके पीछे कोई तोड़-फोड़ की योजना थी।' मंगलवार रात भर तलाशी अभियान चला और आखिरकार घर के पिछले हिस्से में एक छिपी हुई जगह से विस्फोटक बरामद किए गए। कुल मिलाकर 800 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट और 12,400 जिलेटिन स्टिक बरामद की गईं। इसके अलावा, 105 डेटोनेटर और 36 डेटोनेटिंग फ्यूज कॉइल भी बरामद किए गए।

# जौहर विश्वविद्यालय पहुंचे कांग्रेस के यूपी प्रभारी, आजम खां की पत्नी से मुलाकात से गरमाई सियासत

विश्व केसरी

रामपुर, 29 जुलाई (आईएएनएस)। मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश पर फिलहाल लगी रोक के बीच उत्तर प्रदेश की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के बुधवार को जौहर विश्वविद्यालय पहुंचने और बाद में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां की पत्नी एवं पूर्व सांसद तंजीन फातिमा से मुलाकात करने को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

इस दौरान उन्होंने योगी सरकार की कार्रवाई को शिक्षा विरोधी बताते हुए विश्वविद्यालय के समर्थन में कांग्रेस के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। राजेंद्र पाल गौतम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रामपुर पहुंचे। उन्होंने जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने के फैसले के विरोध में धरने पर बैठे छात्रों और शिक्षकों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि किसी शैक्षणिक संस्थान के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई शिक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। कांग्रेस पार्टी इस कार्रवाई का विरोध करती है और विश्वविद्यालय के संरक्षण के लिए हरसंभव संवैधानिक लड़ाई लड़ेगी। इसके बाद कांग्रेस प्रभारी ने रामपुर के वरिष्ठ नेताओं, जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की और फिर पूर्व सांसद तंजीन फातिमा से मुलाकात कर जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े पूरे घटनाक्रम पर चर्चा की। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं, क्योंकि विश्वविद्यालय का मुद्दा लंबे समय से प्रदेश की राजनीति का प्रमुख विषय बना हुआ है। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय महान स्वतंत्रता सेनानी, राष्ट्रवादी नेता, पत्रकार और शिक्षाविद मौलाना मोहम्मद अली जौहर के नाम पर स्थापित किया गया है। ऐसे संस्थान का संरक्षण केवल एक विश्वविद्यालय की रक्षा नहीं, बल्कि देश की शैक्षणिक और स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत के सम्मान का भी विषय है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार व्यक्तिगत राजनीतिक दुर्भावना के चलते कार्रवाई कर रही है। उनका कहना था कि यदि किसी संस्थान के साथ केवल इस वजह से कार्रवाई की जाती है कि उसका निर्माण किसी राजनीतिक व्यक्ति ने कराया था, तो यह संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

# भोजशाला मामला : मुस्लिम पक्ष की याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें धार भोजशाला स्थल के पास शुक्रवार की नमाज के लिए जमीन न दिए जाने का मुद्दा उठाया गया है। कोर्ट ने गुरुवार को भी मामले में सुनवाई का भरोसा दिया।

मुस्लिम पक्ष की तरफ से पेश वकील हुजैफा अहमदी की शिकायत पर बुधवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि मुस्लिम पक्ष को किसी वैकल्पिक जगह की जानकारी क्यों नहीं दी जा रही है। अदालत में राज्य सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए।

मुस्लिम पक्ष के वकील हुजैफा अहमदी ने कोर्ट में कहा, 'आपके (कोर्ट) आदेशों का पालन नहीं हो रहा है। वह जगह (नमाज के लिए) 1.3 किलोमीटर दूर है और कलेक्टर ने आदेश दिया है कि वही जगह अलॉट की जाएगी।' इसके बाद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दूसरी जगह का विकल्प दिया। इस पर भी मुस्लिम पक्ष ने इनकार किया। अहमदी ने कहा कि यह दूसरी जगह बहुत दूर है और एक ब्रुअरी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भोजशाला के पास एक दरगाह है और उसके सामने जमीन है। हमें वह जगह दी जा सकती है। वे किसी एक समुदाय के दबाव में नहीं आ सकते। इसके बाद, सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई का भरोसा दिया। मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में दर्ज अपनी याचिका में कहा है कि प्रशासन ने नमाज के लिए भोजशाला से दो किलोमीटर दूर जमीन तय की गई है, जो मंजूर नहीं है। इस वजह से उन्हें पिछले तीन शुक्रवार से नमाज नहीं पढ़ने पर मजबूर होना पड़ा है।

# पालिकाओं में नौकरी से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए मदन मित्रा ईडी दफ्तर पहुंचे

विश्व केसरी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में नगर पालिकाओं में नौकरी से जुड़े मामले में पूछताछ का सामना करने के लिए, कमरहाटी विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा बुधवार दोपहर साल्ट लेक स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर पहुंचे।

पिछले हफ्ते ईडी अधिकारियों ने इस मामले में मदन मित्रा के दो बेटों और उनकी पत्नी से भी पूछताछ की थी।

हाल ही में पश्चिम बंगाल की पूर्व ममता बनर्जी के करीबी रहे मित्रा तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट में शामिल हो गए थे। इस गुट का नेतृत्व पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी कर रहे हैं।

मित्रा दोपहर करीब 12:30 बजे साल्ट लेक स्थित सेंट्रल गवर्नमेंट ऑफिस (सीजीओ) कॉम्प्लेक्स में ईडी के पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे। ईडी कार्यालय में जाने से पहले, उन्होंने मीडिया से कहा कि उनका किसी भी तरह के वित्तीय भ्रष्टाचार से कोई लेना-देना नहीं है और वे जांच प्रक्रिया में सहयोग करने के अपने वादे को पूरा करने के लिए केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय आए हैं।

हालांकि, उन्होंने इस बारे में मीडिया के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या बागी गुट में शामिल होने का उनका फैसला ईडी के पूछताछ के नोटिस के कारण लिया गया था, जैसा कि ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का दावा है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय की जांच शाखा ईडी द्वारा जुटाई गई जानकारी के अनुसार, उत्तरी 24 परगना जिले की टीटागढ़ नगर पालिका में कथित तौर पर नकद या सोने के बदले कम से कम 125 लोगों को नौकरी मिली थी। इसी मामले में मदन मित्रा का नाम सामने आया था। 13 जून को ईडी अधिकारियों ने मित्रा के दो घरों पर छापेमारी और तलाशी ली। एक दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर में और दूसरा शहर के उत्तरी बाहरी इलाके कमारहाटी में था। जून में इलाके कमारहाटी में था। जून में कोलकाता और उसके आसपास सात अन्य जगहों पर भी एक साथ छापेमारी और तलाशी अभियान चलाए गए थे।

# एमपीएससी के पेपर लीक मामले पर सियासी संग्राम, हर्षवर्धन सपकाल के खिलाफ केस दर्ज

विश्व केसरी

**लातूर।** महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) के कथित पेपर लीक मामले पर सियासी संग्राम छिड़ गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट के बाद विवाद बढ़ गया। औसा विधायक अभिमन्यु पवार की शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है।

विधायक अभिमन्यु पवार का आरोप है कि पेपर लीक मामले से उनका कोई संबंध नहीं होने के बावजूद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन पर संदेह पैदा करने और उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश की गई। इसी शिकायत के आधार पर औसा पुलिस ने हर्षवर्धन सपकाल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले से प्रदेश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। मंगलवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा था, 'क्या एमपीएससी पेपर लीक केस के मास्टरमाइंड देवेंद्र फडणवीस हैं? सूत्रों का कहना है कि एमपीएससी (फूड एंड ड्रग इंस्पेक्टर रिक्रूटमेंट) पेपर लीक के तार अब पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफिस तक पहुंच गए हैं। खास तौर पर, चर्चा है कि इस मामले में शक मुख्यमंत्री के पूर्व पीए और अब भाजपा विधायक अभिमन्यु पवार की ओर जा रहा है।' हर्षवर्धन सपकाल ने 'एक्स' पर किए पोस्ट में आगे लिखा था, 'फडणवीस के मुख्यमंत्री रहने के दौरान, 2017-18 के मेगा रिक्रूटमेंट पोर्टल स्कैम के साथ-साथ तलाठी रिक्रूटमेंट - 2023; एमएचएडीए; पुलिस रिक्रूटमेंट; फॉरेस्ट डिपार्टमेंट रिक्रूटमेंट; सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशन डिपार्टमेंट रिक्रूटमेंट और उनके नेतृत्व में हुए मौजूदा फूड एंड ड्रग इंस्पेक्टर रिक्रूटमेंट स्कैम केस की निष्पक्ष जांच की तुरंत जरूरत है। कांग्रेस पार्टी तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक राज्य में लाखों छात्रों और उनके परिवारों के सपनों को राख में मिलाने वालों और उनके भविष्य के साथ क्रूर खेल खेलने वालों का पर्दाफाश नहीं हो जाता।' सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट में हर्षवर्धन सपकाल ने लिखा था, 'भाजपा सरकार ने शिक्षा क्षेत्र का व्यवसायीकरण किया, औद्योगिक क्षेत्र को बर्बाद किया और युवाओं के सपनों को राख में मिला दिया।' उन्होंने लिखा था, 'भाजपा सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक का ग्रहण लग गया है।'

# दिल्ली हाईकोर्ट का पुलिस को निर्देश, 'छात्रों पर कार्रवाई से जुड़ी शिकायत केस डायरी में करें दर्ज'

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाईकोर्ट ने संसद मार्ग थाना के एसएचओ को निर्देश दिया है कि छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिकाकर्ताओं की शिकायत को बुधवार शाम 5 बजे तक केस डायरी में दर्ज किया जाए।

याचिकाकर्ताओं ने अपनी शिकायत में दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त संदीप लांबा समेत अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। याचिकाकर्ताओं ने कहा, 'उन्होंने 23 जुलाई को संसद मार्ग थाने में शिकायत दी थी, लेकिन अब तक पुलिस ने शिकायत का डायरी नंबर और रसीद उपलब्ध नहीं कराई।' सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि तकनीकी दिक्कतों की वजह से उस दिन शिकायत का डायरी नंबर और रसीद जारी नहीं की जा सकी। पुलिस ने अदालत को भरोसा दिया कि याचिकाकर्ताओं को बुधवार को ही शिकायत का डायरी नंबर और रसीद उपलब्ध करा दी जाएगी। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान आपत्तिजनक पोस्ट और अभद्र भाषा को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स पर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने ऐसे 'एक्स' यूजर को नोटिस जारी किए।

# गुरु पूर्णिमा पर वाराणसी में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

विश्व केसरी

**वाराणसी।** गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वाराणसी के पातालपुरी मठ में गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। यहां 100 से ज्यादा मुस्लिम श्रद्धालुओं ने जगतगुरु बालक दास महाराज से गुरु दीक्षा ली और गुरु पूजा की। श्रद्धालुओं ने कहा कि गुरु ज्ञान और मार्गदर्शन का प्रतीक होते हैं।

इस दौरान आईएएनएस से बात करते हुए जगतगुरु बालक देवाचार्य जी ने कहा, 'साल भर में यह पर्व शिष्यों के लिए आता है। जो शिष्य पूरे वर्ष अपने गुरु की पूजा नहीं कर पाते और किसी कारणवश दूर रहते हैं, वे आज के दिन आकर गुरु पूजन करते हैं और अपनी श्रद्धा गुरु के चरणों में अर्पित करते हैं।'

उन्होंने कहा, 'यह जगतगुरु रामानंद जी महाराज की परंपरा की पीठ है, जिसकी स्थापना जगतगुरु नरहर्यानंद जी महाराज ने की थी। यह आचार्य श्री की ऐसी पीठ है, जिसने सभी को अपनाया है। यहां हर धर्म और वर्ग के लोग आते हैं और श्रद्धा भाव से गुरु की पूजा करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाने वाले गुरु होते हैं। सभी को ज्ञान की आवश्यकता होती है। इसलिए यहां हर धर्म और समुदाय के लोग आते हैं। मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग भी गुरु मंत्र लेते हैं, हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं और आरती में शामिल होते हैं। यह कोई नई परंपरा नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति में सदियों से चली आ रही समरसता की भावना है।' उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा, 'शांतिपूर्ण तरीके से जीवन व्यतीत करें और भगवान राम के दिखाए मार्ग पर चलने का प्रयास करें। भारतीय सनातन संस्कृति को अपने जीवन में अपनाएं, अहंकार और द्वेष से दूर रहें और सभी को प्रेम से गले लगाने का प्रयास करें। गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति बनाए रखें।'

गुरु पूजा के लिए आए अफरोज अहमद ने कहा, 'हम हर साल जगतगुरु महाराज के यहां आते हैं और उनकी आरती व पूजन करते हैं। बिना गुरु के किसी भी व्यक्ति को ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। जीवन में आगे बढ़ने के लिए हर इंसान को एक अच्छे गुरु की आवश्यकता होती है, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या मजहब से जुड़ा हो।' उन्होंने कहा, 'आज हम महंत बालक दास जी के यहां गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आए हैं। हमारे गुरु डॉ. राजीव श्रीगुरुजी हैं, जो विशाल भारत संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।'

# एयर इंडिया प्लेन के फ्लूज कंट्रोल स्विच में कोई खराबी नहीं मिली, थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की जांच जारी : केंद्र

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि पिछले वर्ष 12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हादसे का शिकार हुए एयर इंडिया के विमान बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल कंट्रोल स्विच सिस्टम में कोई खराबी नहीं पाई गई है। सरकार ने संसद को बताया कि ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (ओईएम) ने फ्यूल कंट्रोल स्विच की एडवांस्ड टेस्टिंग की है और सिएटल में पूरे थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की अहम जांच की जा रही है।

राज्यसभा में सवालों का जवाब देते हुए, नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि ये टेस्ट नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आदेश पर किए जा रहे हैं।

ये टेस्ट उड़ान भरने की योग्यता की लगातार हो रही जांच का हिस्सा हैं, जो इस साल फरवरी में इस तरह के विमानों को ग्राउंड किए जाने के बाद शुरू हुई थी। उन्होंने कहा, फ्यूल कंट्रोल स्विच की विस्तृत जांच, जिसमें उसके लॉकिंग डिटेंट्स की संरचनात्मक मजबूती का भी परीक्षण शामिल था, में कोई असामान्यता नहीं पाई गई।

मोहोल ने जांच के निष्कर्षों का हवाला देते हुए बताया, 'ओईएम के प्लांट पर पूरे थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की जांच जारी है।'

अब तक की जांच में फ्यूल कंट्रोल स्विच में किसी भी प्रकार की खराबी नहीं मिली है, लेकिन पूरे थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की जांच अभी जारी है और जांचकर्ता इसके अंतिम निष्कर्ष का इंतजार कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने संसद को यह भी बताया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की अंतिम रिपोर्ट में कोई देरी नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि बड़ी विमान दुर्घटनाओं की जांच एक निरंतर विकसित होने वाली प्रक्रिया है और एआई-171 विमान हादसे की जांच अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

सरकार ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया कि एएआईबी ने दुर्घटना पर अपनी अंतिम रिपोर्ट जारी करने में देरी की है। सरकार का कहना है कि बड़ी विमान दुर्घटनाओं की जांच किसी तय समय-सीमा का पालन नहीं करती और यह स्थापित जांच प्रक्रियाओं के अनुरूप आगे बढ़ती है।

केंद्रीय मंत्री ने सदन में कहा, 'दुर्घटना के सभी संभावित कारणों और उसमें योगदान देने वाले सभी कारकों की जांच की जा रही है।

सरकार ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद सभी निष्कर्षों वाली अंतिम जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी और उसे एएआईबी की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा।

# भारत ने पहली तिमाही में लगभग 10 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्मार्टफोन का किया निर्यात

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही के दौरान देश का स्मार्टफोन निर्यात लगभग 10 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सबसे बड़ा योगदान एप्पल आईफोन की शिपमेंट का रहा।

अप्रैल-जून अवधि के दौरान मूल्य के आधार पर स्मार्टफोन निर्यात 23.4 प्रतिशत बढ़कर 9.84 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.97 अरब डॉलर था।

इस दौरान भारत से निर्यात होने वाले स्मार्टफोन के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार बना रहा, जहां भारत में निर्मित डिवाइसों की मजबूत मांग देखने को मिली।

स्मार्टफोन निर्यात के शानदार प्रदर्शन का असर देश के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पर भी पड़ा। अप्रैल-जून अवधि में कुल 15.2 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के निर्यात में अकेले स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 64.8 प्रतिशत रही।

भारत की निर्यात बास्केट में स्मार्टफोन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में 'मेड इन इंडिया' स्मार्टफोन की शिपमेंट में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निर्यात में 28 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। देश में निर्मित कुल स्मार्टफोन में से लगभग एक-तिहाई स्मार्टफोन निर्यात किए गए।

इस वृद्धि में एप्पल के मैन्युफैक्चरिंग साझेदार सबसे बड़े योगदानकर्ता रहे। फॉक्सकॉन होन हाई का निर्यात 2025 में आईफोन की मजबूत शिपमेंट के चलते सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, सैमसंग ने भी अपने निर्यात योगदान में बढ़ोतरी करते हुए 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

इस साल की शुरुआत में भारत से आईफोन का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जिससे एप्पल सभी उत्पाद श्रेणियों में देश का सबसे बड़ा एकल ब्रांडेड निर्यातक बन गया।

पूरे वित्त वर्ष के दौरान भारत से कुल स्मार्टफोन निर्यात लगभग 2.6 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत से अधिक (करीब 22 अरब डॉलर) रही।

# मधुमेह, कब्ज और तनाव में लाभकारी 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन', जाने इसके लाभ

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** शरीर, मन और आत्मा के संतुलित विकास के लिए योग संस्कृति में अनेकों आसनों का वर्णन मिलता है। 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' उन्हीं प्रमुख आसनों में से एक है। यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पाचन तंत्र को सुदृढ़ करने तथा शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में सहायक माना जाता है।

यह आसन हठ योग की प्राचीन परंपरा का अंग है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसे लेकर सटीक जानकारी दी है, जिसके अनुसार 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' का नियमित अभ्यास करने से एड्रिनल ग्रंथि की स्थिति में सुधार होता है। साथ ही, यह कब्ज, दमा और पाचन संबंधी समस्याओं से निजात भी दिलाता है। मधुमेह रोगियों के लिए भी यह एक अच्छा विकल्प है। साथ ही यह आसन पेनक्रियाज को एक्टिव करता है।

यह मांसपेशियों को लचीला बनाता है और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करता है और शरीर को डिटॉक्स करता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट बिछा लें। इसके बाद दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं और रीढ़ को सीधा रखते हुए अपने दाएं पैर के घुटने को मोड़ते हुए बाहर की ओर निकालें। इसके बाद बाएं पैर का तल जमीन पर पूरी तरह टिका होना चाहिए। सिर को दाईं ओर घुमाएं और कंधे की दिशा में देखें।

इस दौरान सामान्य गहरी सांस लेनी चाहिए। इसको लगभग 30 सेकंड तक करने के बाद सामान्य स्थिति में ले आएं, लेकिन इस बात का ध्यान रहे कि इसे करने के दौरान ध्यान रीढ़ की हड्डी और सांस पर केंद्रित करना चाहिए। शुरुआती अभ्यास में बहुत अधिक जोर न लगाएं और अभ्यास की अवधि धीरे-धीरे बढ़ाएं।

यह आसन करने से पहले योग विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि सही तरीके से आसन करने की सलाह मिल सके। योग का अहम सूत्र है कि इसे दोपहर में न करें। आसन सूर्योदय या सूर्यास्त के समय करें। गर्मी जब सिर पर हो यानी चरम हो तो दोपहर के सत्र से बचें और एक अहम बात, कुशल योग प्रशिक्षक से सलाह जरूर लें।

# 50 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों में नींद की समस्या आम, काम का तनाव बना बड़ी वजह

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** 50 साल से अधिक उम्र के कर्मचारियों में नींद से जुड़ी परेशानियां उम्मीद से कहीं ज्यादा आम हैं। एक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि काम से जुड़ा तनाव, असंतुलित जीवनशैली और नौकरी से जुड़ी परेशानियां न सिर्फ नींद को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि लोगों की मानसिक और शारीरिक सेहत पर भी असर डाल रही हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि करीब 70 प्रतिशत प्रतिभागियों को लगातार ऐसी नींद की समस्या थी, जो चिकित्सकीय रूप से गंभीर मानी जा सकती है। खास बात यह है कि इनमें से किसी भी व्यक्ति का पहले से कोई ज्ञात स्लीप डिसऑर्डर का इतिहास नहीं था। वहीं, करीब 92 प्रतिशत लोगों में अध्ययन के दौरान कम से कम एक बार नींद संबंधी समस्या के मानक पूरे पाए गए।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इन समस्याओं का संबंध केवल उम्र बढ़ने से नहीं है, बल्कि काम के दबाव और तनाव का भी इसमें बड़ा योगदान है। जिन लोगों ने बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस और नौकरी से संतुष्टि की बात कही, उनमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर पाया गया। वहीं, जो लोग काम के दौरान तनाव, चिड़चिड़ापन या उदासी महसूस करते थे, उनमें स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां ज्यादा देखने को मिलीं।

इस अध्ययन में 50 से 66 वर्ष की उम्र के 45 कर्मचारियों को शामिल किया गया। ये लोग अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे थे। शोधकर्ताओं ने करीब एक साल तक इन लोगों की निगरानी की। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों से स्वास्थ्य, काम और जीवनशैली से जुड़े सवाल पूछे। इसके अलावा स्मार्टवॉच और अन्य पहनने वाले सेंसर के जरिए उनकी नींद का भी रिकॉर्ड तैयार किया गया।

अध्ययन में सामने आया कि ज्यादातर लोग रात में 6.5 से 8 घंटे तक सो रहे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सुबह उठने के बाद पूरी तरह आराम महसूस नहीं होता था। इसकी वजह कम सोना नहीं, बल्कि रात में बार-बार नींद टूटना और नींद की गुणवत्ता खराब होना थी।

शोधकर्ताओं ने बताया कि कई लोग अपनी खराब नींद का कारण पर्याप्त समय न मिलना मानते हैं, लेकिन स्मार्टवॉच से मिले आंकड़ों ने दिखाया कि असली समस्या बार-बार नींद में खलल पड़ना थी। करीब 90 प्रतिशत प्रतिभागियों में अध्ययन के दौरान नींद में रुकावट देखी गई।

शोध में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह पता लगाने की कोशिश की गई कि कौन से कारण नींद और स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। इसमें काम से जुड़े अनुभव सबसे महत्वपूर्ण कारणों में सामने आए। इससे संकेत मिलता है कि नौकरी का तनाव नींद और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला बड़ा कारक हो सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल की डॉ. बेलिंडा स्टेफन ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ होने वाले बदलावों के अलावा आर्थिक चिंता, परिवार की जिम्मेदारियां और काम का तनाव भी नींद को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नींद को अब कार्यस्थल की सेहत और कर्मचारियों के कल्याण से जोड़कर देखने की जरूरत है।

# सावन में मनाए जाने वाले पर्वों का आधार सिर्फ आस्था नहीं बल्कि विज्ञान भी; जानिए इसके वैज्ञानिक महत्व

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारत में सावन का महीना केवल पूजा-पाठ और धार्मिक आस्था का समय नहीं है बल्कि इसके हर पर्व और परंपरा के पीछे स्वास्थ्य, पर्यावरण, मनोविज्ञान और सामाजिक जीवन से जुड़ा गहरा वैज्ञानिक आधार भी छिपा हुआ है। सावन के सभी सोमवार, नाग पंचमी, हरियाली तीज और रक्षाबंधन जैसे प्रमुख पर्व न केवल आध्यात्मिक महत्व रखते हैं बल्कि मानव जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखने का संदेश भी देते हैं।

सावन के सोमवार का व्रत भगवान शिव की आराधना के लिए रखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो वर्षा ऋतु में सूर्य का प्रकाश कम मिलने के कारण शरीर की पाचन शक्ति (मेटाबॉलिज्म) कमजोर हो जाती है। ऐसे में उपवास रखने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और शरीर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स होने का अवसर मिलता है। डर्मेटोलॉजिस्ट की रिपोर्टों की बात करें तो शरीर जितना डिटॉक्स होता है, त्वचा में उतना ही निखार आती है।

बता दें कि मेटाबॉलिज्म शरीर के अंदर होने वाली वह रासायनिक प्रक्रिया है, जो खाए गए भोजन और पानी को ऊर्जा में बदलती है। यह प्रक्रिया सांस लेने, खाना पचाने, खून का बहाव रखने और नई कोशिकाएं बनाने जैसे सभी जरूरी काम करने के लिए शरीर को शक्ति देती है।

आयुर्वेद भी इस मौसम में विशेष खानपान की सलाह देता है। सावन में हरी पत्तेदार सब्जियां, प्याज, लहसुन और मांसाहारी भोजन से परहेज करने की परंपरा है। इसका कारण यह माना जाता है कि बारिश और नमी के कारण इन खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया और कीड़े जल्दी पनप सकते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसी तरह भगवान शिव के शिवलिंग पर जल या गंगाजल चढ़ाने और औषधीय गुणों से भरपूर बेलपत्र अर्पित करने की परंपरा भी स्वास्थ्य से जुड़ी मानी जाती है। माना जाता है कि बेलपत्र के औषधीय गुण मानसून में होने वाले संक्रमण और पेट संबंधी समस्याओं से राहत देने में सहायक होते हैं। इस मौसम में घास-फूस खाने वाले पशु कई बार अनजाने में ऐसे कीड़े-मकोड़े खा लेते हैं, जिससे उनका दूध स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है और आयुर्वेद के अनुसार सावन में सीधे दूध का सेवन टालने की सलाह दी जाती थी और इसी कारण अतिरिक्त दूध को स्वास्थ्य हित में उपभोग करने के बजाय भगवान शिव को अर्पित करने की परंपरा बनाई गई।

सावन में मनाई जाने वाली नाग पंचमी केवल सांपों की पूजा का पर्व नहीं है बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देती है। वैज्ञानिक दृष्टि से वर्षा ऋतु में बारिश के कारण सांप अपने बिलों से बाहर निकल आते हैं। इसी समय खेतों में चूहों और कीट-पतंगों की संख्या भी बढ़ जाती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। सांप इन जीवों को नियंत्रित कर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। इसलिए नाग पूजा का मूल संदेश प्रकृति के हर जीव के महत्व को समझना और उनके साथ सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना है।

# बरसात के मौसम में हल्का भोजन करना फायदेमंद, तला-भुना, मसालेदार खाने से बचें

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** आयुर्वेद में ऋतु का विशेष महत्व बताया गया है। छह ऋतुओं के दौरान शरीर में वात, पित्त और कफ दोष, पाचन अग्नि तथा शारीरिक बल में परिवर्तन होते हैं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए मौसम के अनुसार आहार में बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, वर्षा ऋतु में पाचन अग्नि स्वाभाविक रूप से कमजोर हो जाती है। इससे भोजन का पाचन धीमा पड़ सकता है और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में ताजा, हल्का और गर्म भोजन करना सबसे उपयुक्त माना जाता है।

बरसात के मौसम में अधिक आर्द्रता, ठंडी हवाओं और बादलों के कारण पाचन शक्ति प्रभावित होती है। गर्मी के मौसम में शरीर में इकट्ठा हुआ पित्त भी इस दौरान असंतुलित हो सकता है। ऐसे में तला-भुना, तैलीय और अधिक मसालेदार भोजन पचाने में कठिनाई होती है, जिससे अपच, गैस, पेट फूलना (ब्लोटिंग), एसिडिटी, पेट दर्द और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके विपरीत, हल्का भोजन आसानी से पच जाता है और पेट पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालता।

हल्का भोजन शरीर को आवश्यक पोषण देने के साथ-साथ सुस्ती और भारीपन से भी बचाता है। मौसम में बदलाव के दौरान या रात के समय हल्का भोजन करने से नींद बेहतर आती है और वजन नियंत्रित रखने में भी मदद मिलती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार भी कमजोर पाचन की स्थिति में हल्का भोजन मेटाबॉलिज्म के लिए भी बेहतर होता है।

# तनावमुक्त जीवन और बेहतर एकाग्रता के लिए करें उत्थित पार्श्वकोणासन योगासन

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** आज की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक संतुलन और आंतरिक ऊर्जा को बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसी स्थिति में उत्थित पार्श्वकोणासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को ताजगी प्रदान करता है।

उत्थित का अर्थ है, खिंचाव, पार्श्व का अर्थ बगल और कोण का अर्थ एंगल हैं। यह एक ऐसा आसन है जिसमें शरीर के पार्श्व (साइड) भाग में एक संपूर्ण और सुंदर पार्श्व-कोण बनता है। यह न केवल हमारी शारीरिक शक्ति और लचीलेपन को बढ़ाता है, बल्कि मन में स्थिरता और एकाग्रता भी लाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्थित पार्श्वकोणासन (विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा) खड़े होकर किए जाने वाले योगासनों में से एक सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक आसन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही, यह छाती के विकास और साइटिका के दर्द में राहत दिलाता है। हालांकि, अगर कोई व्यक्ति साइटिका से ज्यादा परेशान है, तो वे सबसे पहले डॉक्टर से सलाह करें।

इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा। इसी प्रक्रिया को दूसरी तरफ (बाएं पैर को मोड़कर) दोहराएं।

# सीडब्ल्यूजी में देश को दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड, मीराबाई चानू अब एशियन गेम्स की तैयारी में जुटीं

एजेंसी ■

**ग्लासगो ।** कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को खिताब जिताने के कुछ ही घंटों बाद मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स 2026 के लिए तैयारी शुरू कर दी है। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच एशियन गेम्स का आयोजन होगा।

31 वर्षीय भारतीय वेटलिफ्टर को ग्लासगो में ट्रेनिंग करते देखा गया, जहां उन्होंने इस बड़े महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर दी है। कॉमनवेल्थ गेम्स का खिताब जीतने के बाद, मीराबाई ने बिना समय बर्बाद किए अपना ध्यान उस एकमात्र बड़े मल्टी-स्पोर्ट्स खिताब पर लगाया है जो अब तक उनसे दूर रहा है।

मणिपुर में जन्मीं चानू ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग का खिताब जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक लगाई। चानू ने साल 2014 में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था, जिसके बाद साल 2018 और 2022 में देश के लिए गोल्ड मेडल जीते।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मीराबाई चानू ने 82 किग्रा 'स्नैच' की अपनी पहली कोशिश में नाकाम रहने के बावजूद, शानदार वापसी करते हुए दूसरे प्रयास में वजन उठाया। इसके बाद, उन्होंने वजन बढ़ाकर 85 किग्रा किया और स्नैच में नया कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बनाया। 'क्लीन एंड जर्क' में भी उन्हें एक मुश्किल का सामना करना पड़ा जब उनकी पहली कोशिश नाकाम रही, लेकिन उन्होंने दूसरी कोशिश में 105 किग्रा वजन उठाकर प्रतियोगिता खत्म होने से पहले ही गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। भले ही मीराबाई चानू कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं, लेकिन एशियन गेम्स में अभी भी लक्ष्य अधूरा है। हांग्जो में एशियन गेम्स 2022 में, मीराबाई महिलाओं के 49 किग्रा इवेंट में चौथे स्थान पर रही थीं। चानू ने कुल 191 किग्रा वजन उठाया था, जिसमें स्नैच में 83 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 108 किग्रा शामिल था।

# हॉकी इंडिया ने किया एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष टीम का ऐलान, हरमनप्रीत के हाथों में कमान

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। स्टार डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन टीम की कप्तानी करेंगे।

भारत के सबसे अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों में शामिल और देश के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले मिडफील्डर मनप्रीत सिंह को टीम में अनुभव और संतुलन देने के लिए शामिल किया गया है। टीम में अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण है। भारतीय टीम की नजर 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में जीते गए स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव करने पर होगी।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी मोहित एचएस और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस यूनिट में जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं।भारत की मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलाकांता शर्मा और विवेक सागर प्रसाद होंगे, जबकि फॉरवर्ड लाइन में दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक शामिल हैं।

भारत को पूल ए में मेजबान जापान, कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट का विजेता लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा। टीम की घोषणा करते हुए मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टूर्नामेंट और टीम के लक्ष्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'एशियाई खेलों के लिए चुनी गई भारतीय टीम बहुत अनुभवी है। हम जापान में खेलने की चुनौती के लिए तैयार हैं, जहां विजेता लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करेगा और एक टीम और एक देश के तौर पर यही हमारा मुख्य लक्ष्य है।'

कप्तान हरमनप्रीत ने टीम की मजबूती पर भरोसा जताया और अपने साथियों से अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए खुलकर खेलने को कहा। उन्होंने कहा, 'चाहे युवा खिलाड़ी हों या सीनियर खिलाड़ी, मुझे सभी खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है कि वे मिले मौकों का सही इस्तेमाल करेंगे। मुख्य लक्ष्य दबाव न लेना, खेल का आनंद लेना और अपनी जिम्मेदारियों को समझना है।'

छह-छह टीमों के दो पूल में बंटी 12 टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। सभी मैच काकामिगहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद पूल ए के बाकी मैचों में उसका सामना श्रीलंका (22 सितंबर), कोरिया (24 सितंबर), मेजबान जापान (26 सितंबर) और बांग्लादेश (28 सितंबर) से होगा।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड:

गोलकीपर: मोहित एचएस, सूरज करकेरा

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच

मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलाकांता शर्मा, विवेक सागर प्रसाद फॉरवर्ड: दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक।

# सीडब्ल्यूजी 2026: गृह मंत्री अमित शाह ने सिल्वर मेडल जीतने पर दी गुलवीर-हरजिंदर को बधाई

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में सिल्वर मेडल जीतने पर गुलवीर सिंह और हरजिंदर कौर को बधाई दी है। गृह मंत्री ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में इतिहास रचने के लिए गुलवीर की तारीफ की। इसके साथ ही देश के लिए वेटलिफ्टिंग में एक और मेडल जीतने पर हरजिंदर के प्रदर्शन को भी सराहा।

गुलवीर की ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स में 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतकर भारत के लिए पहला मेडल हासिल करने का शानदार रिकॉर्ड बनाने के लिए गुलवीर सिंह को बधाई।

आपकी यह उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को देश के लिए और सम्मान जीतने के लिए प्रेरित करेगी। आपके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।'

गुलवीर ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। ग्लासगो में बारिश के बीच, नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुलवीर लीडिंग ग्रुप के साथ बने रहे और आखिरी लैप में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए रेस को 27:49.78 सेकंड में पूरा किया।

इस नतीजे ने गुलवीर की उपलब्धियों की बढ़ती सूची में एक और बड़ी कामयाबी जोड़ दी है। उनकी उपलब्धियों में पहले से ही एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल और एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो गोल्ड मेडल शामिल हैं, जिससे भारत के बेहतरीन लॉन्ग-डिस्टेंस रनर्स में से एक के तौर पर उनकी पहचान और मजबूत हुई है।

अमित शाह ने वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर की भी तारीफ की, जिन्होंने महिलाओं के 69 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता और कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सबसे सफल खेलों में से एक में देश के शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाया। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा, 'वेटलिफ्टिंग में भारत का मेडल जीतने का सिलसिला जारी है। बहुत बढ़िया, हरजिंदर कौर।

# एफआईएच वर्ल्ड कप के लिए यूरोप रवाना हुई भारतीय महिला हॉकी टीम

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार को यूरोप के लिए रवाना हो गई। यह एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप (बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026) की तैयारियों का आखिरी चरण है। विश्व कप का आगाज अगले महीने होना है; उससे पहले भारतीय टीम जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी।

भारतीय टीम बेंगलुरु से मुंबई गई और फिर वहां से फ्रैंकफर्ट के लिए उड़ान भरी। फ्रैंकफर्ट में टीम ट्रेनिंग करेगी और 31 जुलाई व 1 अगस्त को मेजबान टीम के खिलाफ लगातार दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। उम्मीद है कि इन मैचों से टीम को यूरोप के माहौल में ढलने और वर्ल्ड कप से पहले अपने कॉम्बिनेशन को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

जर्मनी में ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद, भारतीय टीम 2 अगस्त को एम्स्टर्डम जाएगी ताकि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले अपनी तैयारी पूरी कर सके। भारत को पूल डी में रखा गया है और वह 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद टीम ग्रुप स्टेज के अगले दो मैचों में साउथ अफ्रीका और फिर इंग्लैंड का सामना करेगी और नॉकआउट स्टेज में जगह बनाने का प्रयास करेगी। कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि एक अच्छे ट्रेनिंग सेशन के बाद टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे उसी लय को वर्ल्ड कप में भी बनाए रखना चाहती हैं।

सलीमा ने कहा, 'पूरी टीम आने वाली चुनौती के लिए तैयार है। हमारी ट्रेनिंग अच्छी रही है और अब मकसद इसी लय को प्रैक्टिस मैचों और फिर वर्ल्ड कप में भी बनाए रखना है। शुरुआती मैच में चीन का सामना करना एक अहम परीक्षा होगी और हम टूर्नामेंट की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं। एक टीम के तौर पर हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय टीम महीनों की तैयारी के बाद इस बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा लेने जा रही है। जर्मनी में ट्रेनिंग के इस दौर को टीम बेल्जियम और नीदरलैंड्स में दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों का सामना करने से पहले अपने खेल को और बेहतर बनाने के एक अहम मौके के तौर पर देख रही है। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप का आगाज 15 अगस्त से होना है और टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 30 अगस्त को खेला जाना है। सलीमा टेटे की कप्तानी में भारतीय टीम वैश्विक मंच पर इस बार अपनी छाप जरूर छोड़ना चाहेगी।

# सीडब्ल्यूजी 2026: 34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं।

इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं। मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है।

# टेस्ट जीत के बाद गैरी सोबर्स के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी

विश्व केसरी ■

**सेंट जॉन्स (एंटीगा) ।** वेस्टइंडीज टेस्ट टीम के बारबाडोस के खिलाड़ी दिवंगत महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए स्वदेश लौटेंगे। यह राजकीय अंतिम संस्कार बुधवार को केंसिंग्टन ओवल में आयोजित किया जाएगा।

बारबाडोस सरकार के सहयोग से, यह टीम तारोबा में ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में पाकिस्तान पर 90 रन की शानदार जीत दर्ज करने के कुछ ही घंटों बाद ब्रिजटाउन लौट रही है। सोबर्स के अंतिम संस्कार में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज और सीमित ओवरों के कप्तान शाई होप शामिल होंगे।

चेस और होप के अलावा, उप-कप्तान जोमेल वारिकन, जस्टिन ग्रीव्स, केमार रोच, जोशुआ बिशप और सहायक कोच फ्लॉयड रीफर भी इसमें शामिल होंगे। उनके साथ क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जिसका नेतृत्व अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो और सीईओ क्रिस डेहरिंग करेंगे।

डॉ. शैलो ने एक बयान में कहा, 'हमारे बारबाडोस के प्रतिनिधियों के लिए 'द राइट एक्सीलेंट सर गारफील्ड सोबर्स' के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का मौका वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए बहुत मायने रखता है। जिस दिन क्रिकेट की दुनिया उनके असाधारण जीवन का जश्न मना रही थी, उसी दिन टीम ने उनके शानदार करियर और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले साहस और कौशल को दर्शाते हुए उनके यादगार योगदान का सम्मान किया।

शैलो ने कहा, 'हम प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली और उनकी सरकार के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने इसे संभव बनाया। हम एक सच्चे आइकन की यादों को संजोने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, जिनका नाम हमेशा वेस्टइंडीज क्रिकेट की महानता का पर्याय बना रहेगा। गैरी सोबर्स के अंतिम संस्कार में सीडब्ल्यूआई के निदेशक एनोक लुईस (लीवर्ड आइलैंड्स क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष), बिसूनदयाल सिंह (गुयाना क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष) और क्लेमेंट मार्सेलिन (विंडवर्ड आइलैंड्स क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष) भी शामिल होंगे।

# वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश टीम चैंपियनशिप: भारत की पुरुष और महिला टीम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

विश्व केसरी■

**ओंटारियो।** वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश टीम चैंपियनशिप में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। पुरुष टीम ने प्री-क्वार्टर फाइनल में कुवैत को 2-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने ग्रुप चरण के अपने आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 3-0 से हराकर दमदार जीत दर्ज की।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम को कुवैत के खिलाफ जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। मुकाबले की शुरुआत भारत के लिए अच्छी नहीं रही। पहले मैच में युशा नफीस को कुवैत के अब्दुल्ला अली के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की।

दूसरे मुकाबले में आर्यवीर दीवान ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए खालिद वलीद अल फौजैन को 11-5, 11-6 और 11-5 से हराकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद निर्णायक मैच में गुरवीर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अब्दुल रहमान अल सानिया को 11-3, 11-3 और 11-4 से हराकर भारत को 2-1 की जीत दिलाई।

जीत के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच हरिंदर पाल सिंह संधू ने खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि कुवैत के अब्दुल्ला अली ने पहले मैच में शानदार खेल दिखाया और भारत को शुरुआत में दबाव में डाल दिया था। हालांकि, टीम के अन्य खिलाड़ियों ने धैर्य बनाए रखा और बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अब भारतीय पुरुष टीम का सामना क्वार्टर फाइनल में मजबूत इंग्लैंड से होगा। संधू ने कहा कि इंग्लैंड एक बेहतरीन टीम है, लेकिन उनके खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह व्यक्तिगत प्रतियोगिता में इंग्लैंड के खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले खेले हैं। ऐसे में टीम उस अनुभव का फायदा उठाकर अच्छी रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी।

दूसरी ओर, भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। पहले मैच में रुद्र सिंह ने मकायला नायडू को 11-4, 11-5 और 11-3 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रियाना रॉबिन्सन को 11-1, 11-1 और 11-3 से हराया। तीसरे मुकाबले में सान्वी कलंकी ने विविएन वैन डेर शिफ को 11-4, 11-3 और 11-3 से हराकर भारत की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। इस शानदार जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने ग्रुप चरण का समापन जीत के साथ किया और आत्मविश्वास के साथ नॉकआउट दौर में प्रवेश किया है।


स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा ) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415